YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❑ वर्ष-14 ❑ अंक-318 ❑ सोमवार, 22 दिसम्बर 2025 ❑ नगर संस्करण ❑ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❑ मूल्य- ₹ 3.00 ❑ पृष्ठ-12

ध्यान एक सार्वभौमिक पद्धति है जो सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक सीमाओं से परे है। उन्होंने इसे मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और आंतरिक परिवर्तन के मार्ग के रूप में वर्णित किया और इस बात पर जोर दिया कि 'विश्व ध्यान दिवस' आधुनिक जीवन में चिंतन के बढ़ते महत्व को पहचानने का एक अवसर देता है। उपराष्ट्रपति

पूर्व अग्निवीरों को बीएसएफ में सिपाही की सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण का तोहफा 11

प्रदूषण को कम के लिए दिल्ली सरकार का मेट्रो विस्तार पर फोकस : रेखा गुप्ता 12

संक्षेप

विकसित भारत-जी राम जी विधेयक बना कानून, राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम दी विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी है। इस स्वीकृति के साथ यह विधेयक अब कानून बन गया है। इस कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर अब एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिन कर दिया गया है। सरकार इसे ग्रामीण जीवन को मजबूत आधार देने वाला ऐतिहासिक कदम बता रही है।

जलकल के अवर अभियंता पर विभागीय कार्रवाई तेज

लखनऊ। जलकल विभाग में अवर अभियन्ता विक्रम सिंह के खिलाफ चल रही विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई ने तूल पकड़ लिया है। नगरीय निकाय निदेशालय, गोमती नगर विस्तार ने जलकल विभाग के अवर अभियंता विक्रम सिंह को तीन दिनों के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। तय समय में जवाब न देने पर आरोप स्वीकार माने जाएंगे और आगे की कार्रवाई अभिलेखों के आधार पर पूरी कर दी जाएगी। निदेशालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार, विक्रम सिंह के विरुद्ध विभागीय अनुशासनिक कार्यवाही शुरू की गई थी। इसके अंतर्गत 16 अक्टूबर को अनुमोदित आरोप पत्र नगर आयुक्त के माध्यम से तामील कराया गया, जिसे अभियंता ने 24 अक्टूबर को प्राप्त भी कर लिया था। इसके बावजूद आरोप पत्र का कोई उत्तर अब तक प्रस्तुत नहीं किया गया। उन पर अनियमितता व लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ऐसे में जांच अधिकारी ने नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का हवाला देते हुए अंतिम अवसर दिया है।

योगी सरकार जल्द लॉन्च करेगी आयुष एप, घर बैठे मिलेंगी आयुष सुविधाएं

लखनऊ। आयुष चिकित्सा पद्धतियों को जन-जन तक पहुंचाने और उन्हें डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में योगी आदित्यनाथ सरकार एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। योगी सरकार जल्द ही आयुष एप लॉन्च करने की तैयारी में है, जिसके माध्यम से आम नागरिकों को घर बैठे आयुष से जुड़ी विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह एप भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सहयोग से विकसित किया जाएगा। इस एप के जरिए मरीजों को ऑनलाइन ओपीडी पंजीकरण और अपॉइंटमेंट की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही आयुष विभाग से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होंगी। सरकार के इस कदम से न केवल आयुष चिकित्सा पद्धतियों को व्यापक पहचान मिलेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। आयुष विभाग के प्रमुख सचिव रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि आयुष चिकित्सा पद्धतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचें।

रेल किराया बढ़ा

लेकिन उपनगरीय- मासिक सीजन टिकट के दामों में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों के लिए बड़ा एलान किया है। 26 दिसंबर 2025 से ट्रेनों के किराए में संशोधन लागू होने जा रहा है। इस फैसले का असर देशभर के करोड़ों यात्रियों पर पड़ेगा, हालांकि रेलवे ने छोटी दूरी की यात्रा करने वालों को राहत देते हुए 215 किलोमीटर तक के सफर पर किराया न बढ़ाने का फैसला किया है। दैनिक यात्रियों के हित में उपनगरीय ट्रेनों और मासिक सीजन टिकटों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

रेलवे के अनुसार, साधारण श्रेणी में 215 किलोमीटर तक की यात्रा पर कोई अतिरिक्त किराया नहीं लिया जाएगा। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों और छोटी दूरी के यात्रियों की जेब पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। रेलवे का कहना है कि यह फैसला आम यात्रियों को ध्यान में रखकर लिया गया है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि 215 किलोमीटर से अधिक दूरी की यात्रा पर साधारण श्रेणी में 1 पैसा प्रति किलोमीटर, जबकि मेल/एक्सप्रेस और एसी श्रेणियों में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। उदाहरण के तौर पर करीब 1000 किलोमीटर की दूरी में जन साधारण एक्सप्रेस (नॉन-एसी) से यात्रा करने पर करीब 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। जबकि संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, वंदे भारत और राजधानी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में सफर करने पर यात्रियों को 20 रुपये अधिक चुकाने होंगे। रेल मंत्रालय के मुताबिक,

- ❑ 250 किमी से ज्यादा सफर पर साधारण क्लास में एक पैसा प्रति किमी बढ़ेगा किराया
- ❑ एसी क्लास में दो पैसे प्रति बढ़ेगा
- ❑ मेल/एक्सप्रेस की नॉन एसी ट्रेनों में दो पैसे प्रति किमी बढ़ोत्तरी, 26 दिसंबर से लागू होंगे
- ❑ 215 किलोमीटर तक यात्रा पर कोई बढ़ोतरी नहीं

नया किराया संशोधन राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, तेजस, हमसफर, अमृत भारत, महामना, गतिमान, अंत्योदय, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, एसी विस्टाडोम कोच, अनुभूति कोच और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं जैसी प्रीमियर व विशेष ट्रेन सेवाओं पर भी लागू होगा।

भारतीय रेलवे की ओर से ट्रेन टिकट के दाम में ये इस साल की दूसरी बढ़ोतरी की गई है। इससे पहले जुलाई महीने की पहली तारीख को रेल किराया बढ़ाया गया था। 1 जुलाई से भारतीय रेलवे की ओर से रेल किराये में की गई बढ़ोतरी भी इतनी ही थी। मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराये में 1 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी, जबकि एसी ट्रेन से यात्रा करने पर 2 पैसे प्रति किलोमीटर के हिसाब से इजाफा किया गया था।

रेलवे को होगी 600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय

रेलवे का अनुमान है कि इस किराया समायोजन से उसे करीब 600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय होगी। रेलवे के मुताबिक, इस राशि का उपयोग परिचालन लागत को संभालने और यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने में किया जाएगा, जैसे स्टेशन सुविधाएं, कोचों का रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था। पिछले दस वर्षों में, रेलवे ने अपने नेटवर्क और ऑपरेशन को काफी बढ़ाया है और देश के दूर-दराज के कोनों तक भी पहुंच गया है।

प्रदेश सरकार आज पेश करेगी अनुपूरक बजट, योजनाओं को मिलेगी गति

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। यूपी सरकार सोमवार को अनुपूरक बजट पेश करेगी। आम बजट के तकरीबन दो महीना पहले पेश किए जा रहे इस बजट से उन योजनाओं को गति देने की कोशिश होगी, जिनमें बजट के अभाव में ठहराव आ रहा है। बजट का आकार 25 से 30 हजार करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान है। बीते साल सरकार ने दिसंबर में 17,865 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। केंद्र सरकार से जल जीवन मिशन समेत कई योजनाएं बजट के अभाव में कुछ धीमी हो गई हैं। प्रदेश सरकार इन योजनाओं को बजट देकर इनकी गति बनाए रखना चाह रही है। इसके अलावा आम

- ❑ 25 से 30 हजार करोड़ रुपये के बीच हो सकता है आकार

बजट की तरह ही इस अनुपूरक में भी बुनियादी सुविधाओं पर ही ज्यादा जोर रहेगा।

सड़क निर्माण और लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए अच्छा बजट मिल सकता है। जल जीवन मिशन में केंद्र सरकार इस वित्त वर्ष में कोई बजट नहीं मिला है। योजना पर अमल तो धीमा हुआ ही है, कर्मचारियों की तनख्वाह तक नहीं मिल रही है। वहीं, अटल भूजल मिशन केंद्र सरकार ने बंद कर दी है। दोनों योजनाओं में प्रदेश सरकार बजट देगी ताकि इन योजनाओं को जारी रखा जा सके। ग्राम्य विकास विभाग और लोक निर्माण विभाग को उनके क्षेत्र में सड़कें बनवाने के लिए रकम दी जाएगी। गर्मियों में बजली का इंतजाम दुरुस्त रहे, इसके लिए सरकार ने अभी से कोशिश करती दिखेगी। बिजली का नेटवर्क सुधारने और नए पावर प्लांटों के लिए ऊर्जा विभाग को अतिरिक्त राशि दी जाएगी। अस्पतालों की सुविधाओं बेहतर बनाने के लिए भी बजट दिया जाएगा। नए उद्योगों को सब्सिडी के लिए बजट राज्य सरकार औद्योगिकरण को बढ़ावा देने के लिए

● शेष पेज 11 पर

पांच फार्मा कम्पनियों के खिलाफ भी होगी एफआईआर

लखनऊ। कफ सिरप प्रकरण में एसटीएफ की रडार पर पांच फार्मा कम्पनियां है। इनके खिलाफ आरोपियों से साठगांठ के साक्ष्य मिले है। इस आधार पर ही इनके खिलाफ एफआईआर की कवायद भी शुरू कर दी गई है। वहीं एसटीएफ ने इस मामले में लखनऊ और वाराणसी में फरार आरोपियों के परिवारीजनों से पूछताछ की है। इन लोगों से कई दस्तावेज भी मांगे गए है। एसटीएफ ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, अमित टाटा और विभोर राणा के खिलाफ कई साक्ष्य जुटा लिए है। इनके बैंक खातों से भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली

● शेष पेज 11 पर

'सुरक्षित रहने के लिए एकजुट रहना होगा'

एजेंसी

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत इन दिनों पश्चिम बंगाल के चार दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को उत्तर बंगाल के कोलकाता पहुंचे भागवत ने साइंस सिटी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने दुनियाभर में हिंदुओं के हालात खासकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे आत्याचार को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक हैं और वहां हालात काफी कठिन हैं। ऐसे में अपनी सुरक्षा के लिए वहां के हिंदुओं को एकजुट रहना होगा।

मोहन भागवत ने कहा कि सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के हिंदुओं को उनकी मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अपनी सीमाओं के भीतर रहकर जितनी मदद कर सकते हैं, उतनी करनी चाहिए और हम कर भी रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं के लिए एकमात्र देश भारत है, इसलिए भारत सरकार को इस मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए।

भागवत ने आगे कहा कि अगर आप संघ को समझना चाहते हैं, तो तुलना करने से गलतफहमियां पैदा होंगी। अगर आप संघ को केवल एक अन्य सेवा संगठन मानते हैं, तो आप गलत होंगे। आरसएस प्रमुख ने कहा कि कई लोगों में 'संघ' को भाजपा के नजरिए से समझने की प्रवृत्ति होती है, जो एक बहुत बड़ी गलती है। संघ की स्थापना का सार एक ही वाक्य में है 'भारत माता की जय'। उन्होंने कहा कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि अपनी खास संस्कृति, परंपरा और स्वभाव का नाम है। संघ का लक्ष्य इन मूल्यों को बनाए रखते हुए भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए समाज को तैयार करना है।

भागवत ने साफ किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जन्म किसी राजनीतिक मकसद, प्रतिस्पर्धा या विरोध के लिए नहीं हुआ। उनका कहना था कि संघ पूरी तरह हिंदू समाज के संगठन, उन्नति और संरक्षण के लिए समर्पित है। संघ की भूमिका समझाने के लिए भागवत ने इतिहास का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस के निधन के बाद अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष भले ही थम गया, लेकिन राजा राम मोहन राय के समय से शुरू हुई समाज सुधार की प्रक्रिया लगातार चलती रही। उन्होंने इसे समुद्र के बीच एक ऐसे द्वीप की तरह बताया, जो समय के साथ मजबूती से कायम रहा।

- ❑ भागवत बोले- बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक इसलिए हालात मुश्किल, हमें सीमाओं में रहकर मदद करनी चाहिए, क्योंकि भारत ही हिंदुओं का एकमात्र देश

हमें अपने समाज को मजबूत करना है : आरएसएस प्रमुख

आरएसएस प्रमुख ने समाज को मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि भारत एक महान विरासत वाला देश है और उसे वैश्विक नेतृत्व के लिए खुद को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा कि अतीत में हम अंग्रेजों से युद्ध हार गए थे, लेकिन अब वक्त है कि हम अपने समाज को संगठित और सशक्त बनाएं। उनका पूरा भाषण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा, 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' की सोच और एकजुट हिंदू समाज के साथ समृद्ध भारत के लक्ष्य पर केंद्रित रहा।

मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी वांछित बदमाश सिराज ढेर

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी वांछित बदमाश सिराज ढेर हो गया। मुठभेड़ सहारनपुर जनपद के थाना गंगोह क्षेत्र के गांव सलारपुरा के पास रविवार सुबह करीब छह बजे हुई। आरोपी बदमाश सिराज अहमद सुल्तानपुर के बहुचर्चित अधिवक्ता आजाद हत्याकांड में करीब डेढ़ साल से फरार चल रहा था।

बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश एसटीएफ को बदमाश के इलाके में छिपे होने की सूचना मिली थी। जानकारी के अनुसार, सुल्तानपुर जनपद में हुए चर्चित हत्याकांड में फरार चल रहे सिराज की तलाश में उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स लंबे समय से लगी हुई थी। एसटीएफ टीम को सहारनपुर जनपद के थाना गंगोह क्षेत्र में संदिग्ध की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद टीम अर्लट हो गई और उसे चारों ओर से घेरने की तैयारी में जुट गई। बताया जा रहा है कि बदमाश बाइक पर आया और खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में

बंगलादेशी मीडिया दुष्प्रचार से बाज आए : विदेश मंत्रालय

बंगलादेश उच्चायोग की सुरक्षा में कोई चूक नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग की सुरक्षा के बारे में बंगलादेशी मीडिया में किए जा रहे दुष्प्रचार पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा है कि उच्चायोग की सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई है और लोगों को गुमराह नहीं किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां स्थित बंगलादेश उच्चायोग के सामने शनिवार को हुए प्रदर्शन के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में रविवार को कहा कि भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बंगलादेशी मीडिया इस बारे में दुष्प्रचार कर लोगों को गुमराह कर रहा है। प्रवक्ता ने कहा, ''

हमने इस घटना पर बांग्लादेशी मीडिया के कुछ हिस्सों में गुमराह करने वाला दुष्प्रचार देखा है। सच यह है कि 20 दिसंबर को नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने लगभग 20-25 युवा इकट्ठा हुए और उहोंने मैमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भयानक हत्या के विरोध में नारे लगाए, साथ ही बांग्लादेश में सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की भी मांग की। किसी भी समय बाड़ तोड़ने या सुरक्षा की स्थिति खराब करने की कोई कोशिश नहीं की गई। मौके पर मौजूद पुलिस ने कुछ ही मिनटों में ग्रुप को तितर-बितर कर दिया। इन घटनाओं के विज़ुअल सबूत सभी के देखने के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं। भारत वियना कन्वेंशन के अनुसार अपने क्षेत्र में विदेशी मिशनों/पोस्टों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश में बदलती स्थिति पर कड़ी नज़र रखे हुए है। उन्होंने कहा, '' हमारे अधिकारी बांग्लादेशी अधिकारियों के संपर्क में हैं और हमने अल्पसंख्यकों पर हमलों पर कड़ी चिंता जताई है। हमने यह भी आग्रह किया है कि दास की बर्बर हत्या के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। उल्लेखनीय है कि कुछ लोगों ने शनिवार रात यहां स्थित बांग्लादेश उच्चायोग के सामने प्रदर्शन किया और वहां की अंतरिम सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को वहां से दूर हटा दिया।

● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में किया युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 का शुभारंभ

सहकारी ग्राम विकास बैंक से अब महज छह फीसदी की दर पर मिलेगा ऋण

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लघु व सीमांत किसानों के लिए रविवार को बड़ी सौगात दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंदर यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक का रेट ऑफ इंटरेस्ट लगभग साढ़े 11 फीसदी है। किसानों को इसका काफी ब्याज देना होता है। सरकार इसे कम करने की दिशा में बढ़ रही है।

लघु व सीमांत किसान को यह लोन अब महज 6 फीसदी पर मिले। प्रदेश में मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत छह प्रतिशत पर लोन सहकारी ग्राम विकास बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराएंगे। शेष योगदान राज्य सरकार की ओर से किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया।

- ❑ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लघु व सीमांत किसानों को दिया बड़ा तोहफा
- ❑ आपसी विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की गारंटी भी है सहकारिता: योगी
- ❑ अब वन डिस्ट्रिक्ट, वन को-ऑपरेटिव बैंक की दिशा में बढ़ रहा प्रदेश

पीएम मोदी की प्रेरणा से सहकारिता के सुदृढ़ीकरण की दिशा में बढ़ाए गए अनेक कदम मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व की केंद्र सरकार ने पहली बार सहकारिता का नया मंत्रालय गठित किया। पहले यह कृषि मंत्रालय के अधीन छोटा आयाम हुआ करता था। पहले सहकारिता मंत्री के रूप में अमित शाह सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाई प्रदान कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है। पीएम मोदी की प्रेरणा से हम लोगों ने सहकारिता के सुदृढ़ीकरण की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। सहकारिता आपसी

विश्वास, सामाजिक समता और आत्मनिर्भरता की गारंटी भी है। दुनिया की एक चौथाई सहकारी समितियां भारत में हैं। इनमें 8.44 लाख से अधिक समितियां, 30 करोड़ से अधिक सदस्य पूरे अभियान में सामूहिक शक्ति के रूप में योगदान देने के लिए तत्पर हैं। 11 वर्ष में तकनीक का उपयोग कर दी जा रही भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था मुख्यमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष में हमने बदलते भारत में देखा है कि तकनीक का उपयोग कर जीवन को सरल बनाते हुए भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था दी जा रही है। डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शी नीतियों के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र में भी सुशासन व जवाबदेही सुनिश्चित होने की कार्रवाई बढ़ी है। एम पैक्स के माध्यम से बहुद्देश्यीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समितियों के सदस्यता का विस्तार, वित्तीय समावेशन को जोड़ते हुए इसे बढ़ाने, कृषि व ग्रामीण विकास को बढ़ाने व सहकारिता आंदोलन को मजबूती प्रदान किया गया है।

योगी ने यूपी में हुए कार्यों को गिनाया मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारिता वर्ष 2025 पर यूपी

● शेष पेज 11 पर

मुख्यमंत्री ने डीएम वाराणसी व महराजगंज को किया सम्मानित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के तहत रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में युवा सहकार सम्मेलन एवं यूपी को-ऑपरेटिव एक्सपो-2025 का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग की उपलब्धियों व नवाचारों पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। साथ ही मुख्यमंत्री व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने पुस्तिका का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी व महराजगंज के वर्तमान जिलाधिकारी समेत उत्कृष्ट कार्य करने वालों को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लिए ऋण का चेक भी प्रदान किया।
मुख्यमंत्री ने इन लोगों को किया सम्मानित सत्येंद्र कुमार (वर्तमान जिलाधिकारी, वाराणसी)-महराजगंज, बाराबंकी व वाराणसी में सहकारिता में सर्वांगीण विकास व मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए मिला सम्मान संतोष कुमार शर्मा (वर्तमान जिलाधिकारी महराजगंज) एम पैक्स सदस्यता महाभियान-2025 में प्रदेश में सर्वाधिक 1.22 लाख सदस्य बनाने और सर्वाधिक 28 हजार ऑनलाइन सदस्य जोड़ने के लिए सम्मानित हुए। यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड द्वारा सीएम युवा उद्यमी योजना के तहत अजय प्रताप सिंह को दनिश्ता फातिमा को पांच-पांच लाख ऋण का चेक दिया गया। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना में सोनम वर्मा न मनीष कुमार भदौरिया को 25-25 लाख रुपये व आकांक्षा सिंह को 10 लाख रुपये के ऋण का चेक दिया गया। नमो ड्रोन दीदी के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए वंदना तिवारी व ललिता देवी सम्मानित। एम पैक्स सदस्यता महाभियान के तहत सर्वाधिक सदस्य बनाने वाले तीन जनपद को सम्मानित किया गया।

'एक देश, एक कारोबारी' का एजेंडा देश के लिए घातक: अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि वह देश को 'एक देश, एक कारोबारी' की दिशा में ले जाने के गोपनीय एजेंडे पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का सिद्धांत अब 'एक का धंधा, एक से चंदा' बन चुका है, जिसके तहत देश के हर बड़े कारोबार को गिने-चुने हाथों में समेटने की कोशिश की जा रही है।

रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा नेतृत्व चंदे की सुविधा के लिए अलग-अलग जगह न जाकर, पूरे आर्थिक तंत्र को कुछ चुनिंदा लोगों के नियंत्रण में देना चाहता है। अपने पैसों की ल्लमहाभूखङ्क को पूरा करने के लिए सरकार और संगठन में ऐसे लोगों को बैठाया गया है, जो बिना किसी सवाल-जवाब के हर फैसले पर हामी भरते हैं।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी देश के लिए एकाधिकार की भावना घातक होती है चाहे वह राजनीतिक हो, आर्थिक हो या सामाजिक। आज भाजपा सरकार जिस तरह से नीतियों और नियम-कानूनों में बदलाव कर अन्य औद्योगिक घरानों को कमजोर कर रही है और आर्थिक गतिविधियों को चुनिंदा समूहों तक सीमित कर रही है, उससे देश एक गंभीर और खतरनाक स्थिति की ओर बढ़ रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि इसका अगला परिणाम अनियंत्रित मुनाफ़ाखोरी, महंगाई और अंततः महा-भ्रष्टाचार के रूप में सामने आएगा। एकाधिकारवादी कंपनियों के फायदे के लिए नियम बदले जाएंगे, उपभोक्ताओं से मनमानी वसूली होगी और श्रमिकों का 'कम धन-अधिक श्रम' के उत्पीड़नकारी फार्मूले के तहत शोषण किया जाएगा। न किसानों की सुनी जाएगी और न ही पीडीए समाज की जिसका अर्थ है कि देश की लगभग 95 प्रतिशत आबादी शोषण का शिकार बनेगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि अब समय आ गया है कि देश एकजुट होकर भाजपा से साफ कहे ल्लएकाधिकार, नहीं स्वीकार!

उद्यान मंत्री ने रायबरेली महोत्सव एवं शिल्प बाजार का फीता काटकर किया शुभारंभ

महोत्सव में मनोरंजन के साथ स्थानीय व्यापार और संस्कृति को दिया गया बढ़ावा : दिनेश प्रताप सिंह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में प्रारंभ हुए रायबरेली महोत्सव का फीता काट कर उद्घाटन किया। महोत्सव आयोजक राकेश गुप्ता व महोत्सव प्रभारी आशीष पाठक ने अपने सहयोगियों के साथ मुख्य अतिथि उद्यान मंत्री का माला पहनाकर अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने महोत्सव का शुभारंभ करते हुए आयोजनकर्ताओं की सराहना की और कहा कि ऐसा महोत्सव न केवल मनोरंजन का साधन बने हुए हैं, बल्कि स्थानीय व्यापार और संस्कृति को भी बढ़ावा दिया गया हैं आयोजक राकेश गुप्ता ने अपने पिता स्व जमुना प्रसाद गुप्ता के पदचिन्हों पर चलते हुए उनका नाम रोशन कर रहे है और रायबरेली वासियों के लिए रोजगार का अवसर भी दे रहे है रायबरेली महोत्सव रायबरेली वासियों के लिए न केवल मनोरंजन का केंद्र है, बल्कि यह एक ऐसी पहल है जो शहर के लोगों के बीच खुशी और उत्साह का माहौल पैदा कर रही है।लोगों को चाहिए कि वे समय निकाल कर खुद और अपने परिवार को इस महोत्सव का आनंद जरूर दिलाए विगत 14 वर्षों से जीआईसी मैदान में लग रहे महोत्सव जो कि रायबरेली में साल भर में एक बार दिसंबर जनवरी में जीआईसी मैदान में लगता है, हैंडलूम प्रदर्शनी की नींव या तो कह सकते हैं कि उसकी शुरुआत 55 वर्ष पहले राकेश गुप्ता के पिता वरिष्ठ समाजसेवी स्व जमुना प्रसाद गुप्ता ने की थी उसी के तहत 55 वर्षों से लगातार जीआईसी मैदान में प्रदर्शनी लगती चली आ रही है और हर साल कुछ ना कुछ नया देखने को मिलता है। उसी में राकेश गुप्ता ने 14 वर्षों से ठंड महीने में रायबरेली महोत्सव की शुरुवात भी कर दी है जो साल भर रायबरेली वासियों का इंतजार रहता है। रायबरेली महोत्सव के आयोजनकर्ता राकेश गुप्ता ने बताया कि यह महोत्सव जनपदवासियों के लिए मनोरंजन और खुशी का विशेष अवसर लेकर आया है। उन्होंने कहा, ''हमने जनपद के लोगों को छोटे बच्चों के लिए बड़े महानगरों जैसे झूले और सुविधाएं प्रदान करने की कोशिश की है।'' महोत्सव में सबसे बड़ा आकर्षण सहारनपुर का फर्नीचर कश्मीर की साल सूट जयपुरी रजई राजस्थान का अचार राजस्थानी व्यंजन के साथ-साथ ठंड माह में जो भी वस्तु लोगों के लिए जरूरी होती है वह सब रायबरेली महोत्सव में मौजूद है लोगों को लखनऊ कानपुर जाने की जरूरत नहीं पड़ती और वह रायबरेली में आसानी से देश के कोने-कोने से आए दुकानदारों से सस्ते दामों में खरीदारी कर लेते हैं इतना ही नहीं रायबरेली महोत्सव समिति ने आजीविका मिशन के तहत समूह की महिलाएं जो अपना उत्पाद घर में बनती हैं और उनको बेचने का कोई प्लेटफार्म उनको नहीं मिलता उसके लिए निशुल्क जगह के साथ-साथ दुकानें बनाकर भी बिजली आदि की व्यवस्था बिल्कुल निशुल्क करके दी है जिससे वह अपना जो रोजगार वह कर रही है उसको बढ़ावा मिल सके ।

अज्ञात वाहन से टकराकर गंभीर रूप से घायल

महराजगंज,रायबरेली। क्षेत्र के पूरे सुब्बा मजरे सीवन गांव निवासी बाइक सवार लवलेश 30 वर्ष पुत्र रामनरायन की शुक्रवार देर शाम रायबरेली से घर आते समय थुलवांसा के पास अज्ञात वाहन से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। राहगीरों की मदद से उन्हें सीएचसी महराजगंज पहुंचाया गया। जहां से उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया था। शनिवार देर रात जिला अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही क्षेत्र में शोक की लहर है। महराजगंज कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि मृतक बाइक सवार लवलेश के पिता राम नरायन सिंह की तहरीर पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। टक्कर मारने वाले वाहन चालक की तलाश कर कार्यवाही की जाएगी।

बुन्देलखण्ड की सांस्कृतिक विरासत एवं शौर्य गाथा को गणतंत्र दिवस पर किया जाएगा प्रदर्शित : जयवीर सिंह

गणतंत्र दिवस पर निकाली जायेगी बुन्देलखण्ड पर आधारित शोभा यात्रा एवं झांकी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिवर्ष की भांति गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2026) समारोह का आयोजन करने जा रही है। राष्ट्रीय उत्सव को और अधिक गरिमामय स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है, जो 'बुंदेलखंड' की थीम पर आधारित होगी। शोभायात्रा के माध्यम से बुंदेलखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, शौर्य, लोक परंपराओं और विविधता को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह जानकारी रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि यह थीम बुंदेलखंड की वास्तुकला, वीरतापूर्ण विरासत तथा सांस्कृतिक पहचान को उसके प्रतिष्ठित किलों-कालिंजर, झांसी, ओरछा, चरखारी और महोबा के माध्यम से प्रस्तुत करेगी, जो साहस, धरोहर और क्षेत्रीय कला-कौशल के प्रतीक हैं। शोभायात्रा के सफल आयोजन के लिए पर्यटन विभाग ने एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

शोभायात्रा में कथानक के माध्यम से बुंदेलखंड की गौरवशाली विरासत को सशक्त और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। इसमें क्षेत्र के प्राचीन स्थापत्य, सांस्कृतिक परंपराओं, लोककला और जीवनशैली को रेखांकित करते हुए उसकी अलग पहचान को उभारा जाएगा। कथानक में वीरता एवं शौर्य के उन ऐतिहासिक प्रतीकों को भी प्रस्तुत किया जाएगा, जिन्होंने इस भाग को साहस और स्वाभिमान की भूमि के रूप में स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त, बुंदेलखंड के किलों और महलों की पर्यटन संभावनाओं को दर्शाते हुए यह संदेश दिया जाएगा कि यह क्षेत्र विरासत, संस्कृति और पर्यटन के दृष्टिकोण से देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनने की क्षमता रखता है। बुंदेलखंड की लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत करती शोभायात्रा दर्शकों को प्रदेश की विरासत, परंपरा और उत्सव के रंगों में सराबोर कर देगी। बुंदेली सांस्कृतिक नृत्य कलाकार शोभायात्रा के दौरान रंगारंग प्रस्तुति देते हुए पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे नजर आएंगे। वहीं, ढ़ोल-नगाड़ों की थाप के साथ उनकी ऊर्जावान प्रस्तुति वातावरण को उत्साह से भर देगी। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर बुंदेलखंड थीम आधारित शोभायात्रा राज्य की सांस्कृतिक विरासत को नवाचार और गरिमा के साथ प्रस्तुत करने का सशक्त माध्यम होगी। विभागीय प्रयास है कि शोभायात्रा के माध्यम से बुंदेलखंड की विशिष्ट पहचान और पर्यटन संभावनाओं को नई गति मिले।

न्यायाधीश एवं जिलाधिकारी ने केन्द्रीय व जिला कारागार का किया निरीक्षण

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद न्यायाधीश सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शनिवार को केन्द्रीय कारागार एवं जिला कारागार, नैनी का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कारागार की चिकित्सालय, रसोईघर एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रसोई में बंदियों को मीनू चार्ट के अनुसार दिए जा रहे भोजन व नाश्ते की गुणवत्ता को परखा गया। न्यायाधीश ने विचाराधीन बंदियों से बातचीत कर लीगल सर्विसेज, स्वास्थ्य, खान-पान व साफ-सफाई की जानकारी ली। अधिकारियों ने कारागार परिसर में गार्डनिंग, योग, मेडिटेशन एवं स्वच्छता को और बेहतर करने के निर्देश दिए।

मौलाना खुर्शीद कादरी मामले की सुनवाई 2026 तक टली

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने चार दशकों से लापता मौलाना खुर्शीद जमाल कादरी से जुड़े मामले की अगली सुनवाई के लिए छह जनवरी 2026 की तिथि निर्धारित की है। यह मामला प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र में दर्ज एक आपराधिक प्रकरण से संबंधित है। वर्षों बीत जाने के बावजूद मौलाना का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। लंबी न्यायिक प्रक्रिया और जांच के बावजूद मामला अनसुलझा बना हुआ है। अदालत में सुनवाई टलने से पीड़ित पक्ष में निराशा देखी जा रही है।

प्रयागराज में बढ़ी सर्दी, घने कोहरे का अलर्ट

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शहर में सर्दी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने घने और बहुत घने कोहरे के साथ ठंडे दिन की संभावना जताई है। न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। कड़ाके की ठंड से बचने के लिए लोग अलाव और सुलगती आग का सहारा ले रहे हैं। सुबह और देर रात कोहरे के कारण दृश्यता भी प्रभावित हो रही है। ठंड के इस प्रकोप से जनजीवन प्रभावित है और लोग गर्म कपड़ों व अलाव के सहारे राहत तलाश रहे हैं।

राष्ट्रीय सर्जरी सम्मेलन में डॉ. संतोष सिंह की सहभागिता

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद के प्रसिद्ध सर्जन डॉ. संतोष सिंह ने कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय सर्जरी सम्मेलन में फैकल्टी के रूप में प्रतिभाग किया। यह सम्मेलन एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित हुआ। तीन दिवसीय सम्मेलन में जनरल, ब्रेस्ट, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, ट्रॉमा, मिनिमली इनवेसिव एवं रोबोटिक सर्जरी पर चर्चा हुई। डॉ. सिंह ने ब्रेस्ट कैंसर के आधुनिक उपचार एवं नवाचारों पर अपने विचार साझा किए। राष्ट्रीय मंच पर उनकी भागीदारी प्रयागराज के लिए गौरव का विषय रही।

विधायक विजय मिश्रा के बेटे विष्णु मिश्रा को हाईकोर्ट से जमानत

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने विधायक विजय मिश्रा के पुत्र विष्णु मिश्रा को जमानत दे दी है। यह मामला गैंगरेप पीड़िता को धमकी देने से जुड़ा है, जो वाराणसी के जैतपुरा थाने में दर्ज किया गया था। पीड़िता ने 12 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया था, जिसमें विधायक की बेटियां रीमा और सीमा भी आरोपी हैं। न्यायमूर्ति की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई के बाद विष्णु मिश्रा को राहत प्रदान की।

लालापुर थाने के दरोगा कौशल कुमार का स्थानांतरण

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लालापुर थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर कौशल कुमार का स्थानांतरण कर दिया गया है। उन्हें लालापुर थाना से हटाकर डीसीपी यमुनानगर जोन कार्यालय में संबद्ध किया गया है। दरोगा कौशल कुमार लंबे समय से वसूली और अन्य गंभीर आरोपों को लेकर चर्चाओं में रहे हैं। उनके खिलाफ विभागीय स्तर पर शिकायतें सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई मानी जा रही है। पुलिस विभाग में इस स्थानांतरण को महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। फिलहाल अधिकारी स्तर पर मामले को लेकर आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

पंचायत के फैसले से प्रेमी-प्रेमिका की हुई शादी, वीडियो वायरल

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। हंडिया क्षेत्र में प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक को गांव वालों ने पकड़ लिया, जिसके बाद हंगामा हो गया। मौके पर दोनों पक्षों के परिजनों को बुलाया गया और पंचायत बैठी। पंचायत में युवक-युवती से पूछताछ के बाद दोनों की शादी कराने का निर्णय लिया गया। इसके बाद मंदिर में पूरे रीति-रिवाज के साथ विवाह संपन्न कराया गया। शादी के बाद युवती को बाइक से विदा किया गया। इस अनोखे विवाह का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

घरेलू विवाद में बेटे ने की पिता की हत्या, आरोपी फरार

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बारा थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते एक बेटे ने अपने ही पिता की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। मृतक के दूसरे बेटे की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। हत्या की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, 61 वर्षीय राम बहादुर यादव पुत्र स्वर्गीय रामहर्ष यादव, ग्राम पंचायत सीध टिकट के मजरा पंडित का पूरा, थाना बारा के निवासी थे। वह करीब तीन दशकों से सहकारी सस्ते गल्ले की दुकान का संचालन कर रहे थे। शनिवार सुबह करीब छह बजे घरेलू विवाद के दौरान राम बहादुर यादव और उनके बेटे रामबाबू यादव के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी रामबाबू यादव ने लाठी से पिता पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

परिजन उन्हें शहर के एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराए, जहां इलाज के दौरान शनिवार रात करीब नौ बजे उनकी मौत हो गई। राम बहादुर यादव की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पारिवारिक मामला होने के कारण करीब 20 घंटे तक पुलिस को घटना की सूचना नहीं दी गई। इसके बाद मृतक के पुत्र मुनेश यादव ने आरोपी भाई रामबाबू यादव के खिलाफ बारा थाने में तहरीर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। बारा पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। फरार आरोपी रामबाबू यादव की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है।

छात्रा के साथ दुष्कर्म अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल, गिरफ्तार

महराजगंज,रायबरेली, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के एक कॉलेज के सीनियर ने अपने ही कॉलेज की बीए की छात्रा के साथ दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बनाकर उसे लंबे समय तक ब्लैकमेल किया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी छात्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़ित छात्रा द्वारा शुक्रवार को पुलिस को दी गई तहरीर में कॉलेज के ही सीनियर छात्र सौरभ मौर्य ने पहले उसे अपने जाल में फंसाया और फिर उसकी अश्लील वीडियो बना ली। आरोपी उस वीडियो के जरिए छात्रा को डरा-धमकाकर ब्लैकमेल करते हुए कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। छात्रा की शिकायत के बाद हरकत में आई पुलिस ने आरोपी छात्र सौरभ मौर्य और उसके पिता के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया था। रविवार को पुलिस टीम ने आरोपित छात्र को कैर नइया नाले के पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया।

नगर आयुक्त का गंगा घाटों पर सघन निरीक्षण, स्वच्छता व अतिक्रमण पर सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने आज गंगा तट के प्रमुख घाटों पर व्यापक निरीक्षण करते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि घाटों की स्वच्छता, सौंदर्य और अनुशासन से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। नगर आयुक्त ने नमो घाट से लेकर मणिकर्णिका घाट तक लगभग सभी प्रमुख घाटों का स्थलीय निरीक्षण कर साफ-सफाई, अतिक्रमण, अवैध गतिविधियों और चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने घाटों पर किसी भी प्रकार के अतिक्रमण, अवैध गुमटी, दुकान संचालन, नाव निर्माण से संबंधित सामग्री, स्क्रैप एवं लकड़ी के अवैध जमाव को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। घाटों की दीवारों को पान-पीक से गंदा किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने संबंधित स्थलों की सफाई कर वॉल पेंटिंग कराए जाने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने घाटों के पाथवे पर टूटे हुए चौकों को तुरंत बदलने, सीढ़ियों पर जमी सिल्ट की सफाई कराने, सोता से हो रहे जल रिसाव को नियंत्रित करने तथा घाटों पर लगे अवैध विज्ञापन पोस्टर चिन्हित कर हटाने के आदेश दिए।

गंगा नदी के किनारे फूल-मालाओं की नियमित सफाई जाल के माध्यम से सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। घाटों पर दुकानदारों को सख्त चेतावनी देते हुए नगर आयुक्त ने कहा कि प्रत्येक दुकान के आगे डस्टबिन अनिवार्य रूप से रखा जाए, अन्यथा गंदगी फैलाने की स्थिति में कड़ी कार्यवाही की जाएगी। साथ ही जीर्ण-शीर्ण डस्टबिनों की मरम्मत, पेंटिंग अथवा नए डस्टबिन लगाए जाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान घाटों पर तैनात बीट सफाई कर्मचारियों का स्थलीय सत्यापन किया गया तथा घाट पाथवे के चल रहे रिनोवेशन कार्यों का जायजा लेते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय जोनल अधिकारी दशाश्वमेध/कोतवाली मृत्युंजय नारायण मिश्र, अधिशासी अभियंता (सिविल), अधिशासी अभियंता जल निगम, सहायक अभियंता जलकल, अवर अभियंता मार्ग प्रकाश, संबंधित सफाई निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

समीक्षा गोष्ठी में कानून-व्यवस्था व सड़क सुरक्षा को लेकर दिए सख्त निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी श्री मोहित अग्रवाल द्वारा कैम्प कार्यालय में समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं अपराध नियंत्रण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के उद्देश्य से कोहरे की स्थिति में सड़क किनारे वाहन खड़े करने पर प्रतिबंध लगाने, अवैध कट बंद कराने, एनएचआई से समन्वय कर वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाने तथा क्रेन व एम्बुलेंस को सदैव तैयार अवस्था में रखने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु डग्गामार वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई, अतिक्रमण हटाने, सड़क सुरक्षा माह का आयोजन तथा स्कूली वाहनों की सघन फिटनेस जांच पर विशेष जोर दिया गया। महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत मिशन शक्ति केंद्रों की मरम्मत के लिए प्रत्येक सर्किल को धनराशि आवंटित करने एवं संबंधित मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के अंतर्गत लंबित मामलों की समयबद्ध विवेचना, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी तथा संगठित अपराध नेक्सस के पर्दाफाश हेतु प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त ऑपरेशन टॉर्च के तहत संदिग्ध व्यक्तियों के सत्यापन तथा लाउडस्पीकर के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देकर जनसुरक्षा एवं जनविश्वास को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया गया।

नहर का कहर, गेहूं की फसल जलमग्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महराजगंज,रायबरेली। महराजगंज विकास खंड क्षेत्र के ग्राम अतरेहटा में किसानों पर आफत बनकर आफत बारसी नहर का पानी टूट पड़ा है नहर का पानी अचानक गांव के खेतों में घुस जाने से लगभग 20 से 25 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जलमग्न हो गई है। इससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है

किसानों के अनुसार नहर पर बना पुल टूट जाने के कारण पानी की सही निकासी नहीं हो पा रही, जिससे लगातार खेतों में पानी भरता जा रहा है। किसानों का कहना है कि यदि तत्काल पानी की निकासी नहीं कराई गई, तो रात भर में ही 70 से 80 बीघा तक गेहूं की फसल जलमग्न होकर पूरी तरह बर्बाद हो सकती है घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में किसान मौके पर एकत्र हो गए और प्रशासन से तत्काल राहत कार्य की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही नहर के पानी को रोका नहीं गया और टूटे पुल की मरम्मत नहीं कराई गई, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे

मौके पर प्रधान प्रतिनिधि नीरज कुमार, अयोध्या प्रसाद मौर्य, सत्येंद्र सिंह, जितेंद्र कुमार, गौरव मौर्य, विजय बहादुर, शिवकिशोर, दयाराम, हौसला प्रसाद, श्याम किशोर और महादेव सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत नहर का पानी रोका जाए, टूटे पुल की मरम्मत कराई जाए और प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाए, ताकि उनकी मेहनत से उगाई गई फसल को और नुकसान से बचाया जा सके।

इलाहाबाद हाईकोर्ट करेगा आरबीआई जैसी निगरानी

आपराधिक मामलों में लिप्त वकीलों की मांगी जानकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ऐसे वकीलों की जानकारी तलब की है जो सक्रिय वकालत नहीं कर रहे हैं, अन्य व्यवसायों में संलिप्त हैं अथवा गिरोहबंद कानून के तहत अभियुक्त हैं। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने इटावा निवासी अधिवक्ता मोहम्मद कफील की याचिका पर सुनवाई करते हुए संबंधित जिलों के पुलिस कमिश्नरों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों व पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि वे इस प्रक्रिया की निष्पक्ष रूप से निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि थाना स्तर से भेजी जाने वाली सूचनाएं किसी दबाव, प्रभाव या बाहरी हस्तक्षेप से मुक्त हों। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के अधिवक्ता अशोक कुमार तिवारी द्वारा भेजे गए पत्र को भी रिकॉर्ड पर लिया, जिसमें कहा गया है कि जिन अधिवक्ताओं के खिलाफ हिस्ट्रीशीट खुली है या जो गैंगस्टर के रूप में चिन्हित हैं, उनका लाइसेंस ऑफ प्रैक्टिस (एलओपी) निलंबित किया जाएगा। बार काउंसिल ने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे अधिवक्ता न तो वकालत कर सकेंगे और न ही आगामी बार काउंसिल चुनाव में मतदान के पात्र होंगे।

कोर्ट को बताया गया कि सीओपी (सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस) सत्यापन के दौरान 105 अधिवक्ताओं का पंजीकरण फर्जी पाया गया है। यह भी स्पष्ट किया गया कि इस सत्यापन के दौरान पुलिस सत्यापन नहीं कराया गया था, क्योंकि इसकी आवश्यकता नहीं समझी गई। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह पूरक हलफनामा दाखिल कर अधिवक्ताओं के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करे, जिसमें एफआईआर संख्या, संबंधित धाराएं, मुकदमा दर्ज होने की तिथि तथा संबंधित पुलिस स्टेशन का उल्लेख हो।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने पूर्व में दाखिल हलफनामे में बताया था कि प्रदेश की विभिन्न जेलों में 2539 वकीलों के खिलाफ 3139 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा कोर्ट ने रजिस्ट्रार ऑफ फर्म्स, सोसायटीज एंड चिट्स, लखनऊ को निर्देश दिया है कि वह दो सप्ताह के भीतर वकीलों द्वारा पंजीकृत सोसायटीज की पूरी जानकारी प्रस्तुत करे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि वकीलों द्वारा पंजीकृत सोसायटीज से आशय उन समूहों से है जो जिला या तहसील न्यायालयों में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं द्वारा पेशेवर कार्य, कल्याण तथा अन्य सहायक उद्देश्यों के लिए गठित की गई हैं।

सड़क सुरक्षा और अपराध नियंत्रण सर्वोच्च प्राथमिकता : एसीपी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। मोहनलालगंज एसीपी विकास कुमार पांडेय ने शनिवार देर रात थाना नगराम प्रभारी विवेक चौधरी समेत पुलिस कर्मचारियों के साथ गोष्ठी कर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की। गोष्ठी के दौरान एसीपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुरक्षा, सड़क सुरक्षा और अपराध नियंत्रण पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसीपी ने कोहरे के मौसम में सड़क दुर्घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित सभी भारी एवं धीमी गति से चलने वाले वाहनों पर रेडियम पट्टी अनिवार्य रूप से लगवाई जाए। इसके लिए आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए गए, ताकि रात्रि एवं कोहरे के समय होने वाले हादसों में प्रभावी कमी लाई जा सके। इसके साथ ही उन्होंने नकबजनी, चोरी एवं अन्य आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ग्राम सुरक्षा समितियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्य करने पर जोर दिया। एसीपी ने नियमित गश्त, सतर्क निगरानी और निरंतर जागरूकता अभियान चलाने को आवश्यक बताया।गोष्ठी में बीट प्रणाली को और मजबूत करने, सूचना तंत्र को सक्रिय रखने तथा आमजन से बेहतर संवाद स्थापित करने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई। एसीपी ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी ही अपराध पर नियंत्रण का सबसे सशक्त माध्यम है।

अंत में एसीपी विकास कुमार पांडेय ने दो टूक कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और इसके लिए क्षेत्र में लगातार सघन अभियान चलाए जा रहे हैं।

विवि परिसरों में आवारा कुत्तों की रोकथाम अनिवार्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नोडल अधिकारी नियुक्त करने होंगे

लखनऊ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को परिसरों में आवारा कुत्तों के प्रवेश और निवास को रोकने के लिए तत्काल एवं प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश सुप्रीम कोर्ट के 7 नवंबर 2025 के आदेश के अनुपालन में जारी किए गए हैं, जिसमें संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई गई थी।

यूजीसी के सचिव प्रो. मनीष आर. जोशी द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। इसके तहत सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को चार प्रमुख कदम अनिवार्य रूप से लागू करने होंगे। पहला, प्रत्येक शिक्षण संस्थान अपने परिसर की स्वच्छता और देखरेख के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करेगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि आवारा कुत्ते परिसर में प्रवेश न करें या निवास न करें। नोडल अधिकारी का विवरण मुख्य द्वार पर प्रदर्शित किया जाएगा और स्थानीय नगर निकाय को भी सूचित किया जाएगा। दूसरा, छात्रों और कर्मचारियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें जानवरों के आसपास सुरक्षित व्यवहार, कुत्ते के काटने की स्थिति में प्राथमिक उपचार और तत्काल रिपोर्टिंग की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

तीसरा, स्टेडियमों और खेल परिसरों में चौबीसों घंटे सुरक्षा या ग्राउंड-कीपिंग कर्मियों की तैनाती की जाएगी, ताकि आवारा कुत्तों की आवाजाही पर निगरानी रखी जा सके। चौथा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुरूप अन्य सभी सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हो सके। यूजीसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में पशु कल्याण समितियों से संबंधित पूर्व जारी सलाह को भी इस आदेश के अनुरूप लागू किया जाएगा। सभी संस्थानों से अपेक्षा की गई है कि वे उठाए गए कदमों का विवरण निर्धारित ऑनलाइन लिंक के माध्यम से यूजीसी को शीघ्र उपलब्ध कराएं।

लखनऊ में रिश्वत लेते हुए दारोगा गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में शनिवार देर रात एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते हुए एक दारोगा को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के बाद आरोपित दारोगा को निलंबित कर दिया है। पीजीआई थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अयोध्या के इनायत नगर निवासी पीड़ित शशांक कुमार की कार पीजीआई थाना पुलिस ने सीज की थी। कार रिलीज कराने के लिए न्यायालय में अपील के बाद पीजीआई थाने से रिपोर्ट मांगी गई थी, जिसकी जांच दारोगा अमर कुमार कर रहे थे। उन्होंने जांच के नाम पर पीड़ित से रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन टीम ने योजना बनाकर 20 दिसंबर की रात कार्रवाई की। तय योजना के तहत शिकायतकर्ता को केमिकल लगे नोट देकर चौकी भेजा गया। जैसे ही दारोगा ने रिश्वत की रकम ली, बाहर मौजूद टीम ने मौके पर उसे पकड़ लिया। जांच के दौरान हाथ धुलवाने पर पानी का रंग बदल गया, जिससे रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। गिरफ्तारी के बाद आरोपित दारोगा को गोसाईगंज थाना ले जाया गया, जहां उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई की गई। आरोपित 2023 बैच का दारोगा अमर कुमार मूलरूप से रामपुर कारखाना, जनपद देवरिया का निवासी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग ने दारोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उसके खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है।

लखनऊ में योग का बढ़ता प्रभाव, देश ही नहीं विदेशों में भी लोकप्रिय

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। आज योग का चलन न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। बुजुर्गों, नवयुवकों, महिलाओं और बच्चों में योग के प्रति बढ़ती रुचि देखने को मिल रही है। योग के माध्यम से न केवल शारीरिक विकास हो रहा है, बल्कि अनेक गंभीर बीमारियों से भी राहत मिल रही है।

यह बातें शिवोहम की डायरेक्टर पूनम सिंह ने कही। उन्होंने बताया कि शांत मन से किया गया योग मानसिक सुकून प्रदान करता है। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन मात्र 15 मिनट ध्यान करता है तो उसे मानसिक शांति अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाह होते जा रहे हैं, जिसके कारण अनेक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। योग ही ऐसा माध्यम है जो तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है।

पूनम सिंह ने कहा कि हमारे देश के ऋषि-मुनियों और संतों ने योग को देश-विदेश तक पहुंचाने का कार्य किया है। आज बुजुर्ग, युवक और महिलाएं नियमित रूप से योग का अभ्यास कर रहे हैं, जिससे उन्हें मानसिक सुकून के साथ-साथ शरीर में नई ऊर्जा का संचार महसूस होता है। इस अवसर पर अनीता सिंह ने कहा कि नियमित योग हमारे शरीर के लिए अत्यंत लाभकारी है और हर वर्ग की महिलाओं को योग अवश्य करना चाहिए। वहीं आशा राय ने कहा कि योग के माध्यम से जटिल बीमारियों पर भी काबू पाया जा सकता है। सोनिया मित्तल ने कहा कि आज योग देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपना परचम लहरा रहा है।

विभा सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी सचेत है। खासतौर पर युवक और युवतियां अपनी फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रही हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हर्षा श्रीवास्तव, अर्चना सिंह, अपूर्वा श्रीवास्तव, मधुलिका शुक्ला, गरिमा अवस्थी, दीपशिखा सिंह, सुषमा पाल, पल्लवी सिंह, शुभम मिश्रा, नूपुर सिंह, धीरज अवस्थी, अनुराग सिंह, अभिजीत सिंह, नीलम तिवारी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुराचार के दो आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ,मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा से दुराचार के गंभीर मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो शातिर युवकों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है। मोहनलालगंज इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बीते 14 नवंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार उनकी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री, जो कक्षा 9 की छात्रा है, स्कूल से घर लौटते समय लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन बालिका का कोई सुराग नहीं लग सका।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल दो टीमें गठित कर बालिका की सकुशल बरामदगी के प्रयास तेज कर दिए। पुलिस टीम द्वारा बीते 16 दिसंबर को नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया गया। नियमानुसार बालिका का बयान दर्ज कराया गया, जिसमें उसने तीन युवकों पर सामूहिक दुष्कर्म के गंभीर आरोप लगाए।विवेचना के दौरान उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर मामले में धाराओं की बढ़ोतरी की गई। प्रकरण की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार अभियुक्तों की तलाश में दबिश दे रही थी।इसी क्रम में रविवार को पुलिस टीम ने रोहित उर्फ सोहित तथा मनीष रस्तोगी को मोहनलालगंज थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को नियमानुसार न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। वहीं तीसरा आरोपी रितिक घटना के बाद से फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि फरार आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर मामले में कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा पीड़िता और उसके परिवार को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

40 दिनों से लापता युवक सकुशल बरामद

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। महानगर थाना क्षेत्र से बीते 40 दिनों से लापता युवक को सकुशल बरामद कर महानगर पुलिस ने न केवल अपनी कार्यकुशलता का परिचय दिया बल्कि मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल भी कायम की है। सहायक पुलिस आयुक्त महानगर अंकित कुमार के कुशल निर्देशन एवं महानगर थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व यह सराहनीय सफलता मिली। चौकी इंचार्ज गोल मार्केट उपनिरीक्षक आर्यन शर्मा तथा कांस्टेबल वितेश यादव की सतर्कता, लगन और अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप 40 दिनों से गुमशुदा अनुराग अग्रवाल पुत्र स्वर्गीय श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल निवासी न्यू हैदराबाद थाना महानगर लखनऊ को आगरा से सकुशल बरामद किया गया। आवश्यक समन्वय के बाद पुलिस टीम युवक को आगरा से लखनऊ लेकर आई और पूरी तरह सुरक्षित उसके परिजनों के सुपुर्द किया।अपने प्रियजन को सकुशल पाकर परिजनों की आंखों में खुशी और चेहरे पर मुस्कान झलक उठी। उन्होंने महानगर पुलिस की तत्परता कार्यशैली और मानवीय सोच की भूरि-भूरि प्रशंसा की।यह उपलब्धि पुलिस की सजगता और समर्पण का प्रमाण है, जो समाज में सुरक्षा और भरोसे की भावना को और मजबूत करती है।

72 घंटे का अखंड साधना शिविर संपन्न

निगोहां, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। निगोहा क्षेत्र के मस्तीपुर गांव में आयोजित 72 घंटे का अखंड साधना शिविर परम पूज्य उमाकांत महाराज जी के मार्गदर्शन में श्रद्धा, भक्ति और पूर्ण अनुशासन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। शिविर में बड़ी संख्या में साधकों ने गुरु मंत्र का निरंतर जाप, ध्यान एवं साधना कर आत्मिक शांति का अनुभव किया। आयोजक नागेश्वर द्विवेदी ने बताया कि यह साधना केवल मस्तीपुर तक सीमित नहीं रही, बल्कि देश-विदेश में स्थित आश्रमों व शिष्यों ने एक ही समय पर साधना कर आध्यात्मिक एकता का संदेश दिया। रविवार को शिविर का विधिवत समापन पूजा-अर्चना, आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। साधकों ने बताया कि 72 घंटे की साधना से उन्हें मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति हुई। आयोजकों के अनुसार ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में अनुशासन, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं।

खाते से 83 हजार रुपये उड़ाए

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के नगराम इलाके में ऑनलाइन साइबर ठगी का गंभीर मामला सामने आया है, जहां बिना अनुमति युवक के बैंक खाते से 83,059 रुपये ऑनलाइन ट्रांजेक्शन के माध्यम से निकाल लिए गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत नगराम थाने में दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जमालपुर ददुरी निवासी हरिकेश पुत्र माता प्रसाद ने थाना नगराम में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीते 06 अप्रैल 2025 को उसके बैंक खाते से बिना उसकी अनुमति के ऑनलाइन भुगतान कर दिया गया। ठगी की यह राशि दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन में निकाली गई, जिसमें पहला भुगतान 49,862 रुपये और दूसरा 33,197 रुपये का था। पीड़ित ने बताया कि उसने इस संबंध में साइबर सेल थाना हजरतगंज में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई । इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर उसने नगराम थाने में भी तहरीर दी है। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है और साइबर सेल के माध्यम से ट्रांजेक्शन की जानकारी खंगाली जा रही है।

महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए किया गया जागरूक

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। को मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत थाना क्षेत्र जानकीपुरम के जानकी गार्डे न मे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य महिलाओ व बच्चों को उनके अधिकारो के लिए जागरूक करना व साइबर ठगी से बचाव था। इस कार्यक्रम मे सजग,सतर्क व सशक्त नारी,सुरक्षित परिवार और मज़बूत समाज की भी बात कही गई। जागरूकता कार्यक्रम मे जानकीपुरम पुलिस द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकार के प्रति सजग किया गया इस दौरान उन्हें अधिकारों के प्रति जागरूक करने वाले पम्पलेट भी वितरित किये गये साथ ही ये भी बताया गया कि मिशन शक्ति महिलाओं पर हो रहे हर तरह के अपराध से निपटने को तत्पर व तैयार रहती है लेकिन अपने अधिकारो के लिए महिलाओं को आगे आना पड़ेगा

लखनऊ में युवक की पीट-पीटकर हत्या

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात को एक युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। एक आरोपित को हिरासत में लिया गया है। पारा थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात को 02:15 बजे पीआरवी के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम पारूखेड़ा में एक व्यक्ति की हत्या हो गई है।

रालोद में शामिल हुए भारतीय जन-जन पार्टी के पदाधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में रविवार को सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान रालोद के प्रोफ़ेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल की उपस्थिति एवं मंच के प्रदेश सचिव कमल श्रीवास्तव के प्रयासों से बाराबंकी जनपद के सैकड़ों लोगों ने राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की। इसमें प्रमुख रूप से भारतीय जन-जन पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रजित राम प्रजापति, प्रदेश सचिव कमल नयन रावत, जिला कार्यकर्ता सत्यप्रकाश गुड्डू एवं कौशल किशोर वर्मा सहित अनेक लोगों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण की। यह जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने दी।

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में पार्टी की नीतियों, किसान हितैषी सोच तथा प्रोफ़ेशनल मंच के माध्यम से युवाओं और प्रबुद्ध वर्ग को जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रोफ़ेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल देश के किसानों, युवाओं और प्रोफ़ेशनल वर्ग की आवाज़ को मजबूती से उठाने वाला दल है। आज विभिन्न दलों के प्रबुद्ध लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि राष्ट्रीय लोकदल की नीतियों पर जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। आने वाले समय में प्रोफ़ेशनल मंच संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेगा। इस अवसर पर प्रोफ़ेशनल मंच के प्रदेश सचिव सुमित सिंह, मुख्तार अहमद, जगजीत श्रीवास्तव, लियाकत अली, अमित कुमार सहित राष्ट्रीय लोकदल के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जय मां पाटन देवी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब करनपुर के नाम

रोमांचक फाइनल में करोरा को 22 रनों से दी शिकस्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ। नगराम क्षेत्र के हसनपुर में आयोजित जय मां पाटन देवी क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को रोमांच और उत्साह से भरपूर रहा। 15 ओवर के इस खिताबी मुकाबले में करनपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए करोरा को 22 रनों से पराजित कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए करनपुर की टीम ने निर्धारित 15 ओवर में 156 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी करोरा की टीम कड़े संघर्ष के बावजूद 134 रन ही बना सकी और हार का सामना करना पड़ा। फाइनल के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में अपना दल (एस) व्यापार मंच के जिलाध्यक्ष विकास पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता करनपुर और उपविजेता करोरा टीम को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। टूर्नामेंट में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब ऋषभ सिंह ने हासिल किया। इस अवसर पर आयोजक मंडल के साथ सलेमपुर अचाका ग्राम प्रधान विकास पटेल, बृजेश वर्मा, अनन्त कुमार, सर्वेश कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

कथक कार्यक्रम 'नवप्रभात' का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। राग प्रभात कथक नृत्य भूमि (निर्देशक रिनी भारद्वाज, प्रबंधन प्रमुख वान्या भारद्वाज) और रचना प्रभात प्रोडक्शंस (निर्देशक रचना प्रभात) ने राय उमानाथ बाली प्रेक्षागृह, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ में एक कथक कार्यक्रम नवप्रभात- कृष्ण के रंग, कथक के संग का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का निर्देशन और कोरियोग्राफ कृष्ण की थीम पर कथक कलाकार और राग प्रभात कथक नृत्य भूमि की निदेशक रिनी भारद्वाज द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. मांडवी सिंह, कुलपति भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, प्रशांत सिंह अटल, वरिष्ठ अधिवक्ता, सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश, प्रदेश संयोजक भाजपा यूपी, दुर्गेश त्रिपाठी, राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा विभाग, रचना प्रभात प्रोडक्शंस की निदेशक रचना प्रभात और राग प्रभात- कथक नृत्य भूमि की निदेशक रिनी भारद्वाज द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इस कार्यक्रम में कार्यशाला के छात्रों द्वारा विभिन्न अर्ध-शास्त्रीय और बॉलीवुड गीतों पर 5 प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समापन उनके गुरु, कथक कलाकार और शिक्षक, रिनी भारद्वाज द्वारा एक विशेष कथक प्रदर्शन के साथ हुआ, जिन्होंने कृष्ण भजन के साथ अपना प्रदर्शन शुरू किया, उसके बाद ताल धमार प्रस्तुत किया, दोनों कथक के लखनऊ कालका बिंदादीन घराने के प्रतिपादक पंडित द्वारा रचित थे। बिरजू महाराज, उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस का समापन भीमसेन जोशी और लता मंगेशकर द्वारा कंपोज़ किए गए कंपोज़िशन बाजे रे मुरलिया पर भावपक्ष परफॉर्मेंस के साथ किया। सभी परफॉर्मेंस को रिनी भारद्वाज ने कोरियोग्राफ और डायरेक्ट किया गया था। शाम की परफॉर्मेंस के बाद रिनी भारद्वाज ने मुख्य भाषण दिया, जिसमें उन्होंने कथक नृत्य और वर्कशॉप के बारे में अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया। कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथियों के धन्यवाद संदेश और छात्रों को सर्टिफिकेट वितरण के साथ हुआ।

ज्वेलरी शॉप का शटर तोड़कर करोड़ों की चोरी, चोर फरार

पुलिस ने फोरेंसिक व डॉग स्क्वॉड की मदद से जुटाए साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज मिली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मलिहाबाद/लखनऊ। मलिहाबाद कस्बे में चोरों ने बेखौफ होकर पुलिस चौकी के बेहद नजदीक स्थित एक ज्वेलरी शॉप को निशाना बनाते हुए करोड़ों रुपये की चोरी को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह रही कि जिस दुकान में चोरी हुई, वह पुलिस चौकी से महज कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित है। इसके बावजूद चोर बिना किसी डर के शटर तोड़कर दुकान में घुसे और सोने-चांदी के कीमती आभूषण समेट कर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह वारदात मलिहाबाद कस्बे में स्थित फजल ज्वेलर्स की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, देर रात चोरों ने दुकान के शटर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारियों व लॉकरों को खंगाल डाला। सुबह जब दुकान मालिक यूसुफ अली के भतीजे ने दुकान का शटर खुला देखा तो उसने तत्काल परिजनों को सूचना दी। इसके बाद दुकान मालिक मौके पर पहुंचे, जहां शटर एक ओर से टूटा हुआ मिला। अंदर जांच करने पर पता चला कि सभी कीमती आभूषण गायब थे, तब तक चोर वारदात को अंजाम देकर फरार हो चुके थे। दुकान मालिक के अनुसार, शॉप में लगभग 250 ग्राम सोना और 30 से 35 किलोग्राम चांदी रखी हुई थी। चोरी गए आभूषणों की कुल कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इसमें लगभग 70 लाख रुपये से अधिक की चांदी और करीब 26 लाख रुपये से अधिक मूल्य का सोना शामिल है। इतनी बड़ी चोरी की घटना से इलाके के सर्राफा कारोबारियों में दहशत का माहौल है। व्यापारियों का कहना है कि यदि पुलिस चौकी के पास स्थित दुकान सुरक्षित नहीं है, तो अन्य बाजारों की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना मलिहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एडीसीपी गोपीनाथ सोनी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोरों ने सुनियोजित ढंग से शटर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। सूचना पर थाना प्रभारी के साथ पुलिस टीम, फोरेंसिक फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया, जिन्होंने साक्ष्य जुटाए। इसके अलावा क्राइम ब्रांच की टीम भी मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके और उनके फरार होने के रास्तों का पता लगाया जा सके। पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस चौकी के पास हुई इस बड़ी चोरी ने रात्रि गश्त और सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल दी है। स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने और बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस हर पहलू से मामले की जांच में जुटी है और शीघ्र खुलासे का भरोसा जता रही है।

जनसत्ता दल लोकतान्त्रिक की मासिक समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

जिले की कार्यकारिणी का किया गया विस्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। जनसत्ता दल लोकतान्त्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुँवर रघुराज सिंह राजा भैया के निर्देशन मे जिला अध्यक्ष आशीष सिंह भदौरिया के नेतृत्व मे हाउस न. 12ए/13 शांति विहार कॉलोनी,निकट जल निगम,सीतापुर रोड लखीमपुर खीरी मे जिला कार्यालय पर समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 2027 मे आने बाले विधानसभा चुनाव और कुछ महत्वपूर्ण विषयों को लेकर रहा।

जिले मे आयोजित बैठक मे जिले की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया और पार्टी के विस्तार हेतु गहनता से चर्चा की गयी।

आयोजित पार्टी मे लखीमपुर से पवन अवस्थी धीरू को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया, बैठक मे जिला अध्यक्ष आशीष सिंह भदौरिया व ठाकुर सोनू सिंह जिला महासचिव के द्वारा सुनील सिंह चौहान को बेहजम ब्लॉक से महासचिव नियुक्त किया गया जिसके बाद यश त्रिवेदी नगर अध्यक्ष सदर युवा मोर्चा निवासी शिव कॉलोनी को पदभार दिया गया गया।

जिसके साथ ही बेहजम ब्लॉक से जिला उपसचिव,सत्यपाल सिंह यादव ब्लॉक अध्यक्ष मितौली, रजनीश त्रिपाठी विधानसभा अध्यक्ष सदर लखीमपुर खीरी,मानवेन्द्र जी जिला उपसचिव बिजुआ ब्लॉक,एडवोकेट हरिरेन्द्र कुमार सिंह जिला अध्यक्ष विधिक प्रकोष्ठ ब्लॉक पसगवा, अखिलेश सिंह जिला महासचिव युवा मोर्चा बिजुआ ब्लॉक,बेदप्रकाश वर्मा सदस्य बेहजम,सुनील वर्मा सदस्य ब्लॉक गोला,सुरजीत शर्मा सदस्य ब्लॉक गोला को नियुक्त किया गया। सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को पदभार सौंपते हुए पार्टी की नीतियों को बुलंदियों तक पहुँचाने की अपेक्षा की गयी और साथ ही अपने पद की गरिमा को बनाये रखते हुए पार्टी द्वारा दी गयी जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगे।

कोटेदार के परिवार के नाम चार अंत्योदय कार्ड

शिकायत पर सत्यापन का हवाला देकर निस्तारण, अब फिर दर्ज हुई शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां । तहसील के ब्लॉक सकरन अंतर्गत महराजनगर में एक सरकारी राशन दुकान के संचालक पर अपात्रों के नाम अंत्योदय राशन कार्ड बनवाने का आरोप लगा है। इस मामले में पहले की गई शिकायत का निस्तारण केवल सत्यापन का हवाला देकर कर दिया गया था, जिसके बाद अब शिकायतकर्ता ने दोबारा खाद्य एवं रसद विभाग से शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता पंकज कुमार शुक्ला ने जिलाधिकारी सीतापुर को भेजे पत्र में बताया है कि महराजनगर की सरकारी गल्ले की दुकान सरलावती के नाम पर है, जिसका संचालन सरोज कुमार बाजपेई पुत्र रमेश चंद्र करते हैं। आरोप है कि सरोज कुमार बाजपेई ने अपने ही घर में चार अंत्योदय कार्ड बनवा रखे हैं। इनमें सरिता बाजपेई पत्नी सरोज कुमार बाजपेई (राशन कार्ड सं0-215420793077), गायत्री देवी पत्नी रमेश चंद्र (राशन कार्ड सं0-215420715890), विद्या पांडेय पत्नी दीपक कुमार (राशन कार्ड सं0-215420708297) और नीतू बाजपेई पुत्री रमेश चंद्र (राशन कार्ड सं0-215420785644) के नाम शामिल हैं। पंकज कुमार शुक्ला ने 19 अप्रैल 2023 को उपजिलाधिकारी बिसवां से इस संबंध में शिकायत की थी। इस शिकायत पर पूर्ति निरीक्षक बिसवां ने एक आख्या प्रस्तुत की थी। आख्या में बताया गया था कि उप जिलाधिकारी बिसवां कार्यालय ने 18 अक्टूबर 2022 को ग्रामीण क्षेत्र के अंत्योदय व पात्र गृहस्थी राशन कार्डों के सत्यापन के लिए खंड विकास अधिकारी को पत्र भेजा था। सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त न होने पर 28 मार्च 2023 को एक अनुस्मारक पत्र भी भेजा गया। पूर्ति निरीक्षक ने अपनी आख्या में कहा था कि सत्यापन रिपोर्ट मिलते ही अपात्रों के मामले में संज्ञान लिया जाएगा।

अनुशासनहीनता के आरोप में ऐप्जा संगठन से कमल किशोर उर्फ रंजय तिवारी निष्कासित

धौरहरा (लखीमपुर खीरी)। ऐप्जा संगठन ने अनुशासनहीनता और संगठन विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए बड़ा कदम उठाया है। शीर्ष नेतृत्व के आदेश पर धौरहरा निवासी कमल किशोर तिवारी उर्फ रंजय को संगठन से निष्कासित कर दिया गया है।

जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला द्वारा जारी आवश्यक सूचना में बताया गया कि संबंधित व्यक्ति को कई बार समझाने के बावजूद उसके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ। बीते कई दिनों से लगातार संगठन विरोधी कृत्य किए जा रहे थे, जिससे संगठन की छवि और अनुशासन प्रभावित हो रहा था। इसी के चलते यह कठोर निर्णय लिया गया।

जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और भविष्य में भी अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा में खुली लूट, एपीओ सकरन पर अवैध वसूली का गंभीर आरोप, वायरल स्वीकारोक्ति से मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रधानों में उबाल, मनरेगा की साख पर फिर लगा दाग

सकरन (सीतापुर)। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को ठेंगा दिखाते हुए विकास खंड सकरन में तैनात अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ) विकास श्रीवास्तव पर ग्राम प्रधानों से खुलेआम अवैध वसूली का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह प्रकरण उस समय और गंभीर हो गया जब एक ग्राम प्रधान ने सोशल मीडिया पर वीडियो/पोस्ट के माध्यम से सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि मनरेगा कार्यों के एवज में एपीओ द्वारा प्रति कार्य 2 हजार से 5 हजार रुपये तक की अवैध वसूली की जा रही है। वायरल हो रहे इस स्वीकारोक्ति भरे प्रकरण ने न केवल प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा दिया है, बल्कि मनरेगा जैसी महत्वाकांक्षी योजना की पारदर्शिता और ईमानदारी पर भी बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा कर दिया है। रकम न दो तो काम रोको एपीओ पर दबाव बनाने का आरोप प्रधानों का आरोप है कि यदि अवैध रकम नहीं दी जाती तो एपीओ द्वारा कार्यों की फाइलें रोकी जाती हैं तकनीकी आपत्तियां लगाकर भुगतान अटकाया जाता है अगामी कार्यों को स्वीकृति नहीं दी जाती ग्राम प्रधानों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है प्रधानों का कहना है कि यह सब सुनियोजित तरीके से उगाही का खेल है, जो लंबे समय से चल रहा था, लेकिन अब पहली बार मामला खुले तौर पर सामने आया है। वायरल प्रकरण से भड़के प्रधान, लामबंदी शुरू सोशल मीडिया पर मामला वायरल होते ही सकरन क्षेत्र के ग्राम प्रधानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कई प्रधानों ने खुलकर कहा है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो सामूहिक शिकायत जिलाधिकारी से मुलाकात और आवश्यकता पड़ी तो धरना-प्रदर्शन का रास्ता अपनाया जाएगा। प्रधानों का स्पष्ट कहना है कि मनरेगा गरीब मजदूरों की योजना है, न कि अधिकारियों की कमाई का जरिया। जीरो टॉलरेंस सिर्फ कागजों में प्रदेश सरकार जहां भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करती है, वहीं सकरन का यह मामला नीतियों और जमीनी हकीकत के बीच की खाई को उजागर करता है। सवाल यह है कि– क्या वायरल स्वीकारोक्ति के बावजूद कार्रवाई होगी? या फिर यह मामला भी अन्य घोटालों की तरह फाइलों में दबा दिया जाएगा प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल अब तक इस पूरे प्रकरण में जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी भी संदेह के घेरे में है। यदि वायरल आरोपों में सच्चाई नहीं है तो तत्काल खंडन क्यों नहीं? और यदि सच्चाई है तो निलंबन व जांच में देरी क्यों अब निगाहें जिला प्रशासन पर मनरेगा में लगातार सामने आ रहे घोटालों और अब एपीओ पर लगे सीधे आरोपों के बाद सकरन का प्रशासनिक तंत्र कठघरे में खड़ा है। जनता और प्रधानों की निगाहें अब जिला प्रशासन और शासन पर टिकी हैं कि क्या दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी या भ्रष्टाचार यूं ही फलता-फूलता रहेगा ।

ईश्वर निराकार और कण-कण में व्याप्त है : आचार्य जितेन्द्र

तिलहर/शाहजहांपुर। ईश्वर निराकार और कण-कण में व्याप्त है। मानव मात्र से लेकर समस्त प्राणियों और सृष्टि की रचना ईश्वर के स्वरूप को प्रदर्शित करती है। यह विचार रविवार को आर्य समाज में साप्ताहिक वैदिक विचार गोष्ठी के दौरान आचार्य जितेंद्र सिंह आर्य ने कहे। उन्होंने कहा कि सृष्टि को बनाने वाला परमपिता परमात्मा है, ईश्वर ने ही यह सुंदर संसार रचा है। ईश्वर ने प्राणी को इस सुंदर वाटिका में त्याग पूर्वक उपभोग के लिए भेजा है। हमें जो भी साधन मिल रहे हैं, उनका त्याग पूर्वक उपभोग करते हुए ईश्वर को धन्यवाद देना चाहिए। मंत्री लोकेश आर्य ने ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका को पढ़ते हुए ईश्वर प्राप्ति के लिए योगाभ्यास करने और वेद मार्ग पर चलने का आवाहन किया। कृष्ण मुरारी आर्य और खुशी आर्या ने ईश्वर भक्ति का भजन सुनाकर सभी को भाव विभोर कर दिया।

सपा बीएलए बूथ पर जागरूक रहकर सही वोटों को बचाएं : तनवीर खां

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्लाह सिद्दीकी की अध्यक्षता में बीएलए की बैठक पार्टी के जिला कार्यालय पर हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सपा जिलाध्यक्ष/ पूर्व चेयरमैन तनवीर खां ने कहा कि वर्तमान में एसआईआर (विशेष सघन पुनरीक्षण) कार्यक्रम चल रहा है। सभी सपा के बीएलए अपने बूथ की मतदाता सूची को देखकर अनुपस्थित, मृतक, शिफ्टेड तथा डबल नामों की समीक्षा करें और नए वोट बढ़ाने के लिए छह नंबर फार्म भरवाकर जमा करवाएं। कहा कि पार्टी के सभी बीएलए अपने-अपने बूथ पर जागरूक रहकर सही वोटों को बचाएं। कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि जिन भटियारा/ महागीर समाज के लोगों का शाहजहांपुर में जन्म हुआ और उनकी संपत्ति भी शाहजहांपुर में ही है। वो केवल अपनी रोजी-रोटी कमाने के लिए दो-तीन माह के लिए दूसरे प्रदेशों में जाते हैं। इन लोगों के निवास प्रमाण पत्र तहसील द्वारा जारी नहीं किया जा रहे हैं। प्रशासन इनको शाहजहांपुर का नागरिक नहीं मान रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि भटियारा (महागीर समाज) का प्रमाण पत्र जारी कराया जाए। जिससे उनकी परेशानी दूर हो सके। बैठक में सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्लाह सिद्दीकी, सपा महानगर अध्यक्ष रामकुमार भोजवाल, नगर विधानसभा महासचिव लल्ला सिंह, अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष हाफिज अंसारी, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव सरताज खान, महिला सभा की जिलाध्यक्ष किरन कठेरिया, महिला सभा की महानगर अध्यक्ष जफरीन, मोनू कुरैशी, सलमान प्रधान, दुर्गेश कुमार, असलम अंसारी, खिजर महबूब खां उर्फ चंदू, इश्तियाक खां, अजीज अहमद खां, फैसल, मुजीब, नजीर, राकेश विश्वकर्मा, रोहित यादव, अलवर सिंह, विकास आनंद सक्सेना, सत्येंद्र कुमार एडवोकेट, सुनील, महिपाल, सईद खां, साबिर, मोहसिन, शकील, आशीष, विजय, तौफीक, राजू, सर्वेश यादव, जुबेर खां, सिद्दीक खां, रिजवान, आरिफ, सपा जिलाध्यक्ष के प्रतिनिधि शाहनवाज आदि कई लोग मौजूद रहे।

बरवर-जहानीखेड़ा मार्ग पर ट्रकों की भिड़ंत, एक चालक की दर्दनाक मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी । जनपद के बरवरऽजहानीखेड़ा मार्ग पर मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पसगवां कोतवाली क्षेत्र के चंदिला चौराहे के पास आमने-सामने दो ट्रकों की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मृतक ट्रक चालक की पहचान अमित पांडे, निवासी मैगलगंज के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि दोनों ट्रक तेज रफ्तार में थे, तभी चंदिला चौराहे के पास आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और एक चालक केबिन में ही फंस गया।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पसगवां कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद केबिन में फंसे चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारण कुछ समय तक बरवरऽजहानीखेड़ा मार्ग पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और लापरवाही मानी जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतक चालक की मौत की सूचना मिलते ही उसके परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बलिदान दिवस पर सम्मान समारोह कवि सम्मेलन व मुशायरा आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। बलिदान दिवस पर सखा परिवार ट्रस्ट की ओर अटल बिहारी ऑडिटोरियम में सम्मान समारोह व अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता वसीम मीनाई ने की और मुख्य अतिथि के रूप में क्रांतिकारी लेखक डॉ सुधीर विद्यार्थी मौजूद रहे। इसके अलावा वशिष्ठ अतिथि के तौर पर नगर आयुक्त डॉ विपिन कुमार मिश्रा और अपर नगर आयुक्त एसके सिंह तथा अमर शहीद अशफाक उल्ला खां के प्रपौत्र अशफाक उल्ला खां मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जनपद में सामाजिक कार्य करने वाले लोगों को सम्मान दिया गया। जिसमें कार्टूनिस्ट सैफ अली खां, विनय अग्रवाल, आशीष भारद्वाज, मोहम्मद तारिक आदि को सम्मानित किया गया। इसके बाद कवि सम्मेलन एवं मुशायरा शुरू हुआ। जिसमें फिरोजाबाद से आए से शायर हाशिम फिरोजाबादी, बाराबंकी से आए फैज खुमार, नैनीताल से आए कवि मोहन मुंतजीर, कार्यक्रम का संचालन कर रहे लखनऊ से आए शाहबाज तालिब, युवा शायर अर्शीयान अर्श, आशीष ब्रह्मात्मज, हबीब चमन, उवैस शिफा, वाजिद हुसैन, मुनेंद्र मंजुल, सिराज अली आदि कवियों और शायरों ने देर रात चले कार्यक्रम में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में सखा परिवार ट्रस्ट के ट्रस्टी शशांक सखा ने सभी का आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम के संयोजक फैसल फैज, ऐनुल हक, महमूद खां, मोहम्मद रिजवान आदि ने सभी कवियों, शायरों और श्रोताओं का आभार व्यक्त किया।

सनातन धर्म को आगे बढाने के लिए किया गया सुन्दर काण्ड का पाठ

सीतापुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । विकाश खण्ड पिसवाँ के अंतर्गत ग्राम गड़ासा में स्वर्गीय पण्डित हेतराम त्रिवेदी के पुत्रो द्वारा भव्य सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया । बताते चले कि सनातन धर्म को आगे बढ़ाने को लेकर उत्तम त्रिवेदी , विजय त्रिवेदी , संजय त्रिवेदी , अजय त्रिवेदी द्वारा गुलरिहा सेवा समिति देवरिया भजन , रामयण , सुन्दर काण्ड कार्यक्रम पार्टी के अरुण मिश्रा , कैलाश मिश्रा , दिनेश , मदन एवं दिनेश को माल्यार्पण अंगवस्त्र तथा द्रव्य देकर स्वागत किया एवं द्वारा गाजे बाजे के साथ सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया । आयोजित कार्यक्रम में कुलदीप त्रिवेदी , सूरज , सोभित , प्रभात , आकाश , प्रसांत , मोहन , राजा भैया , कृष्ना त्रिवेदी एवं एक सैकड़ा ग्रामीणो ने भाग लिया ।

अनुशासनहीनता के आरोप में ऐप्जा संगठन से कमल किशोर उर्फ रंजय तिवारी निष्कासित

धौरहरा (लखीमपुर खीरी) कैनविज टाइम्स संवाददाता। ऐप्जा संगठन ने अनुशासनहीनता और संगठन विरोधी गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए बड़ा कदम उठाया है। शीर्ष नेतृत्व के आदेश पर धौरहरा निवासी कमल किशोर तिवारी उर्फ रंजय को संगठन से निष्कासित कर दिया गया है। जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला द्वारा जारी आवश्यक सूचना में बताया गया कि संबंधित व्यक्ति को कई बार समझाने के बावजूद उसके आचरण में कोई सुधार नहीं हुआ। बीते कई दिनों से लगातार संगठन विरोधी कृत्य किए जा रहे थे, जिससे संगठन की छवि और अनुशासन प्रभावित हो रहा था। इसी के चलते यह कठोर निर्णय लिया गया। जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और भविष्य में भी अनुशासनहीनता पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिधौली में युवाओं ने चलाया साफ-सफाई अभियान, श्री जंगली नाथ महादेव मंदिर परिसर किया स्वच्छ

सिधौली कैनविज टाइम्स संवाददाता । नगर क्षेत्र में युवाओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा धार्मिक स्थलों की स्वच्छता एवं सुविधा को लेकर सराहनीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में श्री जंगली नाथ महादेव मंदिर में युवाओं ने पहुंचकर साफ-सफाई अभियान का कार्यक्रम शुरू किया। जानकारी के अनुसार मंदिर के बाहर नवनिर्मित नाले के ऊपर मात्र एक पत्थर रखा हुआ था, जिससे राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश करने में काफी परेशानी होती थी। इस समस्या को देखते हुए युवाओं ने नाले के ऊपर पत्थरों को एक लाइन में व्यवस्थित कर भक्तों के आवागमन की सुविधा सुनिश्चित की।इसके साथ ही युवाओं द्वारा मंदिर परिसर के अंदर एवं बाहर झाड़ू लगाकर व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस कार्य में युवा दल के कार्यकर्ताओं का भरपूर सहयोग देखने को मिला। इस अवसर पर अतुल तिवारी, सुयश प्रताप सिंह, विवेक त्रिवेदी, रचित मिश्रा, आयुष सिंह, आशुतोष पांडेय, शिव त्रिपाठी, अक्षत अवस्थी, सुनील यादव, नितेश गुप्ता, दीपक शुक्ला सहित अन्य कई युवा मौजूद रहे।

खोखो टीम चयन के लिए नरेन्द्र त्यागी मंडल कोआर्डिनेटर बने

शाहजहांपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता । उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के तत्वाधान में गोरखपुर में होने जा रहे सीएम कप के लिए मंडलीय खोखो टीम चयन के लिए जिला ओलम्पिक संघ के सचिव नरेंद्र कुमार त्यागी को बरेली मंडल का चयन कॉर्डिनेटर बनाया गया है। इस संबंध में जिला ओलम्पिक संघ की हुई बैठक में नरेंद्र त्यागी ने बताया कि 25 से 27 दिसंबर तक खो-खो ओर हैंडबॉल की प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन गोरखपुर में होगा। जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल होगें और विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करेंगे। बताया कि इस खो-खो प्रतियोगिता में गोरखपुर, आजमगढ़, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़, झांसी, मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर आदि मंडल के साथ ही यूपी पुलिस सशस्त्र बल की सीनियर बॉयज टीम भी हिस्सा लेगी। बताया कि बरेली मंडल की टीम का चयन ट्रायल 23 दिसंबर को सुबह 10 बजे से हरि कौशल त्यागी पब्लिक स्कूल जमुही रोजा में किया जाएगा।

सीज अस्पताल में धड़ल्ले से हो रहे थे ऑपरेशन, प्रसूता की मौत से मचा हड़कंप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सांडा के प्राइवेट आयुष्मान हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद महिला की मौत, डॉक्टर हिरासत में

सांडा/सकरन (सीतापुर)। रेउसा के बाद अब सांडा क्षेत्र में निजी अस्पतालों की लापरवाही से एक और प्रसूता की जान चली गई। थाना बिसवां क्षेत्र के पटना गांव निवासी शाहनूर बानो (35 वर्ष) पत्नी इमरान की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। आरोप है कि सीज किए जा चुके अवैध आयुष्मान हॉस्पिटल, सांडा में लापरवाही से ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद अधिक रक्तस्राव से महिला की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 दिसंबर 2025 की रात करीब 10:30 बजे शाहनूर बानो को प्रसव पीड़ा होने पर परिजन सांडा स्थित आयुष्मान हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। अस्पताल का कोई वैध रजिस्ट्रेशन नहीं था, इसके बावजूद वहां मौजूद डॉ. अभिषेक ने तत्काल ऑपरेशन की बात कही और रात 11 बजे आनन-फानन में ऑपरेशन कर दिया गया। ऑपरेशन के बाद महिला का रक्तस्राव नहीं रुका, हालात बिगड़ते देख डॉक्टरों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन एंबुलेंस से महिला को लखनऊ लेकर गए, जहां अधिक रक्तस्राव के चलते शाहनूर बानो की मौत हो गई। हालांकि नवजात बच्चा सुरक्षित बताया जा रहा है। महिला की मौत से आक्रोशित परिजन शव को एंबुलेंस से वापस सांडा लाए और आयुष्मान हॉस्पिटल के सामने खड़ी कर दी। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची सांडा पुलिस ने अस्पताल बंद कर भाग रहे डॉक्टर हिमांशु और डॉ. अभिषेक को हिरासत में ले लिया। परिजनों का आरोप है कि पूरी घटना डॉक्टरों की घोर लापरवाही का नतीजा है, अगर समय पर सही इलाज और व्यवस्थाएं होतीं तो महिला की जान बचाई जा सकती थी। चौंकाने वाली बात यह है कि कुछ दिन पहले ही सीएचसी अधीक्षक डॉ. आनंद मित्रा द्वारा आयुष्मान हॉस्पिटल को सीज किया जा चुका था, इसके बावजूद वहां खुलेआम ऑपरेशन किए जा रहे थे। यह मामला स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

हिन्दू युवा वाहिनी के महानगर अध्यक्ष शांतनु व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अभिषेक बने

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। हिन्दू युवा वाहिनी का महानगर अध्यक्ष शांतनु गुप्ता को बनाया गया है। जबकि महानगर अध्यक्ष रहे अभिषेक तिवारी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं बदायूं जिले का प्रभारी नियुक्त किया गया। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने शांतनु गुप्ता और अभिषेक तिवारी को नई जिम्मेदारी सौंपते हुए उनको फूलमाला पहनाकर बधाई व शुभकामनायें दी हैं।

हिन्दू युवा वाहिनी के संगठन विस्तार का कार्यक्रम खिरनीबाग धर्मशाला में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अमित त्यागी ने महानगर का विस्तार करते हुए संगठन का महानगर अध्यक्ष शांतनु गुप्ता को नियुक्त किया। जबकि पूर्व में महानगर अध्यक्ष रहे अभिषेक तिवारी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, अमित दीक्षित को उपाध्यक्ष और महेश सिंह को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का मंत्री नियुक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष दीपक त्रिपाठी ने की। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिन्दू युवा वाहिनी समाज, संस्कृति और राष्ट्रहित के लिए पूरी मजबूती के साथ कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रभारी सचिन चैहान टाइगर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक कुमार, विनीत शुक्ला, भाजपा नेता अग्निवेश गुप्ता, अनिल बाजपेई बाण, पूर्व चेयरमैन अजय गुप्ता पोता, जेपी ठाकुर, डा. विजय पाठक, स्वपनिल शर्मा, अजय सिंह, देवेश ठाकुर, प्रतीक तिवारी आदि दर्जनों लोग मौजूद रहे।

कृष्णा कल्चरल क्लब करेगा प्रतियोगिता का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय बदायूं में संचालित कृष्णा कल्चरल क्लब के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जयंती वर्ष समारोह का शुभारंभ किया गया। उच्च शिक्षा के जिला नोडल अधिकारी एवं प्राचार्य डॉ अनिल कुमार की अध्यक्षता में अटल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित एकल काव्य पाठ एवं सुशासन की महत्ता विषय पर विषय पर छात्र छात्राओं के मध्य प्रतियोगिता भी हुई जिसका संचालन कृष्णा कल्चरल क्लब के संयोजक डॉ राकेश कुमार जायसवाल ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि के द्वारा किया गया। अध्यक्षता करते हुए डॉ अनिल कुमार ने कहा कि अटल जी के आदर्श एवं उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी प्रेरणा का स्रोत है। अटल जी सुशासन के प्रतीक थे। उन्होंने राजनीतिक अस्थिरता को स्थिरता में बदलते हुए देश को नई दिशा दी। उनका सार्वजनिक जीवन सदैव प्रेरणादायक रहेगा। काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीएससी प्रथम सेमेस्टर के अरुण सिंह को प्राप्त हुआ दूसरे स्थान पर मा प्रथम सेमेस्टर राजनीति विज्ञान की छात्रा शगुन शर्मा रही तथा तीसरा स्थान मा प्रथम सेमेस्टर राजनीतिक विज्ञान की छात्रा साक्षी तोमर को मिला भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एमए प्रथम सेमेस्टर इतिहास के छात्र अनूप सिंह को मिला। दूसरे स्थान पर बीएससी तृतीय सेमेस्टर के छात्र कुणाल शर्मा रहे तथा तीसरा स्थान शगुन शर्मा ने प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका का निर्वहन डॉ रविंद्र सिंह यादव, डॉ प्रेमचंद चौधरी , डॉ ज्योति बिश्नोई, डॉ राशिदा खातून एवं डॉ जुनेद आलम ने किया। निर्णायक मण्डल के अध्यक्ष डॉ रविन्द्र सिंह यादव ने कहा कि अटल जी का राजनीतिक कौशल भारतीय लोकतंत्र में सर्व दलीय समन्वय का सूत्रधार सिद्ध हुआ। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोक तांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। राजनीति विज्ञान के परिषद के संयोजक डॉ दिलीप कुमार वर्मा ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री, सर्वश्रेष्ठ सांसद और विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने भारत की घरेलू और विदेश नीति को अनुपम आकार देने में सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ बबीता यादव, डॉ सतीश सिंह यादव, डॉ सचिन कुमार, डॉ गौरव कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। डॉ राकेश कुमार जायसवाल ने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म जयंती वर्ष समारोह का समापन उनके जन्मदिन 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के रूप में किया जाएगा , जिसमे जिला स्तरीय विजेता प्रतिभागियों को नगद धनराशि एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया जाएगा। विजेता डॉ जायसवाल ने बताया कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय के सभागार में 22 दिसम्बर को 11 बजे से होगी। इसके पूर्व जनपद के समस्त महाविद्यालय प्रतियोगिता हो रही है जिसमें से प्रथम द्वितीय स्थान प्राप्त विजेताओं को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा । जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 10000 रुपए द्वितीय को 5000 एवं तृतीय को 2500 रुपए नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

ब्लूमिंगडेल स्कूल के मैदान में मैच का भव्य आयोजन

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। ब्लूमिंगडेल स्कूल के मैदान में स्कूल के शिक्षको व देहली पब्लिक स्कूल बदायूँ के शिक्षकों के बीच मैत्री मैच का भव्य आयोजन किया गया। डीपीएस के निर्देशक संदीप भारती व विवेक भारती जी ने मुख्य अतिथि के रूप में मैच की विधिवत शुरुआत की। उनके साथ डीपीएस स्कूल के उपप्रधानाचार्य राजीव सामंतो ने भी दोनो टीमों के खिलाड़ियो से हाथ मिलाया। बीडीएस की टीम डेल मास्टर्स के कप्तान एवं ब्लूमिंगडेल स्कूल के मैनेजिंग हेड ईशान मेंदीरत्ता ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। अपनी टीम की तरफ से तेज 26 रनों की पारी खेलकर टीम को विस्फोटक शुरुआत देने वाले ईशान मेंदीरत्ता ने अच्छी गेंद?बाजी कर विकेट भी लिये।डेल मास्टर्स के खिलाड़ी रवि ने 141 रन, निशांत ने 42 व तेजेन्द्र सोलंकी ने 35 रनों की पारी खेल 20 ओवरों के मैच में 336 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीपीएस की टीम केबल 222 रन हो बना सकी। डीपीएस की तरफ से अमित शर्मा 51 व शैलेन्द्र ने 37 रनों की पारी खेली। सुमित शर्मा के तेज गति से बनाये 34 रन भी टीम को हार से नहीं बचा सके। प्लेयर ऑफ द मैच रवि, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अमित शर्मा डीपीएस एवं सर्वश्रेष्ठ गेंद?बाज का पुरस्कार प्रतीक सक्सैना डीपीएस को मुख्य अतिथि संदीप भारती, आशीष व राजीव सामंतों के द्वारा प्रदान किया गया। डेल मास्टर्स की तरफ से उपकप्तान व स्कूल प्रधानाचार्य संजीव राठौर ने खेल में उल्लेखनीय प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया। मैच का आँखो देखा हाल शिक्षक अजय शर्मा व राहुल माहेश्वरी के द्वारा सुनाया गया। मैच के अंत में प्रधानाचार्य संजीव राठौर ने सभी खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया।

प्रतियोगिता का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संभल। युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में विधानसभा चंदौसी में चल रही विधायक खेल स्पर्धा के दूसरे दिन एसएम डिग्री कॉलेज के मैदान में आज दिनांक 21 दिसंबर 2025 को बैडमिंटन, फुटबॉल, वेट लिफ्टिंग एवं एथलेटिक्स में ऊंची कूद ,डिस्कस थ्रो एवं जैवलिन थ्रो में प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया फुटबॉल सब जूनियर में बहजोई की टीम एवं जूनियर वर्ग में चंदौसी की ब्लैक रॉकर्स टीम विजेता रही, बैडमिंटन सब जूनियर महिला वर्ग में पूजा ,सीनियर वर्ग में कल्पना प्रथम स्थान पर रही, बैडमिंटन सीनियर पुरुष वर्ग में कपिल प्रथम स्थान पर रहे, बैडमिंटन सीनियर पुरुष वर्ग डबल्स में अभिजीत और केशव प्रथम स्थान पर रहे, सब जूनियर डिस्कस थ्रो में दलवीर हाई जंप में मोहित प्रथम स्थान पर रहे, जूनियर पुलिस वर्ग जैवलिन थ्रो में अतुल कुमार, हाई जंप में प्रशांत कुमार डिस्कस थ्रो में रोहित शर्मा प्रथम स्थान पर रहे, सीनियर पुरुष वर्ग डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान अजय हाई जंप में नितिन कुमार और जैवलिन थ्रो में भारत प्रथम स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में पुरस्कार वितरण जिला व्यायाम शिक्षक अनिल कपूर जिला ओलंपिक संघ के सचिव आशु शर्मा, जिला क्रीड़ा भारती अध्यक्ष गौरव मिश्रा, जूडो संघ अध्यक्ष एकांश गुप्ता, क्रीड़ा भारती कोषाध्यक्ष अशोक कुमार पाठक ,जिला स्काउट टीचर प्रफुल्ल गुप्ता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विनीत सिद्धू के द्वारा कर किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी चित्रवीर सिंह, कोच गोविंद नकुल गुर्जर, अजय गिल, शिवम, नादिर राजा ,आदित्य, हैरी उपस्थित रहे।

पेट्रोलिंग के दौरान रेल कर्मी लापता, कछला पुल से गंगा में गिरने की आशंका

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। उझानी में रेलवे पुल समेत ट्रैक पर पेट्रोलिंग के दौरान एक कर्मचारी लापता हो गया। उसकी आखिरी लोकेशन कछला पुल पर थी। जिससे पुल से नदी में गिरने की आशंका जताई जा रही है। बदायूं के उझानी में रेलवे पुल समेत ट्रैक पर पेट्रोलिंग के लिए निकले कर्मियों में अरविंद बाबू शनिवार तड़के पांच बजे लापता हो गए। गुमशुदगी से पहले उनकी लोकेशन कछला पुल पर बताई गई। पुल से नीचे गिर जाने की आशंका के चलते परिवार के लोग और सहकर्मी की सूचना के बाद निजी गोताखोरों से गंगा में खोजबीन भी कराई गई, लेकिन अभी उनका पता नहीं लग पाया पाया है। ड्यूटी के दौरान लापता अरविंद बाबू (25 वर्ष) पुत्र यादराम कासगंज जिले में सोरों कोतवाली क्षेत्र के गांव मानपुर नगरिया के रहने वाले हैं। उनके भाई राकेश बाबू ने बताया कि वह ठेका पर कार्यरत हैं। शुक्रवार रात आठ बजे से शनिवार सुबह तक अरविंद रेलवे कर्मी मदन के साथ पेट्रोलिंग पर रहे। मदन और अरविंद के पास विभागीय स्तर से प्राप्त जीपीएस डिवाइस भी थी। डिवाइस में अरविंद की लोकेशन तड़के 04:50 बजे कछला पुल पर रही। सुबह नौ बजे तक अरविंद घर नहीं लौटे तो परिवार के लोगों ने उन्हें कॉल की। परिवार के लोगों ने उनके सहकर्मी मदन से भी जानकारी की। पुल पर लोकेशन के आधार पर घरवालों को उनके नीचे गिर जाने का अंदेशा है। परिजनों ने विभागीय अफसरों समेत जीआरपी थाना पुलिस को भी अवगत करा दिया। अरविंद की तलाश में परिजनों ने निजी गोतखोर सद्दाम, जाबिर, अनिल, मुन्ने आदि से संपर्क साधा। गोताखोरों ने रेलवे पुल के नीचे पहले नाव के जरिये, फिर जाल डालकर खोजबीन की। शाम तक उनका सुराग नहीं लग पाया है। कछला नगर पंचायत कर्मियों ने तलाश शुरू कर दी। भाई राकेश ने बताया कि उन्होंने कोतवाली जाकर पुलिस को भी उनकी गुमशुदगी की जानकारी दी है।

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा का आयोजन

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। कल नगला मंदिर शक्ति पीठ पर हिंदू एकता पदयात्रा कें प्रमुख, भागवत प्रवक्ता आचार्य मुमुक्ष कृष्ण दद्दा द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें उन्होंने बताया कि बदायूँ के विरुआवारी मंदिर से कछला गंगातट तक निकलने वाली सनातन हिंदू एकता पदयात्रा का 18 जनवरी 2026 को आयोजन किया जायेगा। भागवत प्रवक्ता आचार्य मुमुक्ष कृष्ण दद्दा जी महाराज नें यात्रा के मुख्य उद्देश्य बतलाए.शक्ति पीठ नगला मंदिर के हाल मे हुई प्रेसवार्ता में उन्होने प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि यात्रा का प्रमुख उद्देश्य सभीं हिंदुओं को जोडना है। इसके जो भी प्रयास होंगे वे सब प्रयास किए जाएगें। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुओं को खोया वैभव उस दिन पुनः प्राप्त होगा जिस दिन हमारा देश हिंदू राष्ट्र बन जाएगा देश को हिंदू राष्ट्र बनाना भी सनातनी यात्रा का मुख्य उद्देश्य है। आगे कहा कि यदि भारत को दूसरा पाकिस्तान बनने से रोकना है तो मुगलकाल में बदले गये हिंदू धार्मिक स्थलों की वापसी की जाए। मुस्लिम आबादी से शून्य मोहल्लों और चौराहों के नाम हिंदू संस्कृति के अनुरुप या शहीदों के नाम पर होने चाहिए। इसके साथ ही हिंदू बस्तियों से धार्मिक स्थल और कब्रस्तान भी हटाए जाएँ। स्कूल कालेजों में हिजाब, बुरखा को हटाकर एक समान ड्रेसकोड होना चाहिए.वार्ता के दौरान डा. शैलेश पाठक, अरविंद अग्निहोत्री, कवि शैलेंद्र देव,डा. शैलेंद्र सिंह, अनिल शर्मा, आचार्य गुरुचरण,डा. उमा सिंह गौर,प्रधुम्मन मिश्र:, रचना शंखधार, गायत्री मिश्र:, पूनम सिंह, मणि सिंह भदौरिया,सुधा शर्मा, राधिका समेत भारी संख्या मे सनातनी मौजूद रहे।

आरा मशीन स्वामी 31 दिसंबर से पूर्व करा लें नवीनीकरण

बदायूं कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले में 110 लाइसेंसी आरा मशीनें, तय समय पर नवीनीकरण न हुआ तो रद्द हो सकता है लाइसेंस एवं पड़ सकती है पेनाल्टी, वहीं वन विभाग के वन रेंजर अधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि दिसंबर के अंत तक आरा मशीन लाइसेंस नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। जिले में आरा मशीन लाइसेंस नवीनीकरण को लेकर वन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार जनपद में कुल 110 पंजीकृत लाइसेंसी आरा मशीनें संचालित हैं। इनमें सदर तहसील क्षेत्र में 26 आरा मशीनें शामिल हैं। प्रभागीय वन अधिकारी के निर्देश पर सदर वन रेंज अधिकारी सदर विकास कुमार वरुण ने स्पष्ट जानकारी देते हुए बताया है कि दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह तक सभी संचालक अपने-अपने लाइसेंस का नवीनीकरण निर्धारित शुल्क व आवश्यक दस्तावेजों के साथ करा लें। विभाग द्वारा स्पष्ट कहा गया है कि तय अवधि में नवीनीकरण न कराने के बावजूद यदि आरा मशीन का संचालन जारी पाया गया, तो उसे अवैध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधित व्यवसायी का लाइसेंस निरस्त किया जा सकता है अथवा विभागीय नियमों के तहत पेनाल्टी भी लगाई जाएगी। विभाग ने पहले ही सभी लाइसेंसधारकों को सूचना देकर समय से प्रक्रिया पूरी करने को कहा है।

मजार पर अवैध निर्माण, लेखपाल से भिड़ने वाली महिला हुई गिरफ्तार

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली सिविल लाइंस क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली एक मजार पर अवैध निर्माण रोकने गई राजस्व विभाग की टीम से एक महिला उलझ गई। महिला ने खुद को पुलिस कांस्टेबल बताते हुए टीम को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस ने महिला को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। महिला ने खुद को गाजियाबाद में तैनात हेड कांस्टेबल बताया महिला ने लेखपाल और राजस्व टीम को धमकाते हुए महिला ने कहा कि वह अनुसूचित जाति की है और एससी-एसटी एक्ट तथा छेड़छाड़ जैसे गंभीर मामलों में फंसा देगी लेखपाल ने महिला के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने एवं शांतिभंग की आशंका की कार्रवाई हेतु तहरीर दी। सिविल लाइंस पुलिस ने शांति भंग की धाराओं में महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

पाँच दिवसीय एक्सपोज़र विज़िट का प्रारंभ

संभल कैनविज टाइम्स संवाददाता। जनपद सम्भल के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 9-12 के विद्यार्थियों की प्रदेश के बाहर पाँच दिवसीय एक्सपोज़र विज़िट का प्रारंभ 16 दिसंबर 2025 को जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार के द्वारा हरी झंडी दिखा कर किया गया । प्रदेश के बाहर पाँच दिवसीय एक्सपोजर विज़िट के लिए नई दिल्ली के मुख्य स्थलों जैसे राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, लालक़िला , इंडिया गेट और राष्ट्रपति भवन इत्यादि का भ्रमण विद्यार्थियों को कराया गया । विद्यार्थियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के लेक्चर हॉल , केन्द्रीय पुस्तकालय , रसायन विज्ञान प्रयोगशाला और प्रोजेक्टर के द्वारा वहाँ की एक वीडियो क्लिप दिखाई गई जिससे विद्यार्थियों को ऐसे शिक्षण संस्थानों में पढ़ने को लेकर मोटिवेशन प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र नई दिल्ली में विद्यार्थियों को विज्ञान से संबंधित विभिन्न गतिविधियों को दिखाया गया ।राष्ट्रपति भवन में विद्यार्थियों को वहाँ की गाइड द्वारा 1911 में भारत की राजधानी कलकत्ता से दिल्ली में परिवर्तन , 1913-1931 तक भवन निर्माण, विभिन्न कक्षों जैसे सरयू कक्ष , यमुना कक्ष और वर्तमान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा निर्मित जनजातीय संग्रहालय म्यूज़ियम बच्चों को दिखाया गया। एक्सपोजर विज़िट 2025 को सफलतापूर्वक पूर्ण कराने में महत्वपूर्ण योगदान जिला समन्वयक श्री वेद प्रकाश यादव, एक्सपोजर विज़िट प्रभारी श्री प्रभात कुमार सह प्रभारी ,कु. नेहा ,कु. चंचल शर्मा तथा सहयोगी गोपाल बाबू वार्ष्णेय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कैसरगंज में सम्पन्न हुई विधायक खेल स्पर्धा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कैसरगंज बहराइच। रामकृष्ण परमहंस डिग्री कॉलेज कैसरगंज के प्रांगण में युवा कल्याण और प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वाधान में विधानसभा स्तरीय विधायक खेल स्पर्धा सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। उक्त खेल कार्यक्रम का संयोजन क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विनम्र शुक्ला व संचालन समाजसेवी शिक्षक वी पी सिंह ने किया। खेल स्पर्धा का उद्घाटन विधायक कैसरगंज आनंद कुमार यादव प्रतिनिधि विकास यादव, उपजिलाधिकारी कैसरगंज अखिलेश सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीपप्रज्वलन तथा खुले आसमान में रंग बिरंगे गुब्बारों को उड़ाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। समापन व पुरस्कार वितरण के मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि ये युवाओं में अनुशासन और टीम भावना का भी संचार करते हैं। खेल, व्यायाम व प्राणायाम के द्वारा ही स्वस्थ शरीर का विकास होता है, स्वस्थ शरीर से तेज दिमाग विकसित होता है, और शरीर की सभी क्रियाएं शरीर के स्वस्थ रहने पर ही अच्छे से काम करती हैं जिस व्यक्ति अपने को स्वस्थ रखते हुए अपने को परिवार व समाज के अनुरूप डालते हुए देश के देश के विकास में सहयोगी बनता है। स्वस्थ शरीर व मानसिक विकास से ही व्यक्ति प्रगति की नई ऊंचाइयों को छूता है। प्रत्येक भारतीय नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपने को देश के विकास के लिए अपने पूर्वजों की भांति समर्पित रखते हुए अपना योगदान सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पुलिस क्षेत्राधिकारी डी के श्रीवास्तव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सूबेद वर्मा, जिला प्रतिनिधि शिव सहाय सिंह, मंडल अध्यक्ष कैसरगंज शिवानंद सिंह, मंडल उपाध्यक्ष हीरालाल मौर्य, मंडल कोषाध्यक्ष अनिल सोनी ''अन्ना भैया'', आदि ने संबोधित कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। स्पर्धा के अंतर्गत बालक एवं बालिका वर्ग के लिए सब जूनियर, जूनियर और सीनियर श्रेणियों में विभिन्न खेल आयोजित किए गए। खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स (दौड़) कबड्डी, वॉलीबॉल, लंबीकूद एवं ऊंची कूद आदि खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के अंत में विजयी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उत्साहवर्धन किया गया।

दो लाख रुपये, जेवर व लाइसेंसी पिस्टल लूट ले गए चार बदमाश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के रिगालिया गार्डन कॉलोनी में रहने वाली महिला को आवाज देकर गेट खुलवाया। इसके बाद चार लोग घर के अंदर घुस गए। महिला का कहना है कि चारों बदमाश घर में रखे दो लाख रुपये, अलमारी से सोने-चांदी के जेवर व लाइसेंसी पिस्टल लूट ले गए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की है। आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही बदमाशों की तलाश में पुलिस जुट गई है। इंस्पेक्टर सिविल लाइंस हरेंद्र सिंह ने बताया कि महिला सरकारी विभाग में कार्यरत है। पति से उसका विवाद चल रहा है। शाम को करीब आठ बजे सूचना मिली कि उसके घर में कुछ बदमाश घुस आए हैं और घर में रखे दो लाख रुपये, सोने-चांदी के जेवर व लाइसेंसी पिस्टल की लूट करके भाग गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस उसके पति पर ही घर में घुसकर लूटपाट करने का शक जाहिर कर रही है। मामला पति-पत्नी के बीच विवाद का लग रहा है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

ठंड से जूझते लोगों को लिए आकांक्षा समिति की अध्यक्षा ने बढ़ाया मदद का हाथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । कड़ाके की ठंड और शीतलहर के बीच जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मण्डलीय आकांक्षा समिति की अध्यक्षा के द्वारा जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया।इस दौरान उन्होंने बस अड्डा के निकट स्थित रैन बसेरा में रूके बेसहारा,निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों को अपने हाथों से कंबल वित रित कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया।

रैन बसेरा में कंबल वितरण के दौरान अध्यक्षा गरिमा भूषण ने वहां रह रहे लोगों से संवाद कर उनकी दैनिक समस्याओं,स्वास्थ्य स्थिति और ठंड से जुड़ी परेशानियों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में खुले आस मान के नीचे या अस्थायी आश्रयों में जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए ठंड सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है।ऐसे में समाज के सक्षम वर्ग और सामाजिक संगठनों को आगे आकर उनकी सहायता करनी चाहिए।उन्होंने आश्वा सन दिया कि आगे भी जरूरतमंदों के लिए इस प्रकार के राहत कार्य निरंतर जारी रहेंगे।इसके पश्चात अध्यक्षा ने बड़गांव पुलिस चौकी के आ सपास मौजूद जरूरतमंद, असहाय एवं खुले में रह रहे लोगों को भी कंबल वितरित किए। कंब ल पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर राहत और संतोष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।कई लोगों ने बताया कि बढ़ती ठंड में यह सहायता उनके लि ए किसी संजीवनी से कम नहीं है।बेसहारा लो गों ने अध्यक्षा गरिमा भूषण के प्रति आभार व्य क्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास न केवल उन्हें ठंड से बचाते हैं, बल्कि यह एहसास भी कराते हैं कि समाज उनके साथ खड़ा है।

कहानी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट बदायूं में बीती शाम कहानी सुनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डायट प्राचार्य गिरजेश कुमार चौधरी ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि कहानी शिक्षण कार्य की एक महत्वपूर्ण कला है, जो बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ अत्यंत रुचिकर भी होती है। वरिष्ठ प्रवक्ता राकेश कुमार शर्मा ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे सभी शिक्षकों को शत-प्रतिशत प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। वहीं सेवारत प्रशिक्षण प्रभारी अमित कुमार शर्मा ने बताया कि जिला स्तर पर समय-समय पर इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिससे नवाचारी शिक्षकों की प्रतिभा को सामने लाया जा सके। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी गीता सिंह ने जानकारी दी कि कहानी सुनाओ प्रतियोगिता प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर के लिए आयोजित की गई थी। दोनों स्तरों पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले चयनित प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि चयनित प्रतिभागी अग्रिम निर्देश प्राप्त होने पर प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में निर्णायक समिति के रूप में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. बबिता यादव, डॉ. शालू गुप्ता एवं डॉ. प्रेमचंद की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया

संभल । संभल में प्रत्येक माह के पहले रविवार को चौबीस कोसीय परिक्रमा लगाई जाती है 19 कूप और 68 तीर्थों की परिक्रमा लगाई जाती है कहा जाता है कि चौबीस कोसीय परिक्रमा करने से चार धाम की यात्रा के बराबर पुण्य प्राप्त होता है । ब्राह्मण समाज ने सदैव सनातन धर्म के प्रचार प्रसार के लिए कार्य किया है । ब्राह्मण शक्ति संघ प्रत्येक सनातनी से इस मासिक परिक्रमा में सम्मिलित होने का निवेदन करता है । ब्राह्मण शक्ति संघ के अध्यक्ष विवेक मिश्रा ने 19 कूप और 68 तीर्थों की महिमा का वर्णन किया । इस अवसर पर ब्राह्मण शक्ति संघ से विवेक मिश्रा ,मुकेश गौड़,विवेक शर्मा गुमथल,सचिन मिश्रा,सचिन शर्मा,प्रशांत वशिष्ठ,आचार्य विनीत शर्मा,अमोल शर्मा,बृजेश शर्मा,निशांत शर्मा,मोहित शर्मा,यश शर्मा,अभिनव भारद्वाज,शिव कुमार अभिषेक पाराशरी,अनमोल शर्मा, हर्षिल आदि संगठन के सदस्य व पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष में कराई गई निशुल्क निबंध प्रतियोगिता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संभल। कैथल गेट स्थित चंदौसी इंटर कॉलेज चंदौसी में मानव हितार्थ संस्था मानवाधिकार संघ के तत्वावधान मैं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के उपलक्ष में कराई गई निशुल्क निबंध प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा के उपरान्त सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अथिति श्री रामप्रसाद यादव (जिला अध्यक्ष पुलिस पेंशनर यूनियन) के साथ साथ संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, प्रतियोगिता संयोजक डॉ. दीपचंद अग्रवाल और संस्था संरक्षक जगदीश राना नें संयुक्तरूप से माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता मैं प्रथम स्थान दृष्टि गौड़ बी.एम.जी.इंटर कॉलेज, द्वितीय स्थान अनुराधा आर. एस.इंटर कॉलेज, अमरजीत चंदौसी इंटर कॉलेज चंदौसी नें तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अथिति नें विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस प्रकार कि प्रतियोगिताएं बच्चों के जीवन मे आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और लक्ष्य-निर्धारण सिखाती हैं।शरीर के साथ साथ मानसिक विकास मे सहायक होकर हार और जीत को संभालने का कौशल देती हैं सभी प्रकार की प्रतियोगिताए जिम्मेदार निर्णय लेने,समस्या समाधान करने और सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद करती हैं। चंदौसी इंटर कॉलेज चंदौसी के प्रधानाचार्य श्री नरेंद्र कुमार नें अपनें काव्य पाठ से सभी लोगों मे एक नई ऊर्ज़ा का संचार कर दिया। प्रदेश संयोजक अश्वनी कुमार शर्मा नें इ क्रव सोशल मीडिया के इतिहास के साथ साथ उनके सदुपयोग व दुरुपयोग को विस्तार से बताया तथा यह भी कहा कि संस्था द्वारा समय-समय पर जन मानस को मानव हित में जागरूक करने के साथ-साथ बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्तर एवं भविष्य को उज्जवल बनाने हेतु ऐसी प्रतियोगिताए आदि संगठन द्वारा होती रहती हैं। डॉ. टी. एस. पाल नें मुख्य अतिथि के साथ प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को सम्मानित किया और कहा कि आधुनिक युग में इक्रका उपयोग करते हुए सोशल मीडिया के माध्यम से अच्छे कार्य प्रस्तुत कर बच्चे समाज में अपनी पहचान बना सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह ने संस्था के उद्देश्य एवं प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों व सहयोगियों का आभार व्यक्त किया और मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंटकर कार्यक्रम के समापन की घोषणा की, कार्यक्रम का संचालन अश्विनी कुमार शर्मा ने किया। संस्था के कार्यक्रम में सुखपाल सिंह गौर, शान्ति राना, राजू बनर्जी,बृजगोपाल गुप्ता, जगदीश राना, विभुकांत शर्मा, दिनेश भारद्वाज, सुरेश पाल सिंह यादव, दिनेश पाल सिंह दिलकश, कवेन्द्र कुमार गौड़,नीलेन्द्र सिंह जादौन, आशीष पाल आदि उपस्थित रहे।

डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, इन्द्रा धाम, बबराला ने हासिल की उपलब्धि

संभल/बबराला। डीएवी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, इन्द्रा धाम, बबराला ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति और सामाजिक दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता को प्रमाणित करते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। विद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित 'स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग 2025526' के अंतर्गत 90 से 100 प्रतिशत श्रेणी में 5-स्टार रेटिंग प्रदान की गई है। यह प्रतिष्ठित रेटिंग विद्यालय में स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई, सुरक्षित पेयजल व्यवस्था, स्वच्छ एवं पर्याप्त शौचालय, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा पर्यावरणीय सततता से जुड़े मानकों के प्रभावी और सफल अनुपालन के आधार पर दी गई है। यह उपलब्धि राष्ट्रीय शिक्षा नीति2020 की भावना के अनुरूप विद्यालय द्वारा किए जा रहे समग्र, मूल्यपरक एवं जिम्मेदार शिक्षा प्रयासों को भी दर्शाती है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आनन्द स्वरूप सारस्वत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह 5-स्टार रेटिंग विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों-शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। हमारा लक्ष्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता के संस्कार विकसित करना भी है।

बेशर्म: प्यार के जाल में फंसाने वाली सोनल के चेहरे पर जेल जाते समय कोई शिकन नहीं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के गा यत्री पुरम कॉलोनी में रहने वाले इंजीनियर अ भिषेक श्रीवास्तव ने जिस शादीशुदा गर्लफ्रेंड और उसके बैंक कैशियर पति के चलते जान दी हैं,उस महिला और उसके पति को चौदह दिनों की जेल हुई है,कोर्ट से जेल जाते समय कैशिय र अजीत हंसता हुआ दिख रहा था।ब्लैकमेलर गर्लफ्रेंड सोनल के चेहरे पर भी कोई शिकन न हीं दिखी न ही उसे कोई पछतावा था।इससे पह ले नगर कोतवाली में पति-पत्नी से पूछताछ की गई। दोनों बार-बार हंसते रहे। पुलिसकर्मियों ने दोनों को डांट लगाई, लेकिन उनका रवैया नहीं बदला। इस दौरान दोनों ने कहा, ''इसमें हमारी क्या गलती है, कोई मर गया तो उससे हमें क्या मतलब.......?'' पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दि या गया। इंजीनियर ने गुरुवार शाम कमरे में फं दा लगाकर आत्महत्या कर लिया था।पुलिस के मुताबिक,महिला ने अभिषेक को प्यार में फंसा या और छह महीने में सात लाख रुपएऐंठ लिए धीरे - धीरे अभिषेक को नाटक समझ आया तो उसने इश्क में फंसाने वाली महिला सोनल से दूरी बना ली।प्रेमिका उस पर बातचीत का दबा व बनाने लगी।वह नहीं माना तो उसने झूठा के स दर्ज करा दिया।आरोप लगाया कि इंजीनियर ने उसके अश्लील फोटो खींच लिए और ब्लैक मेल कर रहा है। पुलिस ने बिना जांच पड़ताल किए इंजीनियर को गिरफ्तार कर जेल भेज दि या।जेल से छूटने के बाद केस खत्म करवाने के लिए महिला और उसका पति दस लाख रुपए मांगने लगे।शर्त रखी कि जिंदगी में जब भी उ न्हें पैसे की जरूरत होगी इंजीनियर को देने हों गे,फिर चाहे प्रॉपर्टी बेचनी पड़े या एफडी तोड़ नी पड़े।इससे अभिषेक डर गया उसने कमरे में वॉट्सऐप चैट और वीडियो कॉल के 35 प्रिंट आउट लगाए और फिर फंदे से लटककर जान दे दी।

इंजीनियर ने लिख सुसाइड नोट

28 सितंबर को सोनल और उसके पति अजीत सिंह ने मुझ पर ब्लैकमेलिंग का मुकदमा दर्ज कराया।नगर कोतवाली पुलिस ने तीस सितंबर को मुझे गिरफ्तार करके जेल भेज दिया।मैं 12 अक्टूबर को जेल से छूटकर आया।मेरे जेल से लौटने के बाद अजीत सिंह और सोनल मुझ पर समझौते का दबाव बनाने लगे। दोनों पैसे मांग रहे थे।कह रहे थे कि अगर पैसे नहीं दिए तो प हले की तरह फर्जी मुकदमे में फंसाकर दोबारा से जेल भिजवा देंगे।इससे परेशान होकर मैं आ त्महत्या कर रहा हूं।पुलिस के मुताबिक, गायत्री पुरम में पांच हजार स्कवायर फीट से ज्यादा में अभिषेक श्रीवास्तव का घर बना है।उसके पिता अशोक श्रीवास्तव गोंडा में सीनियर वकील थे। उनकी सात साल पहले मौत हो चुकी है।मां का भी निधन हो चुका है। पैतृक गांव मधई में 25 बीघा जमीन है।निधन के बाद जमीन अभिषेक के नाम पर आ गई। गोंडा कचहरी के वकीलों और बार काउंसिल की तरफ से हुए बीमा की रकम को मिलाकर दस लाख रुपए अभिषेक को मिले थे।पिता का पचीस लाख रूपये फि क्स डिपाजिट मिला था। मां के बीमे के दस ला ख रुपए भी उसे मिले थे।अभिषेक श्रीवास्तव

जेए सडब्लू पेंट कंपनी में इंजीनियर था। उसे 45 हजार रुपए सैलरी मिलती थी।अभी वर्क फ्रॉम होम कर रहा था। घर में वह बहन आस्था के साथ रहता था।अभिषेक के घर के ठीक सा मने 32 वर्ष की सोनल सिंह का मकान है।उस का पति अजीत बलरामपुर की तुलसीपुर शा खा में ग्रामीण बैंक में कैशियर है।जब सोनल का पति बैंक चला जाता था तो वो अक्सर बा लकनी में आकर अभिषेक से बात किया करती थी।जनवरी 2025 में ये बातचीत धीरे धीरे प्या र में बदल गई।

प्यार के जाल में फसाया इंजीनियर को

सोनल पति के न रहने पर अक्सर अभिषेक से मिलने उसके घर जाती थी।कई बार अभिषेक उससे मिलने उसके घर चला जाता था, लेकिन अभिषेक उसके नाटक को समझ नहीं पा रहा था।अभिषेक ने जनवरी से लेकर जुलाई तक सोनल को दो लाख की शॉपिंग करा डाली।

इसके अलावा पांच लाख तक नकद भी ले चु की थी।लेकिन, इसी दौरान दोनों के अफ़ेयर की भनक सोनल के पति अजीत को हो गई।उसने सोनल से झगड़ा किया।मगर सोनल से उसे प्या र का नाटक करने और अभिषेक की करोड़ों की प्रॉपर्टी पर हड़पने के प्लान की बात बताई, फिर वह भी इसमें शामिल हो गया।जुलाई 20 25 में अभिषेक के घर के सामने अजीत कूड़ा फेंकने लगा जिससे दोनों में झगड़ा हो गया।

पति पत्नी ने साजिश रचकर भिजवाया जेल

इंजीनियर अभिषेक के परिजनों ने बताया कि सोनल के पति से झगड़े के बाद वह दोनों के ड्रामे को समझ गया था। इसके बाद सोनल के साथ अपना रिश्ता खत्म कर लिया।ब्रेकअप के बाद सोनल और अजीत की प्लानिंग पर पानी फिरने लगा।दोनों को लगने लगा कि अब अभि षेक की प्रॉपर्टी उनके हाथ से निकल जाएगी। अब सोनल अभिषेक को दोबारा अपने प्यार के जाल में फ़साने का प्रयास करने लगी,वॉट्सऐप पर मैसेज करती और आते-जाते बात करने की कोशिश करती,लेकिन अभिषेक उसका रिस्पॉ न्स नहीं देता था।काफी प्रयास के बाद जब अ भिषेक नहीं माना तो सोनल ने पति अजीत के साथ उसे डराने धमकाने के लिए ब्लैकमेलिंग शुरू कर दी।लेकिन अभिषेक नहीं डरा इसके

बाद अभिषेक ने साफ कह दिया कि जो करना हो कर लो।मैं दबाव में आने वाला नहीं हूँ,इसके बाद दोनों पति-पत्नी ने साजिश रची, इंजीनियर

अभिषेक श्रीवास्तव के खिलाफ तीस सितंबर को नगर कोतवाली गोण्डा में तहरीर देकर एक मुकदमा दर्ज करवा ।आरोप लगाया- अभिषेक

उसकी पत्नी की अश्लील फोटो को खींचकर उसे ब्लैकमेल कर रहा है।नगर कोतवाली पुलि स ने मुकदमा दर्ज करके तीस सितंबर को इंजी नियर अभिषेक को ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया,अभिषेक श्रीवा स्तव जेल से छूट कर आया तो पति-पत्नी उसे

दोबारा परेशान करने लगे 15 अक्टूबर तक अ भिषेक ब्लैकमेलिंग के आरोप में गोंडा के मंड लीय कारागार में बंद रहा।बहन आस्था ने बता या कि जेल से छूटने के के बाद अभिषेक पूरे षडयंत्र को बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था।अपनी बेइज्जती के बाद वह घर से निकलता नहीं था।

अपने प्यार के जाल में फंसने वाली सोनल और अजीत बार-बार उस पर कमेंट कर रहे थे।जिस से अभिषेक श्रीवास्तव परेशान रहने लगा। घर में वो खाना तक नहीं खाता था। कई दिन छुट्टी लेकर घर में चुपचाप बैठा रहा।इस तनाव में वो कई बार बेहोश भी हो चुका था।उसका इलाज भी चल रहा था।इंजीनियर अभिषेक श्रीवास्तव संत प्रेमानंद महाराज के प्रवचनों सुनता था घर में उनकी बड़ी तस्वीर भी लगाई थी।वो प्रेमानंद महाराज का भक्त था और उनकी पूजा भी कर ता था।

लाखों रुपए मांगे और बनाया दबाव

पुलिस के मुताबिक,अभिषेक सिंह ने सोनल और उसके पति से मुकदमे को खत्म करने के लिए कई बार बात की,लेकिन बार-बार दोनों ने धमकाया और पैसे मांगे। नवंबर में पति-पत्नी ने मुकदमा खत्म करने के लिए अभिषेक को घर बुलाकर दस लाख रुपए की डिमांड रखी।अभिषेक ने कहा कि इतना पैसा नहीं दे पाएगा, तो आठ लाख देने की बात की।इसके बाद भी अभिषेक नहीं माना तो पांच लाख देने को कहा मगर अभिषेक ने बहन की शादी का हवाला दे कर पैसे देने से मना कर दिया।इसके बाद दोनों ने दो लाख रुपए की मांग रखी।अभिषेक तैयार हो गया लेकिन सोनल ने एक शर्त रखी कि अग र भविष्य में कभी पैसे की आवश्यकता पड़ेगी तो अभिषेक पैसा देगा।उसके लिए चाहे जमीन बेचनी पड़े या घर।चाहे पचीस लाख रूपये का फिक्स डिपॉजिट ही क्यों न तोड़ना पड़े। पंद्रह दिसंबर को फिर अभिषेक ने मुकदमे को खत्म करने के लिए सोनल से बात की।लेकिन सोनल अपनी शर्त पर अड़ी रही।इस शर्त को अभिषेक मानने को तैयार नहीं था। उसने कहा कि मेरे पास इतनी ही प्रॉपर्टी है,जिससे मुझे बहन आ स्था की शादी करनी है।लेकिन सोनल और अ जीत नहीं माने।सोनल और अजीत ने अभिषेक पर नजर रखने के लिए अपने घर की दूसरी मं जिल पर सीसीटीवी कैमरा भी लगवाया था ता कि उसकी ही मूवमेंट पर नजर रखी जा सके। इसे लेकर भी अभिषेक ने एतराज जताया था। लेकिन दोनों नहीं माने।

मौत से पहले कमरे में प्रिंटआउट चिपकाए

परेशान होकर अभिषेक 17 दिसंबर को देर शाम बाजार गया और वहां पर पेन ड्राइव से वीडियो कॉल,चैट और पैसों के लेनदेन के स्क्री न शॉट का प्रिंट आउट निकलवाया उसे घर पर लाकर तीन घंटे में एक-एक कर प्रिंट आउट पर लिखा कि कब क्या-क्या हुआ। उसे दीवार पर पिन से सभी फोटो चिपकाए। अपने चाचा के पास गया।उन्हें एक पेन ड्राइव दी।उस पेन ड्राइ व में क्या था.? वह अभी तक परिजनों को नहीं पता है।पेन ड्राइव देने के बाद घर आया और ब हन आस्था ने बताया कि भाई घर आया तो का फी तनाव में था मैंने खाना खाने को कहा तो कु छ नहीं बोला। मुझसे रो-रोकर कहा कि वे लोग मुझसे पैसे मांग रहे हैं।आगे भी पैसे देने की श र्त रख रहे हैं। तुम्हारी शादी के लिए पैसे रखे हैं, मैं इन लोगों को पैसे नहीं दूंगा।जिस पर मैंने क हा कि जैसा सही लगे करिए। जैसे मैंने उसके पास से गई।उसने अपने कमरे में खुद को बंद कर लिया मैंने कई बार आवाज लगाकर दर वाजा खोलने को कहा। मगर दरवाजा नहीं खो ला।चचेरे भाई उद्भव श्रीवास्तव को पूरी बात ब ताई। उद्भव पुलिस के साथ घर पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने दरवाजा तोड़ा।दरवाजा टूटते ही दे खा तो अंदर अभिषेक फांसी के फंदे से लटका हुआ था।मुंह में खुद कपड़ा ठूंसा और दोनों पैर बांधे। पुलिस ने इंजीनियर अभिषेक की लाश को नीचे उतरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

सपूत को खोकर गोरखपुर शोकाकुल, सुशील कुमार पंचतत्व में विलीन, पुत्र संदीप ने दी मुखाग्नि

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चलती ट्रेन में हृदयगति रुकने से यूपी कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष सुशील कुमार यादव का आकस्मिक निधन

गोरखपुर। गोरखपुर की माटी एक बार फिर शोक में डूब गई है। गोरखनाथ मंदिर से गहरे और पारिवारिक ताल्लुकात रखने वाले प्रतिष्ठित यादव परिवार का एक और लाल असमय इस दुनिया से विदा हो गया। कबड्डी के ख्यातिलब्ध खिलाड़ी, उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष एवं पूर्वोत्तर रेलवे के सेवानिवृत्त चीफ टीटीआई सुशील कुमार यादव का हृदयगति रुक जाने से आकस्मिक निधन हो गया। यह दुखद घटना उस समय हुई जब वे कृषक एक्सप्रेस से प्रथम श्रेणी एसी कोच में यात्रा करते हुए गोरखपुर से वाराणसी जा रहे थे, जहां उन्हें एक कबड्डी प्रतियोगिता में सम्मिलित होना था। परिजनों के अनुसार, सुशील कुमार यादव कुल 14 भाइयों के संयुक्त परिवार से थे, जिनमें से तीन भाइयों का पहले ही निधन हो चुका है। ऐसे में उनका असमय जाना पूरे विशाल परिवार के लिए एक और गहरा आघात बनकर सामने आया है। वे भाइयों में स्नेह, मार्गदर्शन और संरक्षण की मजबूत कड़ी माने जाते थे। उनके जाने से ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो पूरे परिवार की रीढ़ टूट गई हो। घटना के संबंध में बताया गया कि मऊ के ओडिहार क्षेत्र के बीच चलती ट्रेन में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी। मऊ में नाश्ता करने के बाद वे अपनी सीट पर आराम कर रहे थे। वाराणसी पहले से पहुंचे उनके छोटे भाई विनोद यादव द्वारा बार-बार फोन करने पर भी संपर्क नहीं हो पाया, जिसके बाद ट्रेन में मौजूद टीटीई को सूचना दी गई। टीटीई जब कोच में पहुंचे तो सुशील कुमार यादव अपनी सीट के नीचे अचेत अवस्था में मिले। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, उसी समय उनकी हृदयगति रुक गई थी। सुशील कुमार यादव अपने पीछे पुत्र संदीप यादव, दो पुत्रियां, भाइयों का विशाल परिवार और असंख्य शुभचिंतकों को छोड़ गए हैं। पुत्र और एक पुत्री का विवाह हो चुका है, जबकि छोटी पुत्री का विवाह शेष है। वे परिवार में सबसे बड़े भाइयों में से एक थे और सदैव सबके लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाते रहे। सुशील कुमार यादव पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामपति यादव के भतीजे थे। उनका परिवार गोरखनाथ मंदिर से पीढ़ियों से जुड़ा है। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज, ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ जी महाराज तथा वर्तमान पीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आशीर्वाद इस परिवार पर सदैव बना रहा है। इसी गहरे संबंध के चलते उनके निधन की सूचना शासन स्तर तक पहुंची।

ट्रेन में मृत्यु के बाद जीआरपी द्वारा पोस्टमार्टम की प्रक्रिया प्रस्तावित थी, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिजनों की इच्छा का पूर्ण सम्मान किया गया। जिलाधिकारी वाराणसी ने मौके पर पहुंचकर रेलवे अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया और पंचनामा की कार्रवाई कराते हुए पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ स्कॉर्ट द्वारा गोरखपुर स्थित रमदतपुर आवास भिजवाया। रविवार को राप्ती नदी के राजघाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र संदीप यादव ने दी। अंतिम संस्कार में जनसैलाब उमड़ पड़ा। घाट पर हर आंख नम थी–खिलाड़ियों, समाजसेवियों, राजनेताओं, पुलिस-प्रशासन, पत्रकारों और आम नागरिकों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। कबड्डी के मैदान में सुशील कुमार यादव का योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने खेल के माध्यम से अनुशासन, संघर्ष और आत्मबल का संदेश दिया। रेलवे सेवा में भी वे एक ईमानदार, संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में पहचाने जाते थे।

खुले आम बिक और प्रयोग हो रही पालीथिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । जिले में शहर व ग्रामीण अंचलों में इस समय पालीथिन और प्लास्टिक बिक्री जोरो पर है खासकर इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में कई व्य पारियो के द्वारा कई जिलों में प्रतिबंधित पाली थिन और प्लास्टिक की बिक्री बड़े पैमाने पर की जा रही है और वही जनपद मुख्यालय पर भी कई व्यपारियो द्वारा छोटे बड़े दुकानदारों को सप्लाई की जा रही है कई बार लोगों ने इस की शिकायत पत्र के माध्यम से जिले के कई अ धिकारियों से की गयी लेकिन अभी तक किसी भी अधिकारी के द्वारा इन व्यापारियों के खिला फ कोई कार्यवाही नही की जा रही हैं। जब कि जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने सख्त आदेश है कि गन्दगी फैलाने वाले दुकानदारों और पा लीथिन बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवा ही करे। कुछ समय जिला मजिस्ट्रेट और नगर पालिका के ईओ ने कुछ व्यापारियों के छापा मारकर भारी मात्रा में पालीथिन और प्लास्टिक के सामान को जब्त कर जुर्माना भी लगाया था लेकिन इस समय मुख्यालय से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र के व्यापारियों द्वारा कुटीर उधोग की तरह बड़े पैमाने पर बेचा जा रहा है जिले ही नही क ई जिलों में बड़े पैमाने पर प्रतिबन्धित पालिथिन की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। जब कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त आदेश दिया था कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पालीथिन विक्रे ताओं पर सख्त कार्यवाही करें पालीथिन के प्रयोग से पर्यावरण पर बहुत ही खराब असर पड़ रहा है और तमाम प्रकार की बीमारियों हो ती है इस लिये पालीथिन विक्रे ताओं के खिला फ कठोर कार्यवाही के साथ भारी जुर्माना भी लगाया जाये।जिससे ये दोबारा ये कार्य न करे।

पालीथिन के प्रयोग से पर्यावरण पर क्या प्र भाव पड़ता है।पालीथिन के प्रयोग से लोगो द्वा रा यूज करने के बाद नाली या खुले मैदान में फेंक दिया जाता है और नालियां चोक हो जाती है।जिससे मछरो का जनन होता है और तमाम प्रकार की बीमारियां उतपन्न होती है।पालीथिन मिट्टी और जल स्त्रोतों में मिलकर इनको दूषित करती है,प्लास्टिक हवा और पृथ्वी पानी को प्र दूषित करता है क्यो कि इसमें जहरीले रसायन होते है ये जन्मजात रसायन जन्मजात विकृति यों से लेकर कैंसर तक तांत्रिक प्रणाली को नुकसान पहुचा सकते है और रक्त गुर्दो को प्र भावित होता हैं कि लोगो द्वारा यूज करने के बाद घर के अंदर जूठे सामान को उसी पाली थिन में लपेटकर फ़ेक दिया जाता है जिसको जानवरों द्वारा खाने से कभी-कभी मुह के अंदर फस जाता है।और यहाँ तक कई जानवरों के श रीर मे खाने से काफी मात्रा में पालीथिन इकट्ठा होने से इनकी मौत हो जाती है जब कि पाली थिन को जलाकर नष्ट करने से विशैले गैस उत पन्न होता है।जो पर्यावरण को प्रदूषित करती है तथा ये गैस मनुष्य के लिये हानिकारक होती है।जब की प्लास्टिक का प्रयोग पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक का सामान पर्यावरण प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है प्लास्टिक एक बेकार पदार्थ है पालीथिन के प्रयोग से हम सिर्फ पर्यावरण को नुकसान नही पहुचा रहे है बल्कि कई लोगो के जीवन को गंभीर बीमारियों को न्योता देते है जब की सरकार ने इसके लिये कई नियम बनाया है। पालीथिन केवल वही उपयोग में किया जा सकता है।

विज्ञान की शक्ति अपेक्षा शांति की शक्ति प्रबल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्ववि द्यालय परसपुर सेवा केन्द्र पर रविवार को अप ने सम्बोधन में राजयोगिनी अनामिका बहिन ने कहा कि आज संसार में शांति का अकाल है, इसलिए युनाइटेड नेशन्स ने विश्व ध्यान दिवश का आयोजन किया हुआ है,इस कार्यक्रम को अगले वर्ष ही आयोजित करने की योजना बनीं थीं,जिसका आज दूसरा वर्ष है ।संसार में चारों ओर अशांति है, अशांति के कारण भयावह स्थिति उत्पन्न हो रही है।शांति बाजार से नहीं खरीदी जा सकती है ''अपितु शांती हर एक के भीतर विद्यमान है।लेकिन वह दबी हुई है।शांति को प्रकाट्य करने के लिए एक दो मिनट खुद ही रोज ध्यान करना होगा।भगवान हमें कर्म योग सिखातें है ना कर्म संन्यास। हमें कर्मयोगी बनकर कर्म करना चाहिए। कर्मयोगी बनकर कर्म करने से शुभ करने ही होंगे,जिससे शांती का संचार होगा।जीवन में शांति को प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन 10 -15मिनट राजयोग मेडि टेशन का अभ्यास करें,जिससे सीखने के लिए राजयोग प्रशिक्षण केंद्र में पधारना होगा।उक्त अवसर पर डाक्टर सुरेश चंद्र तिवारी राधेश्याम मिश्रा अनूप सिंह सुनील भाई बबिता सिंह सुष मा,रमा उमा देवी आदि मौजूद रहे।

ग्लैमरस टाइप क्रिकेट प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों पर लगी जमकर बोली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नीलामी प्रक्रिया में शाद सबसे महंगे खिलाड़ी जबकि कृष्णा व आर्यन दूसरे नम्बर पर रहे

आईपीएल की तर्ज पर खेली जाएगी ग्लैमरस प्रीमियर लीग

बहराइच । ग्लैमरस टाइप क्रिकेट प्रीमियर लीग में आज ख़िलाडियो के नीलामी का आयोजन किया गया । जिसके मुख्य अतिथि के रूप में इशरत महमूद खान मौजूद रहे। आईपीएल के तर्ज पे खेली जाने वाली इस प्रीमियर लीग में आज खिलाड़ियों की नीलामी कराई गई। नीलामी प्रक्रिया में मंडल के 142 क्रिकेट खिलाड़ियों ने इसमें प्रतिभाग किया।लीग में 8 टीम प्रतिभाग कर रही है।नीलामी में 8 टीमो के मालिको ने खिलड़ियों पर दांव लगाया । इस प्रीमियर लीग का शुभारंभ 8 जनवरी से किया जाएगा। जिसमें बहराइच पैंथर्स,बहराइच राइडर्स, बहराइच रॉयल, बहराइच वुल्फ, बहराइच जॉइंटस, बहराइच स्ट्राइकर की टीमें प्रतिभाग करेंगी। नीलामी प्रक्रिया में शाद सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। जबकि कृष्णा सिंह व आर्यन दूसरे नंबर पर रहे । 142 खिलाड़ियों में सभी खिलाड़ियों की नीलामी हुई।

नीलामी का संचालन देवाशीष राय ने किया।इस दौरान प्रीमियर लीग के मुख्य आयोजक ,आयुष चित्रांश, देवा,भूपेंद्र पांडेय,कैराती,कार्तिके,टीम ऑनर मनीष सिंह, जहीन खान,गोविंद सिंह चौहान,दिवाकर सिंह,ताहाआब्दी ,वैभव श्रीवास्तव, गौरव पाठक,मौजूद रहे ।

सरकार पटाखों और कूड़े जलाने पर बैन लगाए : अर्थी बाबा

गोरखपुर कैनविज टाइम्स संवाददात। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर निवासी अर्थी बाबा राजन यादव अब प्रदूषण खिलाफ की लड़ाई का जंग छेड दिए है । अर्थी बाबा ने माननीय राष्ट्रपति महोदया से गुहार लगाया है की शादियों और किसी भी प्रोग्राम, त्यौहार,उत्सव में पटाखों का प्रयोग करने से व कूड़े को जलाने के प्रदुषण से ओजोन परत को नुकसान हो रहा है, जिससे ओजोन परत पृथ्वी के वायुमंडल के समताप मंडल में पाई जाने वाली ऑक्सीजन की एक परत है, जो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी पर जीवन को बचाती है । यह त्वचा कैंसर और अन्य बीमारियों से रक्षा करती है, लेकिन मानवीय गतिविधियों (जैसे गैसों) के कारण इसका क्षरण हो रहा है।इसको देखते हुए ओजोन परत को बचाने के लिए पटाखों व कूड़े को जलाने पर पूरी तरह बैन लगाया जाने को सरकार को सुझाव दिया जाय । अर्थी बाबा ने कहा की यदि मेरी मांग पूरी नहीं हुयी तो हर जिले में धरना देंगे ।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला युवती का शव

गोरखपुर कैनविज टाइम्स संवाददात। खजनी थाने के अंतर्गत भगवानपुर भीटी शाम को लगभग 4 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में शव कमरे में पंखे के फंदे से लटकता मिला। मिली सूचना के अनुसार भगवानपुर भीटी में शाम को लगभग 4 बजे इंटर की पढ़ाई करने के बाद निट कि तैयारी में जुटी थी बचपन से ही अपने नाना और नानी के पास रहकर पढ़ाई कर रही थी। ग्राम भगवानपुर निवासी सौरभ कुमार कनौजिया पुत्र जंगी प्रसाद की भांजी सुषमा पुत्री संजय कनौजिया निवासी कटका थाना सिकरीगंज उम्र लगभग 18 वर्ष की फांसी लगाकर संदिग्ध परिस्थितियों में खुदकुशी कर ली। सुबह घर के सभी लोग अपने अपने काम पर चले गये और मृतका की नानी भी अपने लड़के के दुकान पर चली गयी। घर पर कोई मौजूद नहीं था, इसी बीच मृतका द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। दुकान से लौटने पर मृतका के नानी द्वारा घटना की सूचना अपने लड़कों को एवं मृतका के माता व पिता को बताया मृतका द्वारा आत्महत्या करने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी जयंत सिंह व हल्का प्रभारी एवं महिला उपनिरीक्षक द्वारा पहुंचकर पंचायतनामा की कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेजा गया।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

हिजाब प्रकरण पर सियासी तूफान, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

गोरखपुर कैनविज टाइम्स संवाददात । मुख्यमंत्री द्वारा नियुक्तिपत्र देते समय एक छात्रा का हिजाब खींचे जाने, एक कैबिनेट मंत्री द्वारा उस पर भद्दा मजाक करने और एक केंद्रीय मंत्री द्वारा लड़की नौकरी करे चाहे जहन्नुम में जाए जैसे आपत्तिजनक बयान दिए जाने से प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। यह घटनाक्रम महिला सम्मान, धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक मूल्यों पर सीधा हमला बताया जा रहा है। समाजवादी पार्टी महानगर के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सचिव आफताब अहमद ने इस पूरे मामले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह बेहद शर्मनाक है कि ल्बेटी बचाओङ्क का नारा देने वाली पार्टी से जुड़े नेता ही एक बेटी के सम्मान को ठेस पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक छात्रा का अपमान नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है। आफताब अहमद ने विशेष रूप से कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के बयान को घोर आपत्तिजनक बताते हुए उनके खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की और उन्हें पद से हटाए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के हाथ में सत्ता रहना लोकतंत्र और महिला सुरक्षा दोनों के लिए खतरा है। उन्होंने यह भी मांग की कि पीड़ित छात्रा की सुरक्षा तत्काल बढ़ाई जाए, ताकि उस पर किसी तरह का दबाव या भय न बने। साथ ही, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। समाजवादी पार्टी ने स्पष्ट किया है कि महिलाओं के सम्मान और संविधान प्रदत्त अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र कार्रवाई नहीं की, तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारम्भ, शोभायात्रा निकाली गई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। राज पैलेस नानपारा में 20 दिसम्बर से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन बाबू जी सत्यनारायण शाह एवं मां त्रिवेणी देवी की पावन स्मृति में किया गया। कथा का आयोजन उनके पुत्र कैलाशनाथ अग्रवाल एवं उनकी पत्नी नीलम अग्रवाल के सौजन्य से किया जा रहा है। श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ भव्य शोभायात्रा के साथ किया गया, जो राज पैलेस से प्रारम्भ होकर विश्वनाथ मंदिर तक निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल हुए। कथा आयोजन के लिए राज पैलेस प्रांगण में आकर्षक एवं भव्य मण्डप सजाया गया है। श्रीधाम वृन्दावन से पधारे कथा प्रवक्ता परमपूज्य श्री हित कमलदास जी के कृपापात्र शिष्य श्री हित शुभम कृष्ण जी महाराज ने कथा के प्रथम दिवस में बांके बिहारी जी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि प्रत्येक भक्त को अपने हृदय को बिहारी जी के वास योग्य बनाना चाहिए तथा मन से सभी अवगुणों का त्याग कर उसे निर्मल बनाना चाहिए। कथा प्रवक्ता ने बताया कि कथा की समाप्ति के दिन 27 दिसम्बर को सभी भक्तजन कलम-पेन लेकर आएं, जिसमें कथा से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे तथा सही उत्तर देने वाले श्रद्धालुओं को पुरस्कृत किया जाएगा। कथा के प्रथम दिवस पर सुरेश शाह, चन्दन शाह, दिनेश शाह, उमेश शाह, राजेश शाह, नरेश अग्रवाल, हरी शर्मा, ओम पोद्दार सहित सैकड़ों श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों की मदद को आगे आई मुस्लिम मुसाफिरखाना समिति, 200 को किया कंबल वितरण

कैनविज टाइम्स संवाददात

बहराइच। शहर के मोहल्ला काजीपुरा स्थित मुस्लिम मुसाफिरखाना प्रबंध समिति की ओर से मुसाफिरखाना सभागार में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित कर 2 सौ जरूरतमंदों को कंबल प्रदान किया गया। मुस्लिम मुसाफिरखाना प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉक्टर ए आर खान की अध्यक्षता में हुए कंबल वितरण कार्यक्रम में जमील अहमद फारुकी वरिष्ठ एडवोकेट, शकील अहमद किदवई वरिष्ठ एडवोकेट, हसीब अहमद अंसारी वरिष्ठ एडवोकेट, तेजे खान वरिष्ठ एडवोकेट व अध्यक्ष सीरत कमेटी, मोहम्मद अकरम वरिष्ठ एडवोकेट, हाजी रेहान खान पूर्व चेयरमैन, समाजसेवी डॉक्टर अजीमुल्ला खान, रियाजुद्दीन खान, अब्दुल हमीद शाह, मोहम्मद अब्दुल्ला, सैयद अकरम सईद, शाहिद महमूद खान,जफर उल्ला खान, तारिक खान राष्ट्रीय प्रवक्ता सपा, पत्रकार अजमल शाह व मंशाद अहमद एवं मोहम्मद सनी सभासद प्रतिनिधि की मौजूदगी में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित किए गए 2 सौ पुरुष व महिलाओं को कंबल प्रदान कर उन्हें भीषण ठंड में सहायता प्रदान की गई। प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉक्टर ए आर खान ने कहा कि ठंड के मौसम में गरीब बेसहारा लोगों की फिक्र कर उन्हें सहायता करना हम सबका कर्तव्य है और यह पुनीत कार्य कमेटी हर वर्ष आयोजित करेगी।कमेटी के सेक्रेटरी नासिर अली खान ने कार्यक्रम में शामिल हुए लगभग एक दर्जन अतिथियों को शाल पेशकर व माल्यार्पण कर सम्मानित करते हुए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मौलाना अब्दुल मतीन के कुरान पाठ से हुआ तथा संचालन शादाब हुसैन ने किया।

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केन्द्र प्रयोगशाला का किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केंद्र, पीलीभीत द्वारा आज राजकीय ड्रमण्ड इंटर कालेज परिसर में एक दिवसीय प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं के मध्य प्रौद्योगिकी आधारित कौशल विकास, नवाचार तथा उद्यमिता को प्रोत्साहन प्रदान करना रहा।

माननीय केन्द्रीय राज्यमंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी भारत सरकार श्री जितिन प्रसाद जी द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी नाइलिट विस्तार केन्द्र पीलीभीत इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर प्रयोगशाला में तैयार किए गए तकनीकी मॉडल को देखा एवं उसके बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने क्लास रूम में पहुंचकर सीसीसी एवं ओ लेवल के

छात्र/छात्राओं से बात की तथा उनसे भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा। इस दौरान साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल फ्रॉड की रोकथाम, डेटा सुरक्षा, सुरक्षित इंटरनेट उपयोग एवं उभरते साइबर खतरों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई।आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन राज्यमंत्री वणिज्य एवं उद्योग, इलेक्ट्रानिक और सूचना प्रौद्योगिकी भारत सरकार जितिन प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर नाइलिट के निदेशक,

प्रयोगशाला में तैयार किए गये तकनीकी माडल को देखा एवं प्राप्त की जानकारी सम्मेलन में उपस्थित छात्र व छात्राओं व किसानों को दी तकनीक की जानकारी

जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, नगर मजिस्टेट, अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि0, जिला कृषि अधिकारी, बीएसए रौशनी सिंह,जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, पीसीयू के चेयरमैन सुरेश गंगवार, चेयरमैन डॉ0 आस्था अग्रवाल, ब्लाक प्रमुख सभ्यता वर्मा, पूर्व राज्यमंत्री हेमराज वर्मा, पूर्व विद्यायक किशनलाल, राजपूत, अन्य समान्नित जन प्रतिनिधिगण, जिला स्तरीय अधिकारी, शैक्षणिक संस्थानों के प्रधानाचार्य/प्रतिनिधि, उद्योग जगत के विशेषज्ञ, स्टार्टअप उद्यमी तथा नाइलिट के अधिकारी उपस्थित रहे है।

हरीपुर रेंज के अंतर्गत मिले बाघ के पद चिन्ह ग्रामीणों में दहशत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। हरीपुर रेंज के अंतर्गत स्थित ग्राम पंचायत पिपरिया जयभद्र के समीप बाघ दिखाई देने की खबर से शनिवार को दिनभर धमाचौकड़ी मची रही। जिससे ग्रामीण काफी दहशत में नजर आए ग्राम प्रधान नन्हेंलाल ने ग्राम पंचायत वासियों को सतर्क रहने के लिए कहा है। इस वाकये की शुरूआत शनिवार की शाम के समय हुई।जब कुछ जागरूक ग्रामीण खेत पर गए शाम की धुंधलाहट में वहां से किसी वन्य प्राणी का गुजरना हुआ। ग्रामीणों ने समझा कि यह बाघ है, वे डरकर खेत से भाग गए। रातभर गांव में यह चर्चा चलती रही।रविवार की सुबह उसी स्थान पर बाघ के पंजे के निशान दिखाई पड़ रहे थे। कुछ ही देर में पूरे इलाके में यह खबर फैल गई, कि यहां रात में बाघ आया था। पंजे के निशान देखने के लिए ग्रामीण उमड़ पड़े। उड़ते-उड़ते यह खबर वन अफसरों तक पहुंची। लेकिन मौके पर कोई भी वनकर्मी नहीं पहुंचा है।जिससे ग्रामीणों में दहशत बरकरार है।

आईलेट्स संचालक की हत्या के मामले पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव नारायनपुर निवासी पूरन सिंह और उनकी पती गुरमीत कौर और सुखदेव सिंह के बीच रुपए को लेकर हुऐ विवाद मे गोली चल गई गोली लगने से गुरमीत कौर घायल हो गई, जबकि टोडरपुर न्यूरिया के सुखदेव सिंह की छाती मे गोली लगने से मौके मौके पर ही मौत हो गई जानकारी के अनुसार मृतक उनके घर के नीचे करीब 6 वर्षो से आईलेट सेंटर का संचालन करता था गोली लगने से हुई मौत की सूचना आसपास के लोगो ने तत्काल पुलिस को सूचना दी अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये और आवश्यक साक्ष्य एकत्र करते हुऐ जल्द ही घटना का खुलासा करने का निर्देश दिया पूरन सिंह के बताये अनुसार घटना के समय वह किचिन मे सब्जी गरम कर रहे थे सूचना मिलने के बाद सीओ प्रतीक दहिया कोतवाल पवन कुमार पांडेय ने मौके पर पहुंचकर जॉच पड़ताल कर जानकारी ली फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट और फारेंसिंग टीम ने भी पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं मामले में मृतक के पिता न्यूरिया थाना क्षेत्र के गांव टोंडरपुर निवासी हरविंदर सिंह की और से रिटायर्ड फौजी और उनकी पती के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है लगभग डेढ़ साल पहले ऑफिस बंद हो गया था तब से सुखदेव पूरन सिंह के घर पर ही रह रहा था।

जनपद न्यायाधीश ने किया जिला कारागार का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत।जनपद न्यायाधीश रविन्द्र कुमार चतुर्थ, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव द्वारा जिला कारागार का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश द्वारा कारागार में बन्दियों के किशोर/पुरूष बैरक, महिला बैरक सहित अन्य बैरकों, भोजनालय, अस्पताल एवं लाइब्रेरी का निरीक्षण किया। जनपद न्यायाधीश द्वारा बैरक के निरीक्षण के दौरान बंदियों से बातचीत करते हुये उनकी समस्याओं का संज्ञान लेते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद न्यायाधीश द्वारा अस्पताल निरीक्षण के दौरान बीमार बंदियों से बातचीत करते हुये उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली गई और वहां उपस्थित डॉक्टर को निर्देश देते हुए कहा कि बीमार बंदियों की स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि मानक के अनुरूप बंदियों को

बंन्दियों से की वार्ता, जानी समस्याएं एवं बंदियों की समस्याओं का निस्तारण करने के दिये निर्देश

सुविधायें उपलब्ध कराई जाये। निरीक्षण के दौरान मा0 जनपद न्यायाधीश द्वारा साफ सफाई की व्यवस्था देखी गई और निर्देशित किया कि निर्धारित मानकों के अनुरूप बंदियों को भोजन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये। बंदियों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिन बंदियों के पास जमानत हेतु वकील नही है उनकी सूची उपलब्ध कराई जाए, जिससे उनकी जमानत हेतु वकील उपलब्ध कराये जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कारागार की साथ साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान अपर जिला जज सुनील कुमार पूर्णकालिक सचिव/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मुख्य न्यायिक मजिस्टेट मंगल देव सिंह, जेल अधीक्षक, जेलर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे है।

रबी उत्पादकता गोष्ठी तेइस से छ्ब्बीस दिसम्बर तक होगी

अमेठी । जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष हेतु कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के तहत जनपद के ताला स्थित कृषि भवन प्रांगण में चार दिवसीय पारम्परिक ग्राम्य किसान मेला के अन्तर्गत तेइस दिसम्बर को जनपद स्तरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी व किसान सम्मान दिवस व चौबीस दिसम्बर को मिलेट्स रेसिपी एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम व कृषक प्रशिक्षण तथा पच्चीस व छब्बीस दिसम्बर को किसान मेला का आयोजन किया जायेगा।इस सम्बन्ध में उन्होंने बताया कि उपरोक्त आयोजन के माध्यम से जनपद के किसानों को नवीनतम कृषि तकनीक, बीज, उर्वरक, रसायन आदि से सम्बन्धित जानकारी कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विशेषज्ञों के माध्यम से यथा-न्यूनतम लागत द्वारा अधिकतम उत्पादन प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि तथा विभिन्न विभागों एवं निजी कम्पनियों के द्वारा उपरोक्त से सम्बन्धित स्टाल लगाकर किसानों को जागरूक एवं प्रेरित करने के साथ ही दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए उप कृषि निदेशक के पर्यवेक्षण तथा संयुक्त कृषि निदेशक, अयोध्या मण्डल अयोध्या के संरक्षण में आयोजित किया जायेगा।

पीलीभीत में सांसद खेल महोत्सव का आगाज केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने किया शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद में स्थित गांधी स्टेडियम मे खेल मैदान पर सांसद खेल महोत्सव का आगाज हुआ केंद्रीयमंत्री जितिन प्रसाद और जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ किया इस अवसर पर केंद्रीयमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव नगर ब्लॉक से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक आयोजित हो रहा है यह खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है पांच दिवसीय यह महोत्सव रविवार को बालक-बालिका दोनों वर्गों में 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं के साथ शुरू हुआ इसके अतिरिक्त, वॉलीबॉल और फुटबॉल मैच भी खेले गए इस खेल महोत्सव में नगर के सभी प्रतिभावान खिलाड़ियों को भाग लेने का अवसर मिला है खिलाड़ी पूरे उत्साह के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर रहे हैं खेल महोत्सव का संचालन जिला क्रीड़ा अधिकारी ने किया जिला पीटीआई और खेल विशेषज्ञ का इसमें विशेष सहयोग किया उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया इस मौके पर सासंद जितिन प्रसाद, बीएसए रौशनी सिंह,नगर पालिका परिषद अध्यक्ष आस्था अग्रवाल, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा, पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा, किशन लाल राजपूत आदि लोग मौजूद रहे है।

लेसमात्र का छुआछूत नही, हम सब हिन्दू एक है : मनोज जी

सुल्तानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। हम सभी हिंदू भाई एक हैं और हमारे बीच छुआछूत का लेसमात्र भी भाव नहीं होना चाहिए। यह बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संपर्क प्रमुख मनोज जी ने कही। वे रविवार को भादा क्षेत्र में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। गौहानी (बहरौली) स्थित गोपाल बाबा मैदान में आयोजित इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुषों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से लोगों को जागरूक करने के लिए पोस्टर वितरित किए गए तथा स्वयंसेवकों को सक्रिय भूमिका में लगाया गया। कार्यक्रम का संचालन रामनारायण उपाध्याय ने किया। वहीं कार्यक्रम के समन्वयक राजेश पांडेय एवं जिला शासकीय अधिवक्ता शेषमणि रहे। इस अवसर पर राजेश पांडेय द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य वक्ता का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीता देवी ने की, जबकि सुनीता पाल विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका में उपस्थित रहीं। सम्मेलन में सतीश पांडेय, प्रधान गौहानी आदर्श पांडेय, प्रधान अलहदादपुर हेमंत मिश्रा, प्रधान भादा सोनू सिंह, प्रधान बहरौली प्रमोद पांडेय, पूर्व प्रधान छेदी मौर्या, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विनोद मिश्रा, शिव प्रसाद उपाध्याय सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों से होमगार्ड की नौकरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना कोतवाली नगर पुलिस ने कूटरचित दस्तावेजों के दुरुपयोग और फर्जी तरीके से होमगार्ड के पद पर कार्य करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने भर्ती के लिए फर्जी मार्कशीट और अनुसूचित जाति (थारू) का कूटरचित जाति प्रमाण पत्र लगाकर विभाग को धोखा दिया था। मामले में थाना स्थानीय पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में वरिष्ठ उपनिरीक्षक जितेन्द्र राज व कांस्टेबल बृजेश कुमार शामिल रहे।

एसटीएफ मुठभेड़ में एक लाख का इनामी सिराज अहमद ढेर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर/सहारनपुर। सुलतानपुर के बहुचर्चित दीवानी न्यायालय अधिवक्ता आज़ाद अहमद हत्याकांड में वांछित और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश सिराज अहमद का अंत हो गया। एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में गोली लगने से घायल सिराज की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मुठभेड़ गंगोह थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात हुई। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि कोतवाली नगर थाना क्षेत्र के लोलेपुर गांव निवासी सिराज अहमद किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से होकर सहारनपुर पहुंचा है। सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने गंगोह क्षेत्र में घेराबंदी की। खुद को घिरता देख सिराज ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया,जहां उसकी मौत हो गई। गौरतलब है कि 8 अगस्त 2023 की शाम सुलतानपुर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता आज़ाद अहमद की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे जिले में हड़कंप मच गया था। पुलिस जांच में हत्या का मुख्य आरोपी सिराज अहमद सामने आया था,जो तभी से फरार चल रहा था। गिरफ्तारी न होने पर उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था और उसकी तलाश में एसटीएफ को लगाया गया था। फरारी के दौरान मार्च 2025 में न्यायालय के आदेश पर सिराज की करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियां कुर्क की गई थीं। इसके बावजूद वह लगातार आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय बना हुआ था। मुठभेड़ स्थल से एसटीएफ ने एक मोटरसाइकिल, दो पिस्टल, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस, चार मोबाइल फोन, दो वाई-फाई डोंगल, एक छोटा बैग और आधार कार्ड समेत अन्य कागजात बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार सिराज अहमद का आपराधिक इतिहास बेहद लंबा रहा है। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में हत्या, हत्या के प्रयास और रासुका जैसी गंभीर धाराओं में करीब 30 मुकदमे दर्ज थे। इस संबंध में कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सहारनपुर में मुठभेड़ के दौरान सिराज के घायल होने और बाद में मौत की पुष्टि हुई है। उसका आपराधिक इतिहास पहले ही एसटीएफ के साथ साझा किया जा चुका था। पुलिस अब उसके नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की जानकारी जुटाने में लगी है।

तालाब को पाटकर बनाया घर शिकायत पर शासन ने बैठाई जांच

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। तालाब पाटकर घर बनाने के मामले में हुई शिकायत के बाद शासन ने जांच शुरु करा दी है मामले को लेकर राजस्व विभाग की टीम ने गांव में जांच की घनी आबादी के कारण सर्वे नहीं हो सका अब इसके लिए अन्य जिलों की टीम सर्वे करेंगी तहसील क्षेत्र के गांव रामपुर तालुके महराजपुर के कुछ लोगों ने शासन स्तर पर शिकायत की थी इसमें कहा गया था कि कुछ लोगों ने गांव के तालाब को पाटकर घर बना लिए शासन में शिकायत के बाद इसकी जांच को बैठा दिया गया शासन से पत्र आने के बाद राजस्व विभाग की टीम घनी आवादी के चलते नहीं लग सकी जरीफ,आएगी टीम मौके परगई इसके बाद तहसीलदार ने भी जांच की मामला घनी आबादी का होने के कारण शिकायत स्पष्ट नहीं हो सकी टीम वहां से वापस आ गई तहसीलदार आशीष गुप्ता ने बताया कि शिकायत के बाद जांच कराई गई घनी आबादी के कारण जरीफ नहीं पड़ सकी इसको लेकर लखनऊ और हरदोई से टीम आकर यहां सर्वे का काम करेंगी ।

शेरपुर कला अतिरिक्त दहेज की मांग पूरी न होने पर गर्भवती महिला की पिटाई, अस्पताल में भर्ती

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र के गांव शेरपुर कला निवासी आयशा बेगम ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसने अपनी पुत्री तराना भी की शादी 7 वर्ष पूर्व शकील के साथ की थी, शादी में अपनी हैसियत के अनुसार दान दहेज दिया था। आरोप है कम दहेज को लेकर पति सहित सुसराल पक्ष के लोग कम दहेज लाने का ताना देकर मारपीट कर प्रताड़ित करते हैं। आरोप आठ माह की गर्भवती होने पर भी उसके पेट में लात मार दी जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और पीलीभीत के सरकारी अस्पताल में भर्ती है। जिसको लेकर महिला के परिजन परेशान है, मामले में पुलिस से शिकायतकर कार्रवाई की मांग की है।

फुरसतगंज पुलिस ने गांजा कारोबारी को भेजा जेल

अमेठी,थाना कैनविज टाइम्स संवाददाता। फुरसतगंज पुलिस ने मादक पदार्थो की बिक्री करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुये एक किलो एक सौ अठानबे ग्राम गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान व नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत रविवार को थाना फुरसतगंज पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर मोहम्मद सारिक पुत्र स्व. अब्दुल हमीद निवासी ग्राम मोहल्ला चिकमण्डी कस्बा फुरसतगंज मजरे ब्रम्हनी थाना फुरसतगंज जनपद अमेठी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में युवक के कब्जे से एक किलो एक सौ अठानबे ग्राम गांजा बरामद हुआ। इस सम्बंध में थाना फुरसतगंज के प्रभारी निरीक्षक नंद हौसिला यादव ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस ने असनी में हुई चोरी के मामले में एक युवक को पकड़ा

तिलोई अमेठी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना मोहनगंज पुलिस ने गांव असनी से बकरा चोरी का खुलासा करते हुये एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने पकड़े गये युवक के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है। थाना क्षेत्र के गांव असनी निवासी मोहम्मद कैय्यूम के दरवाजे पर बंधे दो बकरा बीती चौदह अगस्त को चोरी हो गये थे। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्जकर मामले की छानबीन कर रही थी।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार को थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह मय हमराह द्वारा तलाश वांछित देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर चोरी के मामले में वांछित मोहम्मद इरशाद उर्फ हमजा उर्फ नूर पुत्र मोहम्मद नौशाद निवासी कपूरीपुर थाना जगदीशपुर जनपद अमेठी उम्र करीब बाइस वर्ष को गिरफ्तार किया गया। इस सम्बंध में थाना मोहनगंज के प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा पकड़े गये युवक के खिलाफ मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

ब्लेस्ड चिल्ड्रन होम में प्रतिभा और सेवा का संगम मेधावी छात्रों और समाजसेवियों को मिला सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। जनपद के खकरा नदी के समीप स्थित 'ब्लेस्ड चिल्ड्रन होम' में आज 21 दिसंबर को एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक सम्मान समारोह संपन्न हुआ। यह आयोजन उन होनहारों के नाम रहा, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों और अभावों के बीच न केवल अपनी शिक्षा जारी रखी, बल्कि अपनी मेहनत से सफलता की नई इबारत लिखी। समारोह में जिले के उन मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं और स्कूल-कॉलेज स्तर पर जिले का मान बढ़ाया है।समारोह के दौरान जिले के लगभग 25 टॉपर छात्र-छात्राओं को मंच पर पुरस्कृत किया गया। इन मेधावियों में मुख्य रूप से प्रियांशी मिश्रा, फरदान खान, मोहम्मद जावेद, फातिमा हामिद, काज़िमा यूनुस, ज़ुनैरा फातिमा, प्रियाल साहू, अभिजीत कुमार और केंद्रिका राज,अनुषा जिलानी शामिल रहे। इन बच्चों की सफलता इस मायने में खास है कि इन्होंने आर्थिक और सामाजिक बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। 'ब्लेस्ड चिल्ड्रन होम' के संस्थापक मोहम्मद अफ़रोज़ ने इस अवसर पर बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य ऐसे ही बच्चों को तलाशना है जिनके पास हुनर तो है, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण वे पीछे रह जाते हैं। संस्था इन्हें मुफ्त कोचिंग, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और प्रवेश परीक्षाओं की पूरी तैयारी करवाकर उनके सपनों को हकीकत में बदलने का काम कर रही है।

कार्यक्रम में केवल छात्रों को ही नहीं, बल्कि उन उदारमना लोगों को भी सम्मानित किया गया जो पर्दे के पीछे रहकर इस नेक मिशन को सफल बनाने में संस्था की मदद करते हैं। समाजसेवा के प्रति समर्पित लगभग 20 प्रमुख व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया गया। सम्मानित होने वालों में मुख्य रूप से शकील उर रहमान, सलाहुद्दीन, जावेद कुरैशी, डॉ. नदीम, डॉ. बदरुल कमर और मोहम्मद हसन जैसे नाम शामिल रहे, जिन्होंने समय-समय पर संस्था को अपना सहयोग प्रदान किया गया हैं।कार्यक्रम की शोभा जिले के कई दिग्गज हस्तियों ने बढ़ाई। मुख्य अतिथियों के रूप में जिले के प्रख्यात अधिवक्ता मुरली मनोहर अग्रवाल, राइस मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सब रजिस्ट्रार अब्दुल साकिब, अनिल महेंद्रू, लक्ष्मी कांत शर्मा, एस.पी.एस. संधू और दुर्गा दास रजनी जैसे गणमान्य लोग उपस्थित रहे हैं।अतिथियों ने अपने संबोधन में 'ब्लेस्ड चिल्ड्रन होम' के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीलीभीत के युवाओं में अपार क्षमता है, बस उन्हें सही दिशा और सहयोग की जरूरत है। वक्ताओं ने जोर दिया कि कोई भी बच्चा धन के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना पूरे समाज की जिम्मेदारी है।शिक्षा से सशक्तिकरण का संकल्प समारोह के अंत में संस्था के प्रतिनिधि एम ए जिलानी ने अपना संकल्प दोहराया कि वे जिले के हर उस बच्चे की मदद के लिए खड़े हैं जो पढ़ना चाहता है। 'प्रेस क्लब अध्यक्ष अमिताभ अग्निहोत्री ने कहा ब्लेस्ड चिल्ड्रन होम' का यह प्रयास उन सभी बच्चों के लिए उम्मीद की एक किरण है, जो अपनी गरीबी को अपनी कमजोरी नहीं बल्कि अपनी ताकत बनाना चाहते हैं। आज का यह आयोजन केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि पीलीभीत के उज्ज्वल भविष्य की एक झलक था।कार्यक्रम का संचालन फ़रमान मालिक ने किया कार्यक्रम में बच्चों के अलावा ज़िले के तमाम गणमान लोगों ने हिस्सा लिया है।

पारा में सजा साप्ताहिक पशु बाजार सैकड़ों भैंस-बकरियों की हुई खरीद-बिक्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जिला पंचायत से सशर्त अनुमति मिलने के बाद बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाजार में रविवार को तीन वर्ष बाद पहली बार साप्ताहिक पशु बाजार का आयोजन हुआ। पहले ही दिन किसानों और पशुपालकों की भारी भीड़ उमड़ी और सैकड़ों भैंस व बकरियों की खरीद-बिक्री हुई। बाजार लगने की सूचना से पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल रहा। पशु बाजार में दूर-दराज के गांवों से हजारों किसान व पशुपालक पहुंचे। स्थानीय ग्रामीण अक़्बर रजा का कहना है कि लंबे अंतराल के बाद बाजार शुरू होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पशुपालकों को सीधा लाभ होगा। जिला पंचायत सुलतानपुर ने स्पष्ट किया है कि पशु बाजार में केवल भैंस और बकरी की ही खरीद-बिक्री की अनुमति होगी, जबकि गोवंश की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। बताया गया कि पशु बाजार के संचालन की जिम्मेदारी अख्तर रजा और मोहम्मद जुनैद को सौंपी गई है। पहले दिन बाजार का संचालन पूरी तरह व्यवस्थित रहा। स्थानीय किसानों का कहना है कि साप्ताहिक पशु बाजार शुरू होने से अब पशुओं की खरीद-बिक्री के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी।

सम्पादकीय

चूक से हादसे

लोकसभा में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का वह बयान तार्किक ही है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत में अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं मानवीय व्यवहार से जुड़ी हैं। निश्चय ही यदि वाहन चालकों को सड़क व्यवहार के प्रति जागरूक किया जाए और हम जिम्मेदारी-सावधानी से वाहन चलाएं तो हर साल हजारों जिंदगियां बचायी जा सकती हैं। भारत में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले कम वाहन सड़कों पर दौड़ते हैं, लेकिन सड़क हादसों के मामले में हम अव्वल हैं। विडंबना देखिए कि एक साल में देश के भीतर करीब पांच लाख सड़क हादसे दर्ज किए जाते हैं। बड़ी संख्या उन हादसों की भी है जो छोटे शहरों व भीतरी इलाकों में होते तो हैं, लेकिन दर्ज नहीं होते। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोग इन हादसों में मारे जाते हैं। लाखों लोग इन हादसों में घायल होते हैं। हजारों लोग ऐसे भी होते हैं जो हादसों के बाद जीवनपर्यंत सामान्य जीवन नहीं जी पाते हैं। दुखद स्थिति यह भी है कि मरने वालों में सर्वाधिक संख्या युवाओं की होती है। एक आंकड़े के अनुसार मरने वालों में 66 फीसदी लोग 18 से 34 साल के बीच होते हैं। जो अपने परिवार के कमाने वाले व्यक्ति होते हैं। फलतरू हादसे के बाद कई परिवार गरीबी के दलदल में धंस जाते हैं। दरअसल, सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति से वाहन चलाना भी है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि ओवर स्पीडिंग से 68 फीसदी से अधिक सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। वहीं निर्धारित स्पीड से अधिक तेजी से वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं के चलते ही 68 फीसदी मौतें भी होती हैं। निश्चित रूप से ये हादसे व मौतें मानवीय व्यवहार की कमजोरी से जुड़े हैं। जहां देश में राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे का तेजी से विस्तार हुआ है तो बेहतर सड़कों में वाहन चालकों की गति अनियंत्रित हो चली है। जो कालांतर सड़क हादसों की वजह बनती है। यह विडंबना है कि हम अकसर सुरक्षा नियमों की अनदेखी करते हैं। आज की युवा पीढ़ी हेलमेट पहनने से परहेज करती है। यह जानते हुए कि हादसों में सिर की चोट जानलेवा बन जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2023 में हेलमेट न लगाने के कारण 54,568 लोगों की मौत हुई। वहीं सीट बेल्ट न लगाने से 16 हजार से अधिक यात्रियों की जान गई। इन हादसों की एक बड़ी वजह ऐसे अकुशल चालकों का होना भी था, जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं था। आंकड़ों के अनुसार दुर्घटनाओं के लिये जिम्मेदार चालकों में 33,827 ऐसे थे जिनके पास लाइसेंस नहीं थे। देश में बड़ी संख्या ऐसे चालकों की होती है, जो मेडिकली फिट नहीं होते। इसके अलावा जुगाड़ से ले-देकर लाइसेंस बनाने वालों की भी कमी नहीं है। वे वाहन चलाने की पर्याप्त योग्यता व अनुभव के बिना ही चालक बन बैठते हैं। हाल के वर्षों में नशे की हालात में वाहन चलाने का फैशन भी बना है। कई हादसों के बाद खुलासा हुआ कि फलां चालक नशे में धुत था। हालांकि, महानगरों व शहरों में नाका लगाकर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पकड़-धकड़ की जाती है। लेकिन राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे पर ऐसी जांच बड़े पैमाने पर होती नजर नहीं आती। वहीं ऐसे चालकों की भी कमी नहीं है, जो फोन पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं। जिससे लगातार दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। निश्चित रूप से फोन पर बातचीत करता व्यक्ति भावावेश में उद्वेलित हो सकता है, जिससे वाहन चलाने की गुणवत्ता बाधित होती है। वाहन को सुरक्षित ढंग से चलाना भी एक कला है। चालक का मानसिक रूप से शांत होना भी जरूरी है। हाल के दिनों में सड़कों की बेहतर स्थितियों में लोगों में रात में सफर करने का रुझान बढ़ा है। गाहे-बगाहे चालक को झपकी लगने पर दुर्घटना होने के समाचार अकसर सुनने में आते हैं। निश्चित रूप से सड़क हादसों के मूल में तकनीकी कारण और सड़कों के डिजाइन व गुणवत्ता की भी भूमिका होती है। लेकिन हमारी नियंत्रित गति, सावधानी व सजगता दुर्घटनाएं टाल भी सकती है।

बेलगाम बांग्लादेश की अशांति भारत के लिये खतरा

बांग्लादेश में बीते कुछ समय से जो घटनाक्रम सामने आ रहे हैं, वे किसी एक देश की आंतरिक समस्या भर नहीं रह गए हैं, बल्कि दक्षिण एशिया की समूची भू-राजनीतिक स्थिरता के लिए एक गंभीर चेतावनी बनते जा रहे हैं। युवा छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद जिस तरह ढाका सहित कई शहरों में हिंसा भड़की, उसने यह उजागर कर दिया कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार न तो कानून का शासन स्थापित कर पा रही है और न ही समाज को उन्माद व कट्टरता से बचाने में सक्षम दिखाई देती है। सड़कों पर उग्र भीड़, अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हमले, हिन्दू धर्म-स्थलों को ध्वस्त करना, मीडिया संस्थानों के दफ्तरों में आगजनी, पत्रकारों पर हमले और असहमति की आवाजों को दबाने की कोशिशें यह संकेत देती हैं कि बांग्लादेश तेजी से अराजकता के दलदल में धंसता जा रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के भविष्य के लिए जितनी भयावह है, उतनी ही खतरनाक क्षेत्रीय शांति के लिए भी है। इस पूरे परिदृश्य का सबसे चिंताजनक एवं त्रासद पहलू 'भारत विरोधी नैरेटिव' का सुनियोजित एवं षड़यंत्रपूर्ण निर्माण है। शरीफ उस्मान हादी की हत्या के लिए बिना किसी ठोस जांच के भारत पर आरोप मढ़ना और उसके बाद भारतीय मिशनों को निशाना बनाने की कोशिशें यह बताती हैं कि हिंसा केवल स्वतःस्फूर्त जनाक्रोश नहीं, बल्कि एक सुविचारित राजनीतिक और वैचारिक साजिश का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि जब भी बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ती है, कुछ कट्टरपंथी ताकतें भारत विरोध को एक आसान औजार की तरह इस्तेमाल करती हैं। इससे न केवल भीड़ को भड़काया जाता है, बल्कि आंतरिक विफलताओं से ध्यान हटाने का रास्ता भी मिल जाता है। अंतरिम सरकार की निष्क्रियता या मौन सहमति इस आशंका को और मजबूत करती है कि वह या तो इन ताकतों पर नियंत्रण खो चुकी है या फिर उनसे समझौता कर चुकी है। इसमें सबसे घातक है पाकिस्तान का साजिशपूर्ण तरीके से भारत विरोध को हवा देना। भारत द्वारा अपने वीजा केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद करना और बांग्लादेशी उच्चायुक्त को तलब करना इस पृष्ठभूमि में एक आवश्यक और संतुलित कूटनीतिक कदम कहा जा सकता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की यह जिम्मेदारी होती है कि वह विदेशी राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ढाका में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिशें और वहां प्रशासन की ढुलमुल प्रतिक्रिया यह दर्शाती हैं कि अंतरिम सरकार इस बुनियादी दायित्व को निभाने में विफल रही है। कूटनीति केवल सौहार्द की भाषा नहीं होती, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देने का माध्यम भी होती है कि भारत अपने हितों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रश्न पर किसी तरह की उदासीनता स्वीकार नहीं कर सकता। इस अशांति का सबसे दर्दनाक और संवेदनशील पक्ष बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की बिगड़ती स्थिति है। कथित ईशनिंदा के आरोपों में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या इस बात का प्रमाण है कि कट्टरपंथी तत्वों को अब प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। जब न्याय भीड़ के हाथों में चला जाए और सरकार अल्पसंख्यक अधिकारों पर केवल औपचारिक बयान जारी करती रहे, तो यह लोकतांत्रिक राज्य की आत्मा पर सीधा प्रहार होता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी भी इस संदर्भ में कई सवाल खड़े करती है। मानवाधिकारों और अल्पसंख्यक संरक्षण की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच तब मौन क्यों हो जाते हैं, जब यह उल्लंघन रणनीतिक या राजनीतिक समीकरणों के भीतर घटित होते हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र और सलाहकार साजीब वाजेद जॉय का यह कथन कि बांग्लादेश की आग से भारत अछूता नहीं रह सकता, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। भारत और बांग्लादेश के बीच हजारों किलोमीटर की साझा सीमा, सांस्कृतिक-सामाजिक रिश्ते और आर्थिक निर्भरता ऐसी है कि ढाका की अस्थिरता का असर स्वाभाविक रूप से भारत के सीमावर्ती राज्यों पर पड़ेगा। अवैध घुसपैठ, कट्टरपंथी नेटवर्कों की सक्रियता और सीमा पार अपराधों का खतरा इस अस्थिरता के साथ बढ़ता ही जाएगा। आगामी फरवरी में प्रस्तावित आम चुनाव बांग्लादेश के लिए एक अवसर हो सकते थे, जिससे वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए स्थिरता की ओर लौट सके। लेकिन मौजूदा हालात में चुनाव की पारदर्शिता और शांति पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग चुके हैं। कट्टरपंथी ताकतें जनभावनाओं को भड़काकर हिंसा का माहौल बनाए रखने में जुटी हैं, ताकि सत्ता का संतुलन अपने पक्ष में मोड़ा जा सके। अंतरिम सरकार का यह दायित्व है कि वह निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करे, लेकिन अब तक के संकेत बताते हैं कि वह इस चुनौती के सामने कमजोर साबित हो रही है। इस पूरे परिदृश्य में पाकिस्तान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दक्षिण एशिया में अस्थिरता फैलाना और भारत के पड़ोस में अशांति, हिंसा एवं आतंक के बीज बोना पाकिस्तान की पुरानी रणनीति रही है। बांग्लादेश में कट्टरपंथी संगठनों और भारत विरोधी तत्वों को वैचारिक, नैतिक और कभी-कभी परोक्ष समर्थन मिलना कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तान के लिए यह एक अवसर की तरह है, जहां वह बांग्लादेश की आंतरिक कमजोरियों का फायदा उठाकर भारत के खिलाफ एक और मोर्चा खोल सकता है। सोशल मीडिया अभियानों से लेकर दुष्प्रचार तक, कई संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि बांग्लादेश में फैलाई जा रही भारत विरोधी भावना के पीछे पाक की सोच भी सक्रिय है। यह वही रणनीति है, जिसे पाकिस्तान ने अफगानिस्तान और अपने ही देश में अपनाकर पूरे क्षेत्र को अस्थिरता के गर्त में धकेल दिया। भारत का रुख हमेशा से एक स्थिर, समृद्ध और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के पक्ष में रहा है। आर्थिक सहयोग, बुनियादी ढांचे के विकास और मानवीय सहायता के माध्यम से भारत ने यह साबित किया है कि वह अपने पड़ोसी के साथ सहयोगात्मक संबंध चाहता है, न कि वर्चस्ववादी। लेकिन यदि ढाका की अंतरिम सरकार अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों और सांप्रदायिक हिंसा के लिए होने देती है, तो द्विपक्षीय संबंधों में आई दरार को भरना बेहद कठिन हो जाएगा। यह केवल कूटनीति का प्रश्न नहीं, बल्कि विश्वास और साझी सुरक्षा का भी मुद्दा है। अंतरिम सरकार के सामने अब दो ही रास्ते हैं। पहला, वह कठोर कार्रवाई कर यह साबित करे कि वह किसी कट्टरपंथी विचारधारा की बंधक नहीं है और कानून का शासन बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। दूसरा, वह निष्क्रियता और तुष्टीकरण के रास्ते पर चलते हुए देश को और गहरे संकट में धकेल दे। इतिहास बताता है कि दूसरा रास्ता अंततः लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने तीनों को नष्ट कर देता है। बांग्लादेश एक ऐसे समय अराजकता में डूबा है, जब वहां चुनाव सन्निकट है। अब इन चुनावों का सही एवं लोकतांत्रिक तरीके से होना संदिग्ध है। इन चुनावों में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को भाग लेने से रोकना एवं पाकिस्तानपरस्त जमाते इस्लामी समेत अन्य कट्टरपंथी ताकतों को भी चुनाव लड़ने की छूट देना, अंतरिम यूनुस सरकार की कुचेष्टा है। सबसे बड़ी चिन्ता की बात यह है कि चुनाव के बाद वहां इस्लामिक कट्टरपंथियों के वर्चस्व वाली ऐसी सरकार अस्तित्व में आ सकती है, जो भारत के खिलाफ खुलकर काम करते हुए अल्पसंख्यकों के संहार को अंजाम देगी। भारत के लिए इसीलिये भी यह समय केवल चिंता व्यक्त करने का नहीं, बल्कि सतर्क और सक्रिय कूटनीति अपनाने का है। सीमा सुरक्षा को मजबूत करते हुए वैश्विक मंचों पर बांग्लादेश की ताजा घटनाओं को स्पष्टता और तथ्यों के साथ उठाना आवश्यक है। पड़ोस में लगी यह आग यदि समय रहते नहीं बुझाई गई, तो इसकी तपिश केवल बांग्लादेश तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया को झुलसा सकती है। स्थिरता, लोकतंत्र और सह-अस्तित्व की रक्षा के लिए यह अनिवार्य है कि बांग्लादेश की मौजूदा अराजकता को एक चेतावनी की तरह लिया जाए, न कि एक क्षणिक राजनीतिक उथल-पुथल के रूप में। -ललित गर्ग

भारत द्वारा अपने वीजा केंद्रों को अस्थायी रूप से बंद करना और बांग्लादेशी उच्चायुक्त को तलब करना इस पृष्ठभूमि में एक आवश्यक और संतुलित कूटनीतिक कदम कहा जा सकता है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की यह जिम्मेदारी होती है कि वह विदेशी राजनयिकों और मिशनों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। ढाका में भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिशें और वहां प्रशासन की ढुलमुल प्रतिक्रिया यह दर्शाती हैं कि अंतरिम सरकार इस बुनियादी दायित्व को निभाने में विफल रही है। कूटनीति केवल सौहार्द की भाषा नहीं होती, बल्कि यह स्पष्ट संदेश देने का माध्यम भी होती है कि भारत अपने हितों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रश्न पर किसी तरह की उदासीनता स्वीकार नहीं कर सकता। इस अशांति का सबसे दर्दनाक और संवेदनशील पक्ष बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की बिगड़ती स्थिति है। कथित ईशनिंदा के आरोपों में एक हिंदू युवक की पीट-पीटकर हत्या इस बात का प्रमाण है कि कट्टरपंथी तत्वों को अब प्रशासन का कोई भय नहीं रह गया है। जब न्याय भीड़ के हाथों में चला जाए और सरकार अल्पसंख्यक अधिकारों पर केवल औपचारिक बयान जारी करती रहे, तो यह लोकतांत्रिक राज्य की आत्मा पर सीधा प्रहार होता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चुप्पी भी इस संदर्भ में कई सवाल खड़े करती है। मानवाधिकारों और अल्पसंख्यक संरक्षण की दुहाई देने वाले वैश्विक मंच तब मौन क्यों हो जाते हैं, जब यह उल्लंघन रणनीतिक या राजनीतिक समीकरणों के भीतर घटित होते हैं। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुत्र और सलाहकार साजीब वाजेद जॉय का यह कथन कि बांग्लादेश की आग से भारत अछूता नहीं रह सकता, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। भारत और बांग्लादेश के बीच हजारों किलोमीटर की साझा सीमा, सांस्कृतिक-सामाजिक रिश्ते और आर्थिक निर्भरता ऐसी है कि ढाका की अस्थिरता का असर स्वाभाविक रूप से भारत के सीमावर्ती राज्यों पर पड़ेगा। अवैध घुसपैठ, कट्टरपंथी नेटवर्कों की सक्रियता और सीमा पार अपराधों का खतरा इस अस्थिरता के साथ बढ़ता ही जाएगा। आगामी फरवरी में प्रस्तावित आम चुनाव बांग्लादेश के लिए एक अवसर हो सकते थे, जिससे वह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए स्थिरता की ओर लौट सके। लेकिन मौजूदा हालात में चुनाव की पारदर्शिता और शांति पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग चुके हैं।

एआई पर टैक्स लगाने के बारे में सोचना शुरू कर देना चाहिए

केविन ओ नील

शायद ही कोई दिन जाता हो, जब ऐसी खबरें ना आती हों कि एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदलने वाला है। भले ही इस बारे में बहुत सारे दावे बढ़ा-चढ़ाकर किए जाते हों, लेकिन हमें बदलावों के लिए तैयार तो रहना ही होगा। एआई समाज के लिए फायदेमंद हो, यह सुनिश्चित करने का सबसे भरोसेमंद तरीका है- टैक्स! तो वास्तव में एआई टैक्स कैसा होगा? इसका सबसे व्यावहारिक तरीका यह है कि एआई डेवलपमेंट के प्रमुख इनपुट्स यानी एनर्जी, चिप्स या कम्प्यूट-टाइम को टैक्स के लिए लक्षित किया जाए। अमेरिका ने कुछ खास एआई चिप्स की चीन को बिक्री पर 15: शुल्क लगाया है। इससे पता चलता है कि एआई इनपुट टैक्स कैसे कारगर हो सकता है। कुछ लोगों ने सुझाया है कि हमें एआई से हो रहे बदलावों के मद्देनजर पूंजी पर टैक्स लगाने का तरीका भी बदलना चाहिए। एआई-टैक्स का कोई भी ढांचा इस पर निर्भर करेगा कि सरकारें इससे क्या हासिल करना चाहती हैं। कोई यह भी पूछ सकता है कि हमें एआई पर टैक्स लगाना ही क्यों चाहिए? इस सवाल का जवाब हमारी टैक्स प्रणालियों और एआई कैसे अर्थव्यवस्था को बदल रहा है- इस बारे में दो बुनियादी बातें बताता है। पहली, कई देश फिलहाल श्रम बाजार में मानव श्रमिकों पर उनके संभावित एआई प्रतिस्पर्धियों की तुलना में ज्यादा टैक्स लगाते हैं। अमेरिका में लगभग 85: केंद्रीय राजस्व लोगों और उनके काम पर लगाए टैक्स से आता है। जबकि पूंजी और कॉर्पोरेट मुनाफों से काफी कम टैक्स वसूली होती है। एआई जैसी तकनीकों को रियायतों और कॉर्पोरेट टैक्स की किफायती दरों जैसी राहत मिलती है। दूसरी बात, अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि एआई श्रम की तुलना में अधिक वित्तीय लाभ देगा। इसका सबसे चरम रूप वो एआई एजेंट होंगे, जो खुद डिजाइन, रेप्लिकेट और सेल्फ-मैनेजिंग में सक्षम होंगे। यानी पूंजी खुद ही श्रम की भूमिका निभाएगी। वर्तमान कर-नीतियों के तहत ऐसा बदलाव विषमता बढ़ाएगा और जीडीपी के अनुपात में सरकारी राजस्व कम करेगा। एआई टैक्स इंसानों और मशीनों, दोनों के लिए समान अवसरों वाला मैदान तैयार कर सकता है। इस साल की शुरुआत में एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने चेतावनी दी थी कि एआई अगले पांच वर्षों में एंट्री लेवल की आधी व्हाइट कॉलर नौकरियों को समाप्त कर सकता है। इससे पांच वर्षों में बेरोजगारी 10-20: तक पहुंच सकती है। श्रम पर पूंजी से अधिक टैक्स लगाना ऑटोमेशन को बढ़ावा देता है, जिससे मानव श्रमिकों की सहायता तो कतई नहीं होती, बल्कि मशीनें उनकी जगह ले लेती हैं। कम से कम हम अपनी टैक्स प्रणाली को तो ऐसा नहीं करने दें। एक बड़ी बात यह भी है कि यदि बड़ी संख्या में नौकरियां खत्म होती हैं या नई भर्तियां धीमी होती हैं तो अभी आय और पे-रोल करों पर निर्भर सरकारों के सामने गंभीर वित्तीय संकट पैदा हो सकता है। भले ही बाद में एआई संबंधी नए रोजगार पैदा हो जाएं। सही कर-नीतियां एआई से उत्पादकता में आए उछाल के साथ मिलकर वित्तीय समस्याओं का हल कर सकती हैं। अमीर देश बुजुर्ग आबादी के लिए स्वास्थ्य सेवा और पेंशन का पैसा जुटाने की समस्या से जूझ रहे हैं। जबकि गरीब देशों के सामने कर-संबंधी आय कम होने के बावजूद बड़ी युवा आबादी को शिक्षित करने और रोजगार देने की चुनौतियां हैं। ऐसे में एआई से प्राप्त होने वाला टैक्स-राजस्व इन दोनों की समस्याओं का समाधान बन सकता है। इसके अलावा इस राजस्व को वापस एआई-संबंधी कार्यों में भी खर्च किया जा सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि उद्देश्य जनता के लिए उस तकनीक के लाभों को बढ़ाना है, जिस पर कर वसूला गया है। एआई टैक्स से बेरोजगारी बीमा बढ़ाया जा सकता और हटाए गए मजदूरों की री-ट्रेनिंग हो सकती है। या इससे एआई नीति का दायरा व्यापक किया जा सकता है। अभी तो नीति-निर्माता इनोवेशन को रोकना या एआई में पिछड़ना नहीं चाहेंगे। लेकिन जैसे ही जनता में जागरूकता आई, ये अरुचि समाप्त हो जाएगी। यदि एआई में जीत के मायने महज बड़े मॉडल और अमीर कंपनियां नहीं, बल्कि सेहतमंद लोग, प्रसन्न बच्चे और अधिक कुशल कार्यबल भी है, तो एआई टैक्स से यह सम्भव हो सकता है।श्रम पर पूंजी से अधिक टैक्स लगाना ऑटोमेशन को बढ़ावा देता है, जिससे मानव श्रमिकों की सहायता तो कतई नहीं होती, बल्कि मशीनें उनकी जगह ले लेती हैं।

सेहत मंत्र

योगाभ्यास से याद्दाश्त बेहतर होती है और सीखने की क्षमता भी बढ़ती है

योग के फायदे किसी से छिपे नहीं हैं। योग से होने वाले लाभों से लोगों को अवगत कराने के लिए जून के महीने में योगा दिवस भी मनाया जाता है। इतना ही नहीं, पिछले कुछ सालों में लोगों के बीच योग का क्रेज भी काफी बढ़ा है। लेकिन अगर आप सोचते हैं कि इसके फायदे सिर्फ व्यस्क लोगों तक ही सीमित हैं तो आप गलत हैं। सात?आठ साल से अधिक उम्र के बच्चे बेझिझक कई प्रकार के योगासन कर सकते हैं और इसका लाभ उठा सकते हैं। अपनी दिनचर्या में यदि बच्चे योग को शामिल कर लें तो इससे उन्हें कई तरह के लाभ होते हैं। सबसे पहले तो इससे उनके शरीर की कार्यप्रणाली बेहतर तरीके से काम करती है। साथ ही योग करने से एंडोक्राइनल नामक ग्रंथि को पोषण मिलता है। यह ग्रंथि बच्चों के विकास में अहम भूमिका निभाती है। योग जहां एक ओर शारीरिक विकास में सहायक होता है, वहीं दूसरी ओर यह बच्चों की मेंटल हेल्थ को भी बेहतर बनाता है। योग का नियमित अभ्यास करने से बच्चों में एकाग्रता, लर्निंग पावर व मेमोरी बेहतर होती है। इतना ही नहीं, यह उन्हें शांत भी बनाता है, इसलिए जो बच्चे एग्रेसिव स्वभाव के होते हैं, उन्हें नियमित रूप से योगाभ्यास करना चाहिए। योगाभ्यास लड़कियों के लिए भी बेहद लाभकारी माना गया है। इसका अभ्यास करने से उन्हें आगे चलकर मासिक धर्म के दौरान दर्द का अनुभव कम होता है। साथ ही उन्हें मासिक धर्म में अनियमितता या हैवी ब्लीडिंग जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। इसके अतिरिक्त योगाभ्यास लड़कियों के पिट्यूटरी व पाइनल फंक्शन को नियंत्रित करता है, जिसके कारण उनका व्यवहार भी बेहतर होता है। भले ही योगाभ्यास बच्चों के लिए फायदेमंद हो लेकिन शुरूआती दौर में, बच्चों को कुछ ही योगासनों का अभ्यास करना चाहिए। जैसे ताड़ासन, वीरासन, पश्चिमोत्तानासन, त्रिकोणासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, प्रणायाम, सूर्य नमस्कार आदि। यह सभी आसन बच्चों के समग्र विकास में सहायक होते हैं। वहीं जब आप योग करने के अभ्यस्त हो जाएं तो आप अन्य सभी योगासनों का भी अभ्यास कर सकते हैं।

धर्म मंत्र

हनुमान रक्षा स्त्रोत का पाठ करने से जीवन में नहीं आती कोई बाधा

बजरंग बली हनुमान का जन्म भगवान श्रीराम की सहायता के लिए हुआ। हनुमान जी को भगवान शंकर का अवतार भी माना जाता है। कहा जाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की सेवा के निमित्त भगवान शिव जी ने एकादश रुद्र को ही हनुमान के रूप में अवतरित किया था। हनुमान जी चूंकि वानर उपदेवता श्रेणी के तहत आते हैं इसलिए वे मणिकुण्डल, लंगोट व यज्ञोपवीत धारण किए और हाथ में गदा लिए ही उत्पन्न हुए थे। पुराणों में कहा गया है कि उपदेवताओं के लिए स्वेच्छानुसार रूप एवं आकार ग्रहण कर लेना सहज सिद्ध है। पुराणों के अनुसार, इस धरा पर जिन सात मनीषियों को अमरत्व का वरदान प्राप्त है, उनमें बजरंगबली भी हैं। माता अंजनी एवं पवन देवता के पुत्र हनुमान का जीवनकाल पराक्रम और श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा की असंख्य गाथाओं से भरा पड़ा है। हनुमान जी में किसी भी संकट को हर लेने की क्षमता है और अपने भक्तों की यह सदैव रक्षा करते हैं। हनुमान रक्षा स्त्रोत का पाठ यदि नियमित रूप से किया जाए तो कोई बाधा आपके जीवन में नहीं आ सकती। साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ करने से बड़े से बड़ा भय दूर हो जाता है। हनुमान जयंती के दिन हनुमान जी के पूजन का विशेष महत्व है। हनुमान जी भक्तों से विशेष प्रेम करते हैं और उनकी हर पुकार को सुनते हैं। श्रीराम की नित उपासना करने वालों पर हनुमान जी खूब प्रसन्न रहते हैं। हनुमान जयंती के दिन हनुमानजी की पूजा विधि विधान से करनी चाहिए।

पर्यटन

टूरिस्ट के दिलों पर राज करता है यह खूबसूरत शहर साऊथ अफ्रीका

दुनियाभर में अपने एडवेंचर्स और प्राकृतिक सुंदरता के लिए फ़ेमस दक्षिण अफ्रीका टूरिस्टों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इसकी सुंदरता के कारण लोग इस शहर की और खिचे चले आते हैं। दक्षिण अफ्रीका आने वाले टूरिस्ट अपना सफर केपटाऊन शहर से शुरू करें तो उन्हें स्वच्छता और सुंदरता का अनोखा संगम देखने को मिलेगा। दक्षिण अफ्रीका को इंद्रधनुषी छटाओं वाला देश भी कहा जाता है। क्योंकि यहां आप इंद्रधनुष को करीब से देख सकते हैं। उत्तरी और पश्चिमी केपटाऊन की वादियों को फूलों से ढके देखना चाहते हैं तो यहां घूमने के वसंत ऋतु बिल्कुल परफ़ेक्ट सीजन है। दक्षिण अफ्रीका के जंगलों में आप अफ्रीकी हाथी, सबसे छोटा छुछुंदर, जिराफ, चीता, शुतुरमुर्ग, कोरी बस्टर्ड, चितकबरे गैंडे, हिप्पो और मगरमच्छ देख सकते हैं। अफ्रीका के इस शहर में अन्य जनजातियों के अलावा एशइयाई लोग भी बसे हुए है। इसमें 27 लाख लोग तो भारतीय है, जो बढ़िया बिजनेस चलाने के साथ अफ्रीका की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रहे हैं। भारतीय लोग होने के कारण आप यहां इंडियन फूड का मजा भी ले सकते हैं। दुनिया के सबसे निराले और खूबसूरत शहर केपटाऊन की अपनी अलग पहचान है। टूरिस्ट यहां ऊंचे पर्वतों, मनोरम समुद्री किनारों के साथ इस अनूठे शहर की मनमोहक तस्वीर का मजा ले सकते हैं। यहां के ऊंचे चपटे टेबल माऊंटेन, अंगूर के बगीचे और समुद्री तट आपके ट्रिप को और भी यादगार बना देंगे। यहां के ऊंचे पहाड़ों पर केबल कार से आप पूरे शहर की सुंदरता और वन्य जीवन को देख सकते हैं। केपटाऊन को दक्षिण अफ्रीका का सबसे शांत शहर माना जाता है। यहां पर सबसे फ़ेमस टेबल माऊंटेन है, जिसे आप पूरे केपटाऊन शहर के किसी भी कोने से साफ देख सकते हैं। शहर के बीच में स्थित विक्टोरिया एल्फ्रेड वाटरफ्रंट मस्ती और धूम-धड़ाका करने के लिए फ़ेमस है। यहां पर बढ़िया रेस्टोरेंस, बार, म्यूजिक शॉप और बड़े एक्वेरियम भी है, जिसे आप देख सकते हैं।

नवाबपुर कोडरी स्वास्थ्य उपकेंद्र का भवन जर्जर

बारिश में टपकती छत, टीकाकरण तक हो रहा प्रभावित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी । सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत एक बार फिर सवालों के घेरे में है। विकास खंड सिद्धौर अंतर्गत स्वास्थ्य उपकेंद्र नवाबपुर कोडरी का भवन अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है, जिससे यहां आने वाले मरीजों के साथ-साथ स्वास्थ्यकर्मियों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्वास्थ्य उपकेंद्र की स्थिति इतनी बदहाल है कि कई कमरों के पल्ले व दरवाजे गायब हो चुके हैं, दीवारों का प्लास्टर जगह-जगह से उखड़ रहा है, वहीं हल्की बारिश में ही छत से पानी टपकने लगता है। ऐसे हालात में न तो स्वास्थ्य सेवाएं सुचारु रूप से संचालित हो पा रही हैं और न ही सुरक्षित माहौल में उपचार व टीकाकरण संभव हो पा रहा है।

यह उपकेंद्र विशेष रूप से गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के टीकाकरण और नियमित जांच का प्रमुख केंद्र है, लेकिन जर्जर भवन के चलते महिलाओं को खुले और असुविधाजनक वातावरण में बैठना पड़ता है। इससे संक्रमण और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिद्धौर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय पांडे ने बताया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र में कुल कमरों में से केवल दो कमरे ही उपयोग योग्य स्थिति में हैं, और उन्हीं दो कमरों में बैठकर किसी तरह टीकाकरण एवं अन्य सेवाएं दी जा रही हैं।

गंभीर स्थिति यह है कि भवन की जर्जर हालत की जानकारी होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अब तक मौन हैं। न मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम उठाया गया है और न ही नए भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो सकी है।

स्थानीय लोगों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने मांग की है कि स्वास्थ्य उपकेंद्र के भवन की तत्काल मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण कराया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

स्वामी सत्यानंद की सौहार्द यात्रा स्वागत में उमड़ा जन सैलाब, पुष्प वर्षा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। मुंडा गोपल आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी सत्यानंद परमहंस पदयात्रा के मध्य आज कस्बा टिकैतगंज पहुंचे तो उनके दर्शन स्वागत में भीड़ उमड़ पड़ी। संत श्री का आशीर्वाद प्राप्त की कामना से उन्हें माला पहना और पुष्प वर्ष कर जन समुदाय द्वारा अभिनंदन किया गया। स्वामी सत्यानंद परमहंस की इस पदयात्रा का मूल उद्देश्य जनमानस में धर्म और संस्कार की जड़ें मजबूत करना है । संत के साथ राजेश यादव, दिलीप यादव, आदेश यादव, अवधनारायण सिंह और सतीश यादव सहित अन्य सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। इस यात्राा से ग्रामीणों को आत्मिक शांति और समाज में आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने की प्रेरणा भी मिली। संत के आगमन से पूरे कस्बे में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। स्वामी सत्यानंद परमहंस ने सभी को जीवन में संतुलन और शांति बनाए रखने की सलाह दी और धार्मिक मूल्यों के साथ सामाजिक उत्थान पर जोर दिया।

गायत्री शक्तिपीठ पहुंची हरिद्वार की टोली का भव्य स्वागत

निंदूरा बाराबंकी। कस्बा टिकैतगंज स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर हरिद्वार से चलकर रविवार को पहुँची टोली का भव्य स्वागत किया गया। यह यात्रा परम पूज्य गुरुदेव एवं वंदनीय माता के विचारों को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से निकाली गई है। कलश यात्रा का स्वागत कुर्सी कस्बे में देवा रोड पर किया गया, जिसके उपरांत यात्रा शक्तिपीठ पहुँची, जहाँ विधिवत आरती उतारी गई। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा वर्ष 2026 में अखंड दीप के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह रथ भ्रमण अभियान चलाया जा रहा है। गौरतलब है कि वर्ष 1926 में परम पूज्य गुरुदेव द्वारा प्रज्वलित अखंड दीप आज भी शांतिकुंज हरिद्वार में सतत जल रहा है, जिसकी जन्म शताब्दी नवंबर 2026 में हर की पैड़ी, हरिद्वार में मनाई जाएगी। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के चार जोनों में से अयोध्या जोन के अंतर्गत 23 जिलों में रथ भ्रमण किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य घर-घर में गायत्री माता की स्थापना, गायत्री मंत्र का जाप, यज्ञ एवं भारतीय संस्कृति के मूल्यों का प्रचार-प्रसार करना है, जिससे समाज में आध्यात्मिक जागरण हो और आपदाओं व विपत्तियों से संरक्षण का भाव विकसित हो। इस मौके पर मधु सिंह , सूर्य कुशवाहा गुरुजी , देशबंधु तिवारी , श्रीकृष्ण जायसवाल, रामनाथ मौर्य, कामता प्रसाद मौर्य, रमेश मौर्य, कन्हैयालाल साहू, रामचंद्र, सत्रोहन लाल, शिवप्रसाद गुप्ता, रामलखन साहू सहित अनेक श्रद्धालु व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धूमधाम के निकली श्री राम बारात शोभायात्रा

जगह-जगह पर हुआ श्री राम जी बारात का स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

जैदपुर बाराबंकी । नगर पंचायत के मोहल्ला संगत स्थित श्री राम जानकी बालाजी महाराज संगत मंदिर से रविवार को खूब धूम धड़ाके के साथ श्री राम बारात शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा निर्धारित मार्गो संगत मंदिर पीर पंजू छोटी बाजार बड़ी बाजार बंद चौराहा होते हुए वापस संगत मंदिर पहुंची। इस दौरान शोभा यात्रा पर जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ श्रीराम बारात शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। भक्तगणों को लड्डू पूड़ी प्रसाद आदि का वितरण किया गया । शोभा यात्रा में ऊंट घोड़े डीजे ब्रास बैंड एवं भांगड़ा से सुशोभित बरात शोभा यात्रा का काफिला काफी शोभायमान लग रहा

था । अनन्य भक्तों द्वारा अपनी अपनी मकान की छतों से पुष्प वर्षा कर शोभा यात्रा का स्वागत सत्कार किया गया । शांति और सुरक्षा के दृष्टिगत जैदपुर पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। तो वही नगर पंचायत प्रशासन द्वारा संपूर्ण शोभायात्रा मार्ग पर साफ सफाई एवं चूने का छिड़काव के साथ पानी की व्यवस्था की गई । इस अवसर पर राम किशोर गुप्ता मदन गुप्ता शैलेंद्र जायसवाल श्रवण कुमार राकेश रावत कृष्ण गोपाल सोनी प्रदीप सोनी श्यामू सोनी , विवेक मौर्य , गायत्री जैसवाल, रामलीला पार्टी सुमित तिवारी , मदन गुप्ता एवं संजय सोनी सहित भारी संख्या में लोग शोभा यात्रा में भक्तगण मौजूद रहे।

जो मानवता के काम आए वहीं शिक्षा : बैजनाथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल का रविवार को 5 वां वार्षिकोत्सव नन्हे मुन्ने बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मध्य प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित कर किया। वार्षिकोत्सव में बच्चो को आशीर्वाद वचन देते हुए अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने कहा कि कोई भी भाषा अपने साथ संस्कार लेकर जाती है। अंग्रेजी हमारी समक्ष और उपयोग में हो सकती है, पर समानांतर अंग्रेजी राष्ट्रभाषा का विकल्प नहीं हो सकती। हमारा देश हिंदी में सोचता है, गाता है, सोता है, जागता है। आज योग और ऋग्वेद अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार हुए हैं।

शिक्षा वही जो मानवता के काम आए। श्री रावत का स्वागत करते हुए विद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. सुभाष सिंह ने स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक ने कहा कि शिक्षित व्यक्ति ही सभ्य समाज की स्थापना कर सकता है। प्रतिभा हर व्यक्ति के भीतर होती है परन्तु गुरु ही उस प्रतिभा को सही रुपरेखा दे सकता है। इस मौके पर जयपुरिया ग्रुप आफ स्कूल्स की महाप्रबंधक सुश्री ज्योति मेंदीरत्ता ,विद्यालय के चेयरमैन पीपी सिंह, प्रधानाचार्या मितुशी नेगी , असिस्टेंट डायरेक्टर केके सिंह सहित स्कूल के बच्चे व अभिभावक मौजूद रहे।

दिव्यांग के साथ मारपीट करने वालों पर मुकदमा दर्ज

सिद्धौर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ी मजरे खरिका फूल निवासी दिव्यांग राम उजागर ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह अपनी पत्नी चंद्रावती के साथ असंद्रा बाजार जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में राहुल पुत्र अम्बिका प्रसाद ने उनकी पत्नी को धक्का दे दिया। जब इस पर राम उजागर ने आपत्ति जताई, तो आरोपी ने राम उजागर और उनकी पत्नी के साथ मारपीट कर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस संबंध में थाना प्रभारी आलोक मणि त्रिपाठी ने बताया कि प्राप्त शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

हादसे मे महिला की दर्दनाक मौत

देवा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। देवा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिसवारा में शनिवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसे में 50 वर्षीय महिला की जान चली गई। नीम के पेड़ की डाल काटते समय वह बिजली के तारों पर गिर गई, जिससे विद्युत पोल धराशायी हो गए और यह दुर्घटना घटित हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिसवारा निवासी कन्हैया विश्वकर्मा की पत्नी राधिका (45) अपने घर के बाहर अलाव ताप रही थी। उसी समय मृतका का भतीजा गुड्डू नीम के पेड़ की डाल काट रहा था। डाल अचानक बिजली के तार पर गिर गई, जिससे तारों में खिंचाव आया और एक के बाद एक दो बिजली के पोल गिर पड़े। इनमें से एक पोल सीधे राधिका के ऊपर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस के माध्यम से महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया प्रधान प्रतिनिधि गोविंद मिश्रा ने बताया कि मृतका अपने पीछे दो पुत्र (20 व 18 वर्ष) और एक 16 वर्षीय पुत्री को छोड़ गई है। परिवार का भरण-पोषण मजदूरी करने वाले पति कन्हैया के सहारे चलता था देवा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अध्यक्ष का आगमन, पुराने भाजपाइयों में जोश

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राम सिंह वर्मा का मरकामऊ चौराहे पर जोरदार स्वागत किया गया। भाजपा का जिलाध्यक्ष घोषित होने के बाद राम सिंह वर्मा भुल्लन पहली बार तहसील सिरौली गौसपुर क्षेत्र पहुंचे जहां पर मरकामऊ चौराहे पर बृजेश वर्मा एवं चंचल शर्मा के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया इस मौके पर बड़ी संख्या पर पुराने कार्यकर्ता वर्षों बाद प्रसन्न दिखे। जिला अध्यक्ष ने उन्हें नाम से बुलाया और माला पहनाकर उनका उत्साह वर्धन किया। जिला अध्यक्ष ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी लोगों का मान सम्मान के लिए हक की लड़ाई में लड़ता रहूंगा। इस दौरान पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप वर्मा अमरेंद्र प्रताप सिंह प्रेम शंकर तिवारी केदारनाथ शुक्ला राजेश द्विवेदी सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू परिषद की बैठक संपन्न, लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। विश्व हिन्दू परिषद के आगामी कार्यक्रमों को दृष्टिगत रखते हुए कार्य विभाग की एक आवश्यक बैठक रविवार को संपन्न हुई। आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा के साथ ही दिसंबर माह में केंद्रीय व प्रांतीय अधिकारीयों के प्रवास की रूपरेखा भी तय हुई। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय उपाध्यक्ष व श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय 25 दिसंबर को साय 3 बजे नगर पालिका परिषद नवाबगंज के प्रांगण में विश्व हिंदू परिषद के धर्म रक्षा निधि समर्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिसके तैयारियों को लेकर जिला अध्यक्ष रामनाथ मौर्य ने समीक्षा की। विहिप 23 दिसंबर धर्म रक्षा दिवस स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस व 25 दिसंबर को तुलसी पूजन दिवस जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम सभी प्रखंडों में होंगे। विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत की प्रांत योजना बैठक इस बार हरदोई जिले में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामनाथ मौर्य व संचालन जिला मंत्री राहुल कुमार ने किया। इस अवसर पर दुर्गा वाहिनी विभाग संयोजिका नेहा मिश्रा,जिला संस्कार प्रमुख रामकिशोर शुक्ला,मातृशक्ति संयोजिका कमलेश शुक्ला, दुर्गा वाहिनी जिला संयोजिका लीना श्रीवास्तव,विधि प्रकोष्ठ जिला संयोजक अमित कुमार गुप्ता,जिला सहसंयोजक आदर्श श्रीवास्तव,नगर मंत्री अभिनव रस्तोगी,नगर सह मंत्री सौरभ गुप्ता,जिला शक्ति साधना केंद्र प्रमुख प्रतिमा त्रिपाठी आदि बैठक में उपस्थित रहे।

फोटोग्राफर एसोसिएशन का संगठन विस्तार, बैठक

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की गई। रविवार को सुन्दर लाल इण्टर कॉलेज औरेला में आयोजित इस कार्यक्रम में सदस्यता अभियान 2026 के तहत संगठन का विस्तार करने को लेकर रणनीति बनी । बैठक में एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज वर्मा ने छायाकारों को संबोधित करते हुई एकता सक्रियता का आवाहन किया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र वर्मा, विद्यालय के प्रबंधक राकेश दीक्षित, जिला प्रभारी मो. इस्माइल, जिला महामंत्री शशिकांत गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष संदीप वर्मा, जिला संगठन मंत्री अर्जुन, जिला सदस्यता प्रभारी रामपाल वर्मा, ललित वर्मा, कार्यक्रम संयोजक तहसील प्रभारी आकाश यादव, ब्लॉक प्रभारी पृथ्वीराज चौहान सहित क्षेत्र के दर्जनों छायाकार उपस्थित रहे।

फोटोग्राफर एसोसिएशन का संगठन विस्तार, बैठक

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सदस्यता अभियान को लेकर चर्चा की गई। रविवार को सुन्दर लाल इण्टर कॉलेज औरेला में आयोजित इस कार्यक्रम में सदस्यता अभियान 2026 के तहत संगठन का विस्तार करने को लेकर रणनीति बनी । बैठक में एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज वर्मा ने छायाकारों को संबोधित करते हुई एकता सक्रियता का आवाहन किया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र वर्मा, विद्यालय के प्रबंधक राकेश दीक्षित, जिला प्रभारी मो. इस्माइल, जिला महामंत्री शशिकांत गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष संदीप वर्मा, जिला संगठन मंत्री अर्जुन, जिला सदस्यता प्रभारी रामपाल वर्मा, ललित वर्मा, कार्यक्रम संयोजक तहसील प्रभारी आकाश यादव, ब्लॉक प्रभारी पृथ्वीराज चौहान सहित क्षेत्र के दर्जनों छायाकार उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति इकाई बाराबंकी ने संगठन विस्तार के क्रम में की बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति इकाई बाराबंकी द्वारा संगठन विस्तार को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन विकास खंड बनीकोडर की सलेमपुर गांव में किया गया। जिसकी अगुवाई युवा मंडल अध्यक्ष शिवकुमार ने की,बैठक में संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने, नए सदस्यों को जोड़ने और किसानों व श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने पर चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के पदाधिकारी मोहम्मद आजाद ने कहा कि किसानों और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए एकजुटता बेहद जरूरी है। उन्होंने गांव-गांव जाकर सदस्यता अभियान चलाने, जनसमस्याओं को चिन्हित करने और उन्हें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने की रणनीति पर विचार किया।इस दौरान संगठन के विस्तार के लिए नई जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं और कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने

मंडल अध्यक्ष (युवा) शिवकुमार की अगुवाई में चला सदस्यता अभियान

की अपील की गई। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आने वाले दिनों में किसान-श्रमिकों की समस्याओं को लेकर जनजागरूकता कार्यक्रम और धरना-प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर सर्व सम्मति से अखिलेश कुमार को युवा ब्लाक अध्यक्ष बनीकोडर व शिलपता को ग्राम अध्यक्ष मनोनीत किया गया। बैठक में शिवकुमार युवा मंडल अध्यक्ष अयोध्या व युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहम्मद आजाद तहसील अध्यक्ष भागीरथ रावत हैदरगढ़ से शिवमंगल सत्येंद्र कुमार रघुनंदन वीरेंद्र कुमार,विक्रम राजकरन, राजेश्वरी, रेशमा, मनीषा, सुनवाया, बालक राम सहित बड़ी संख्या में नवीन कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

अधिवेशन में अभाविप की बाराबंकी इकाई का गठन,खुशी का माहौल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का बहराइच में आयोजित 65 वाँ तीन दिवसीय प्रांत अधिवेशन में बाराबंकी इकाई का गठन संपन्न हुआ। अधिवेशन में राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान, प्रांत प्रचारक कौशल जी, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित गणमान्य उपस्थित रहे। अंतिम दिन नवीन प्रान्त कार्यकारिणी की घोषणा हुई। जिसमें बाराबंकी जिले से प्रांत सेवार्थ विद्यार्थी प्रमुख डॉ. आजाद सिंह, प्रांत फॉर्माविजन संयोजक अभय शुक्ला, सह संयोजक आदर्श पाण्डेय, प्रांत कार्यसमिति सदस्य विभु पाठक, प्रांत सोशल मीडिया सह संयोजक आयुष वर्मा,प्रांत कार्यकारिणी सदस्य

अभय राम त्रिपाठी, कु. ईशा गुप्ता, आदित्य श्रीवास्तव, तथा रामसनेहीघाट से आलोक कन्नोजिया, हिमांशु तिवारी, हर्षवर्धन सिंह को

प्रांत कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।नवीन कार्यकारिणी की घोषणा होने पर बाराबंकी जिले के कार्यकर्ताओं मे खुशी की लहर है।

बस्ती देवगढ़ में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

सुलतानपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। आयोजन का प्रारंभ महेश कुमार सिंह, भूपेश सिंह, अखिलेश मिश्रा, वरुण मिश्रा आदि ने भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरुण मिश्रा ने कहा कि सनातन धर्म एक शाश्वत और प्राचीन धर्म है। यह धर्म ज्ञान और कर्म योग पर बल देता है। विशिष्ट अतिथि दीप कुमार ने बताया कि सभी को सामाजिक समरसता के साथ रहना राष्ट्र को मजबूती प्रदान करता है। विशिष्ट अतिथि दीप माला ने कुटुंब प्रबोधन पर अपने विचार रख कर लोगों को जागरूक किया।

बालाजी किंगडम ऑफ स्पोर्ट्स, खेल सहभागी बनी माताएं

बाराबंकी। बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के तत्वाधान में चल रहे बालाजी किंगडम ऑफ स्पोर्ट्स, बाराबंकी में मदर्स डे का आयोजन किया गया जिसमें बालाजी का बचपन, बालाजी एकेडमी, बालाजी किड्स, टाइम्स पब्लिक स्कूल की माताओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं (पेंटिंग, सिंगिंग, डांस, रंगोली, म्यूजिकल चेयर, बैलेंसिंग बॉल रेस) में प्रतिभाग किया । कार्यक्रम की शुभारम्भ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सविता कौर, अना खान, निखत परवीन, नाजिया फातिमा एवं भारती माथुर ने सभी माताओं का स्वागत टिका लगा कर किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने श्रीमती भारती माथुर जी को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया । दिन की शुरुआत सभी माताओं ने अपना परिचय देकर की, तत्पश्चात मदर्स ने विभिन्न प्रकार के गेम में भी प्रतिभाग किया जिसमें सिंगिंग में प्रथम स्थान सोनी पाठक, द्वितीय स्थान एकता मिश्रा व तृतीय स्थान पर कनकलता श्रीवास्तव व कृतिका सक्सेना रही। पेंटिंग में प्रथम स्थान मिक्की जयसवाल, द्वितीय स्थान अपूर्वा वर्मा तृतीय स्थान आरक्षी जैन व प्रिया श्रीवास्तव रही, बैलेंसिंग रेस में प्रथम स्थान शाजिया अंजुम, द्वितीय स्थान प्रियंका जयसवाल, तृतीय स्थान तबस्सुम रही, रंगोली में प्रथम स्थान प्रीति सोनी, द्वितीय स्थान पम्मी वर्मा तृतीय स्थान नीलम रस्तोगी रही, डांस में प्रथम स्थान अनिका वर्मा, द्वितीय स्थान सोनाक्षी शुक्ला, तृतीय स्थान रीना वर्मा व अलका वर्मा रही साथ ही भरपूर आनंद लिया। इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अना खान व अल्पना कौर ने किया।

रक्तदान कर महादानी बने बालाजी स्कूल के कार्मिक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। रविवार को बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल द्वारा पारंपरिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में कुल 9 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया और मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया इसमें बालाजी का बचपन स्कूल के अध्यापिका खुशी कौर, रवनीत कौर, सना हुसैन, आलशिफा, शालू एवं समाजसेवी अनूप कुमार जैसवारा , डॉ. मनीष (फिजियो यू.पी.सी0 ए0) ने रक्तदान कर महादानी बनने का सौभाग्य प्राप्त किया इस अवसर पर संस्था के प्रबंधक श्री अंकुर माथुर जी ने बताया कि रक्तदान महादान है और संस्था ने इस वर्ष जिले में सबसे ज़्यादा रक्तदान किया संस्था ने इस वर्ष कुल 260 यूनिट रक्तदान किया। जिससे बाराबंकी एवं आस पास के कई जिलों में मरीज़ों को रक्त उपलब्ध कराया एवं कई जिंदगी को बचाया गया साथ ही थैलेसीमिया के मरीजों को नियमित रूप से रक्त चढ़ाने की आवश्यकता होती है और हमारा उद्देश्य इन मरीजों के लिए रक्त की कमी को दूर करना है हम सभी रक्तदाताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हैं कि जो इस नेक कार्य में हमारी मदद करते हैं । हमारा उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करना है हम सभी से अनुरोध करते हैं कि रक्तदान में भाग लेकर इस मुहिम में हमारा साथ दें और थैलेसीमिया के मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद करें ।

बालाजी ग्रुप का स्कूल के अध्यक्ष श्री रविंद्र माथुर जी ने रक्त कोष प्रभारी डॉक्टर बी.पी.सिंह, डॉक्टर गौरव सिंह एवं जिला परामर्श अधिकारी श्री पंकज कुमार श्री विकेकनन्द त्रिपाठी व सभी स्टाफ को धन्यवाद किया इस मौके पर बालाजी ग्रुप आफ स्कूल के सदस्य अहमर शाहबाज मोहम्मद सलीम पीयूष मौर्य फजल तकवी आशीष चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

भारतीय फुटबॉल के लिए निराशा से भरा रहा वर्ष 2025

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय फुटबॉल के लिए वर्ष 2025 निराशा से भरा रहा जिसमें उसे गंभीर प्रशासनिक संकट, अदालती सुनवाई, वित्तीय समस्याओं, घरेलू लीग के अभाव और सीनियर पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन से जूझना पड़ा। जैसे-जैसे साल खत्म होने लगा लियोनेल मेस्सी के बहुचर्चित 'जीओएटी इंडिया टूर' ने कुछ दिलचस्पी पैदा की और इस खेल को लेकर कुछ चर्चा शुरू करने पर मजबूर किया। लेकिन इससे भारतीय फुटबॉल को कुछ फायदा हुआ होगा ऐसा नहीं लगता है। भारतीय फुटबॉल की अपनी समस्याएं ही कम नहीं थी और ऐसे में मेस्सी के दौरे के पहले दिन साल्ट लेक स्टेडियम में फैली अराजकता और अव्यवस्था ने शर्मिंदगी को और बढ़ा दिया। भारतीय फुटबॉल के गढ़ कहे जाने वाले कोलकाता में कानून-व्यवस्था का बिगड़ना भले ही अच्छी खबर न हो, लेकिन हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली में मेस्सी के कार्यक्रम अच्छी तरह से आयोजित किए गए। इस साल भारत की सीनियर पुरुष टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। उसे

ढाका में नवंबर में खेले गए 2027 एएफसी एशियाई कप क्वालीफाइंग मैच में बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा। यह बांग्लादेश के खिलाफ पिछले 22 वर्षों में उसकी पहली पराजय थी। भारतीय टीम वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई थी, लेकिन इस साल वह कुछ जीत हासिल करने में कामयाब रही, जिसमें सितंबर में मध्य एशियाई देशों ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में आयोजित सीएएफए नेशंस कप में कांस्य पदक जीतना भी शामिल है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मैचों में भारत अपेक्षित प्रदर्शन करने में विफल रहा और 2011 के बाद पहली बार एशियाई कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका, जिससे टीम फीफा रैंकिंग में और नीचे खिसक गई। बांग्लादेश के अलावा भारतीय पुरुष टीम को हांगकांग और सिंगापुर जैसी कम रैंकिंग वाली टीमों से भी हार का सामना करना पड़ा। सिंगापुर से 1-2 से मिली हार ने एशियाई कप में प्रवेश करने की उसकी उम्मीदों पर पानी फ़ेर दिया। जहां एक ओर पुरुष टीम मैदान पर संघर्ष कर रही थी वहीं दूसरी ओर प्रशासक मैदान के बाहर की समस्याओं से जूझ रहे थे। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) का रिलायंस के स्वामित्व वाली फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) के साथ पिछला अनुबंध आठ दिसंबर को समाप्त हो गया। इसके बाद वह इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के लिए एक नया वाणिज्यिक भागीदार नहीं जुटा पाया जिससे इस खेल पर संकट पैदा हो गया। यही वजह है कि देश की सर्वोच्च फुटबॉल लीग आईएसएल अभी तक शुरू नहीं हो पाई है जबकि सामान्य परिस्थितियों में उसे शुरू हुए अब तक तीन महीने हो गए होते। प्रायोजक पीछे हट रहे हैं, क्लबों ने अपने संचालन को रोक दिया है और खिलाड़ी एक अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं, जबकि उन्होंने इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रत्येक हितधारक से गुहार लगाई थी। वर्तमान समय में जो स्थिति बनी हुई है उसे देखते हुए घरेलू लीग के भविष्य पर गंभीर संदेह मंडरा रहा है। इस वर्ष उच्चतम न्यायालय में लगातार सुनवाई हुई और संकट के समाधान के लिए केंद्रीय खेल मंत्रालय ने हस्तक्षेप किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हुए भारतीय फुटबॉल के सभी हितधारकों से देश में खेल के विकास के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम, इंग्लैंड का बुरा हाल

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 82 रनों से हराकर 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में अपना दबदबा कायम रखा है। टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में पहले स्थान पर बरकार है, जबकि इंग्लैंड टीम की स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। इंग्लिस टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की तालिका पर नजर डालें, तो ऑस्ट्रेलिया की टीम ने अब तक खेले छह मुकाबलों में सभी में जीत हासिल की है। टीम के खाते में 72 अंक हैं और अंक प्रतिशत 100 का है। इससे वह 2027 में लॉर्ड्स (इंग्लैंड) में लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने के लिए अच्छी स्थिति में है। दूसरी ओर, इस हार से इंग्लैंड के लिए पहली बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने

की राह और भी कठिन हो गई है। बेन स्टोक्स की टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। उनके खाते में 26 अंक हैं और 27.08 का अंक प्रतिशत है। इस चक्र में खेले गए आठ मैचों में से टीम ने केवल दो मैच जीते हैं। इंग्लैंड के पास अभी भी ऑस्ट्रेलिया में एशेज टेस्ट के दो और मैच हैं जिनमें वे अंक तालिका में अपनी स्थिति सुधार सकते हैं। अन्य टीमों की स्थितिडब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है। अफ्रीकी टीम ने हाल ही में भारतीय टीम को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया था। टीम ने अब तक खेले चार मैचों में तीन में जीत दर्ज की है। उनका अंक प्रतिशत 75 है। शीर्ष पांच में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के अलावा न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर, श्रीलंका चौथे पर और पाकिस्तान की टीम पांचवें स्थान पर है। भारतीय टीम डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में छठे स्थान पर है। शुभमन गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम को अब तक खेले नौ मैचों में सिर्फ चार में जीत मिली है। टीम के खाते में 52 अंक हैं और अंक प्रतिशत 48.15 है। इंग्लैंड की टीम सातवें पायदान पर, बांग्लादेश आठवें और नौवें स्थान पर वेस्टइंडीज की टीम है। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड तीसरे मैच का हालऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीसरे एशेज टेस्ट में 82 रनों से हरा दिया। एडिलेड में खेले गए इस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के शतक (106) और उस्मान ख्वाजा के अर्धशतक (82) की मदद से 371 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड टीम ने कप्तान बेन स्टोक्स के 83 रन की बदौलत अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए। इससे ऑस्ट्रेलिया को 85 रन की बढ़त मिली।

टॉम लेथम और डेवन कॉन्वे के शतक, न्यूजीलैंड ने दिया वेस्टइंडीज को 462 रनों का मुश्किल लक्ष्य

एजेंसी

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड)। कप्तान टॉम लेथम (101) और डेवन कॉन्वे (100) की शतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने रविवार को तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन वेस्टइंडीज को पहली पारी में 420 के स्कोर पर समेटने के बाद 155 की बड़ी बढ़त के साथ अपनी दूसरी पारी दो विकेट पर 306 के स्कोर पर घोषित कर दी। वेस्टइंडीज ने 462 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए स्टंप्स के समय बिना कोई विकेट खोए 43 रन बना लिये है और उसे अभी भी जीत के 419 रनों की आवश्यकता है। आज यहां वेस्टइंडीज ने कल के छह विकेट पर 381 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में वेस्टइंडीज का सातवां विकेट एंडरसन फिलीप (17) के रूप में गिरा। उन्हें जेकब डफी ने आउट किया। इसके बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज के निचले बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। हालांकि इस दौरान केवम हॉज एक छोर थामे खड़े रहे। डफी ने शाई होप (चार) को भी अपना शिकार बना लिया। जेडेन सील्स (15) रन बनाकर आउट हुये। 129वें ओवर की दूसरी गेंद पर माइकल रे ने केमार रोच (शून्य) को आउटकर वेस्टइंडीज की पहली पारी का 420 के स्कोर पर अंत कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए जेकब डफी ने चार और एजाज पटेल ने तीन विकेट लिये। माइकल रे को दो विकेट मिले। डैरिल मिचेल ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाजों टॉम लेथम और डेवन कॉन्वे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले विकेट के लिए 192 रनों की साझेदारी कर डाली। 40वें ओवर में न्यूजीलैंड का पहला विकेट डेवन कॉन्वे के रूप में गिरा। उन्होंने 139 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 100 रन बनाये। उन्हें केवम हॉज ने आउट किया। 48वें ओवर में हॉज ने कप्तान टॉम लेथम को भी शतक पूरा करने के साथ अपना शिकार बना लिया। टॉम लेथम ने 130 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के लगाते हुए 101 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने 54 ओवर खेलने के बाद दो विकेट पर 306 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। उस समय केन विलियमसन (नाबाद 40) और रचिन रविंद्र (नाबाद 46) क्रीज पर मौजूद थे। इसी के साथ पहली पारी में बढ़त की बदौलत न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 462 रनों का मुश्किल लक्ष्य दिया।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रन से हराया

सीरीज में 3-0 से बनाई अजेय बढ़त

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीसरे एशेज टेस्ट में 82 रनों से हरा दिया है। एडिलेड में खेले गए इस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी के शतक (106) और उस्मान ख्वाजा के अर्धशतक (82) की मदद से 371 रन बनाए। इसके जवाब में इंग्लैंड टीम ने कप्तान बेन स्टोक्स के 83 रन की बदौलत अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए। इससे ऑस्ट्रेलिया को 85 रन की बढ़त मिली। इसके बाद दूसरी पारी में मेजबान टीम ऑस्ट्रेलिया ने सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड की 170 रनों की शानदार पारी के दम पर 349 रन बनाए और कुल 434 रनों की बढ़त हासिल की। इससे इंग्लैंड को जीत के लिए 435 रनों

का लक्ष्य मिला। जवाब में रविवार को मैच के अंतिम दिन दूसरी पारी में इंग्लैंड की टीम 352 रनों पर ऑलआउट हो गई और लगातार तीसरा मुकाबला हार गई। इस मैच में जीत के साथ मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की एशेज सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले टेस्ट मैच को 8 विकेट से जीता था। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच में भी 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। सीरीज का अगला मुकाबला 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। इंग्लैंड की दूसरी पारी 352 रन पर ढेरचौथे दिन के स्कोर 6 विकेट पर 207 रन के आगे खेलते हुए इंग्लैंड ने रविवार को पांचवें दिन कुछ देर तक संघर्ष जरूर दिखाया। टीम ने अच्छी शुरुआत की। जैमी स्मिथ और विल जैक्स ने 50 रनों से अधिक की साझेदारी कर टीम के लिए थोड़ी उम्मीद जगाई, लेकिन 285 के स्कोर पर जेमी पवेलियन लौट गए। उन्होंने 83 गेंदों में 60 रन बनाए। उन्हें मिचेल स्ट्राक ने कमिंस के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद विल जैक्स भी 47 रन बनाकर आउट हो गए। जोफ्रा आर्चर 3 रन और जोश टंग एक रन बनाकर सस्ते में आउट हुए। ब्रैंडन कार्स 39 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इससे पहले जैक क्राउली ने 85 रन, जो रूट ने 39 रन और हैरी ब्रुक ने 30 रन बनाए। इंग्लैंड की दूसरी पारी 352 रनों पर खत्म हुई और एशेज सीरीज भी उनके हाथ से फिसल गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और स्पिनर नाथन लियोन ने 3-3 विकेट लिए, जबकि एक विकेट स्कॉट बोलेंड को मिला। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 371 रनमुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 371 रन बनाए। टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने शानदार शतक जड़ते हुए 143 गेंदों में 8 चौके और एक छक्के की मदद से 106 रन की पारी खेली।

ऊर्ज़ा खपत में 2047 तक कोयले की हिस्सेदारी घटकर 30-35 प्रतिशत रहने का अनुमान: विशेषज्ञ

एजेंसी

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों ने देश की ऊर्ज़ा खपत में कोयले की हिस्सेदारी 2047 तक घटकर 30-35 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। उनका कहना है कि भविष्य में वृद्धि के लिए जीवाश्म ईंधन का जिम्मेदारी से और संतुलित उपयोग बेहद जरूरी है। इस समय भारत के बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने एक अरब टन से अधिक कोयला उत्पादन किया, जबकि कुल बिजली उत्पादन में कोयला आधारित बिजली का योगदान 72 प्रतिशत रहा। कोल इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक पी एम प्रसाद ने कहा कि आने वाले तीन से चार दशकों में प्राथमिकता उत्सर्जन को कम करने और जहां संभव हो, बेहतर और स्वच्छ तकनीकों को अपनाने की होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 2047 तक कोयले की हिस्सेदारी मौजूदा स्तर से घटकर लगभग 30-35 प्रतिशत रह जाएगी। इसे देखते हुए जब तक कोयले का उपयोग होता रहेगा, तब तक इसका जिम्मेदारी से और पर्यावरण अनुकूल तरीके से इस्तेमाल करना जरूरी है। प्रसाद वर्तमान में टिकाऊ कोयले के लिए वैश्विक गठबंधन 'फ्यूचरकोल' की भारत इकाई के चेयरमैन हैं। कोल इंडिया लिमिटेड और गेनवेल इंजीनियरिंग के सहयोग से शुरू की गई फ्यूचरकोल की भारत इकाई टिकाऊ कोयले को बढ़ावा दे रही है। इस पहल के तहत ऐसी तकनीकों को अपनाया जा रहा है, जिनसे उत्सर्जन में 99 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। प्रसाद के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र की खनन और बिजली उत्पादन कंपनी एनएलसी इंडिया ने मजबूत पर्यावरणीय मानक अपनाए हैं और कोल इंडिया की कुछ खदानों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। यदि इन मानकों को देश की सभी 300 खदानों में लागू किया जाए, तो धूल और अन्य उत्सर्जन में 20S30 प्रतिशत तक की अतिरिक्त कमी संभव है।

वेदांता विभाजन के बाद भी अनिल अग्रवाल ने शेयरधारकों के लिए लाभांश जारी रखने का आश्वासन दिया

एजेंसी

नयी दिल्ली। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा कि लाभांश देना उनकी प्राथमिकता में शामिल है और प्रस्तावित विभाजन के बाद भी समूह की कंपनियां नियमित रूप से शेयरधारकों को लाभांश देती रहेंगी। अग्रवाल ने बताया कि समूह अपने विभिन्न कारोबारों में 20 अरब डॉलर के विस्तार कार्यक्रम को जारी रखेगा। धातु से तेल तक के कारोबार वाले वेदांता लिमिटेड का विभाजन प्रत्येक कारोबार को स्वतंत्र पहचान देने, मूल्य उजागर करने और पूंजी निवेश की प्रक्रिया को प्रभावित किए बिना नकद लाभांश जारी रखने के लिए किया जा रहा है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंगलवार को वेदांता को पांच अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने की योजना को मंजूरी दी। विभाजन के बाद आधार धातु का कारोबार वेदांता लिमिटेड में रहेगा, जबकि वेदांता एल्युमिनियम, तलवंडी साबो पावर, वेदांता इस्पात एवं लौह और माल्को एनर्जी (तेल एवं गैस) अन्य चार सूचीबद्ध कंपनियां होंगी। अग्रवाल ने कहा, 'लाभांश देना मेरे विचार का हिस्सा है। चाहे कोई भी परिस्थिति हो, हमारी कंपनियां नियमित लाभांश जारी करती रहेंगी। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक प्रति शेयर सात रुपये का पहला अंतरिम लाभांश और 16 रुपये का दूसरा अंतरिम लाभांश घोषित किया गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 29.50 रुपये प्रति शेयर और 2024-25 में लगभग 46 रुपये प्रति शेयर लाभांश वितरित किया। अग्रवाल ने बताया कि विभाजन मार्च 2026 तक पूरा होने की योजना है। उन्होंने कहा कि अगले चार से पांच वर्षों में वेदांता विभिन्न क्षेत्रों में कुल 20 अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसमें तेल एवं गैस और एल्युमिनियम में चार-चार अरब डॉलर, जस्ता और चांदी में दो अरब डॉलर, विद्युत उत्पादन में ढाई अरब डॉलर और शेष निवेश लौह अयस्क, इस्पात और अन्य क्षेत्रों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चांदी का उत्पादन मौजूदा लगभग 700 टन से बढ़ाकर 2030 तक 1,500 टन किया जाएगा। इसके साथ ही सीसा उत्पादन को चार लाख टन से बढ़ाकर 20 लाख टन प्रतिवर्ष करने का लक्ष्य है। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में जस्ता उत्पादन को वर्तमान 11.3 लाख टन से बढ़ाकर 20 लाख टन किया जाएगा। दक्षिण अफ्रीका में समूह की जिंक कंपनी से अतिरिक्त 10 लाख टन उत्पादन की योजना है, जिससे वेदांता विश्व के प्रमुख उत्पादकों में शामिल होगा। एल्युमिनियम कारोबार में समूह मौजूदा 30 लाख टन क्षमता को दोगुना करने की योजना बना रहा है। राजस्थान में 5.10 लाख टन क्षमता का डाई-अमोनियम फॉस्फ़ेट (डीएपी) उर्वरक संयंत्र स्थापित किया जा रहा है, जिसे आगे चलकर 10 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा।

अहमदाबाद हादसे से इंडिगो संकट तक: भारतीय विमानन क्षेत्र के लिए चुनौतियों भरा रहा पूरा साल

एजेंसी

नयी दिल्ली, 21 दिसंबर (वार्ता) भारतीय विमानन क्षेत्र के लिए साल 2025 बेहद चुनातीपूर्ण रहा - साल के पूर्वार्द्ध में जहां एयर इंडिया विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया, वहीं अंतिम महीने में 'इंडिगो संकट' लाखों यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बना और विमान सेवा कंपनियों के प्रति उनके विश्वास को कमजोर किया।

विमानन क्षेत्र के लिए मार्च तक सब कुछ काफी अच्छा चल रहा था। साल के पहले तीन महीने में यात्रियों की संख्या भी 10.35 प्रतिशत बढ़कर 4.32 करोड़ पर पहुंच गयी थी और उम्मीद की जा रही थी कि गर्मी की छुट्टियों के दौरान पहली बार यात्रियों की मासिक संख्या डेढ़ करोड़ के पार पहुंच जायेगी। इसके बाद 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ और लोगों ने जम्मू-कश्मीर की टिकट रद्द करनी शुरू कर दी। फिर मई की शुरुआत में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमले किये। इसके बाद सीमा पर संघर्ष शुरू हो गया। पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए और भारत ने पाकिस्तानी विमान सेवा कंपनियों के लिए अपने-अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिये जो अब तक जारी हैं। इसका असर भारतीय विमानन क्षेत्र पर पड़ना शुरू हो गया। कई मार्गों पर उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और कई अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर घूमकर जाने से यात्रा का समय और एयरलाइंस की लागत बढ़ गयी। ऊपर से विमान ईंधन की कीमतों में इजाफ़े के कारण मुनाफा कमाने के लिए पहले से संघर्ष कर रही विमान सेवा कंपनियों की वित्तीय स्थिति और खराब हो गयी। मई में हवाई यात्रियों की संख्या में सालाना आधार पर महज 1.89 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि माह-दर-माह लगातार दूसरी गिरावट दर्ज की गयी। देश ने जून महीने में अपने विमानन इतिहास से सबसे बुरे हादसों में से एक का समाना किया। एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 ने गुजरात के अहमदाबाद हवाई अड्डे से 230 यात्रियों और चालक दल के 12 सदस्यों के साथ लंदन के गैट्विक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी थी। टेकऑफ के तुरंत बाद विमान ऊंचाई हासिल करने में असफल रहा और बी.जे. मेडिकल कॉलेज के होस्टल से टकरा गया और उसमें आग लग गयी। देखते ही देखते विमान आग के गोले में तबदील हो गया। चमत्कार के रूप में विश्वासकुमार रमेश नामक एक यात्री मामूली जख्मों के साथ खुद चलता हुआ मलबे से बाहर निकलने में कामयाब रहा। विमान में सवार अन्य सभी 241 लोगों की मौत हो गयी। जमीन पर मौजूद 19 लोगों की मौत हो गयी जबकि 67 लोग गंभीर रूप से घायल हुए। इस हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। एयर इंडिया हादसे की प्राथमिक जांच रिपोर्ट में पायलट की गलती को इसकी मुख्य वजह बताया गया है। आगे की जांच जारी है और अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। इसके बाद, हवाई यात्रियों की संख्या भी लगातार घटती गयी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा अक्टूबर तक के प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, साल के पहले 10 महीने में हवाई यात्रियों की संख्या 3.97 प्रतिशत की दर से बढ़कर 13.74 करोड़ रही है। यह कोरोना-काल के बाद सबसे सुस्त वृद्धि दर है। इस बीच नये हवाई अड्डे, नये टर्मिनल और नयी उड़ानें जुड़ती रहीं। नवी मुंबई में एक बड़े एयरपोर्ट का और मध्य प्रदेश के सतना तथा दतिया में छोटे हवाई अड्डों का उद्घाटन हुआ। पटना और गुवाहाटी हवाई अड्डों को नये टर्मिनल भवन मिले। बिहार के पूर्णिया से उड़ान शुरू हुई। नवी मुंबई एयरपोर्ट से 25 दिसंबर से व्यावसायिक उड़ानें शुरू होंगी। डीजीसीए ने 01 नवंबर से फ्लाइट ड्यूटी के नियमों में बदलाव का दूसरा चरण लागू किया। इसके तहत पायलटों के लिए हर सप्ताह अवकाश के अलावा 48 घंटे का आराम जरूरी कर दिया गया। नाइट ड्यूटी की परिभाषा बदलकर रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक की गयी और एक नाइट ड्यूटी में अधिकतम दो लैंडिंग की सीमा तय की गयी। इन शर्तों को पूरा करने के लिए पहले से अधिक पायलट की जरूरत थी।

विदेशी निवेशकों का रुख, डॉलर की चाल, व्यापक आंकड़े इस सप्ताह तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

शेयर समीक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां, डॉलर की चाल और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि छुट्टियों के कारण छोटे सप्ताह में शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार कर सकते हैं। एक विशेषज्ञ ने कहा कि क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के कारण कई वैश्विक बाजारों में सुस्त गतिविधि देखने को मिल सकती है। घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को क्रिसमस के अवसर पर बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, इस सप्ताह साल के अंत के त्योहारी दौर से कारोबार सीमित रह सकता है। घरेलू स्तर पर बाजार अवसंरचना क्षेत्र के आंकड़ों के साथ ही बैंक ऋण वृद्धि, जमा वृद्धि और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े आंकड़ों पर नजर रखेंगे। मुद्रा की चाल और कच्चे तेल की कीमतें भी अहम कारक बनी रहेंगी। वैश्विक स्तर पर प्रमुख बाजारों, विशेषकर अमेरिका के प्रदर्शन पर नजर रहेगी। ऑनलाइन शेयर कारोबार मंच एनरिच मनी के सीईओ पोनमुदी आर ने कहा कि मजबूत घरेलू नकदी गहरे नकारात्मक जोखिमों से बचाव का काम कर रही है, वहीं अगर विदेशी निवेशकों की वापसी होती है तो बाजार में तेजी का अगला दौर देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अपेक्षा से कम अमेरिकी महंगाई के बाद बाजार की धारणा अधिक सकारात्मक हुई है, और यह माहौल ऐतिहासिक रूप से भारत सहित उभरते बाजारों के लिए अनुकूल रहा है। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 338.3 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरा, जबकि निफ्टी 80.55 अंक या 0.30 प्रतिशत फिसला।

शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में छह का बाजार पूंजीकरण 75,257 करोड़ रुपये बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में छह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण पिछले सप्ताह 75,256.97 करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस को सबसे अधिक लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 338.3 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरा। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस और लार्सन एंड टुब्रो लाभ में रहे। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में गिरावट आई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 22,594.96 करोड़ रुपये बढ़कर 11,87,673.41 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस ने 16,971.64 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे उसका मूल्यांकन बढ़कर 6,81,192.22 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 21,920.08 करोड़ रुपये घटकर 15,16,638.63 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का मूल्यांकन 9,614 करोड़ रुपये घटकर 5,39,206.05 करोड़ रुपये पर था। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

भारत की आध्यात्मिक परंपरायें विश्व का मार्गदर्शन करती हैं: उपराष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को 'विश्व ध्यान दिवस' के मौके पर कहा कि भारत की आध्यात्मिक परंपरायें विश्व का मार्गदर्शन करती हैं। श्री राधाकृष्णन ने तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में 'विश्व ध्यान दिवस' के मौके पर आयोजित समारोह में मन की शांति, भावनात्मक कल्याण तथा सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में ध्यान की शाश्वत प्रासंगिकता पर विशेष बल दिया।

श्री राधाकृष्णन ने सभा को संबोधित करते हुये कहा कि ध्यान एक सार्वभौमिक पद्धति है जो सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक सीमाओं से परे है। उन्होंने इसे मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता और आंतरिक परिवर्तन के मार्ग के रूप में वर्णित किया और इस बात पर जोर दिया कि 'विश्व ध्यान दिवस' आधुनिक जीवन में चिंतन के बढ़ते महत्व को पहचानने का एक अवसर देता है। श्री राधाकृष्णन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित करने में भारत की भूमिका का उल्लेख किया, जिसके तहत 21 दिसंबर को 'विश्व ध्यान दिवस' घोषित किया गया था। उन्होंने कहा, विश्व ध्यान दिवस से मानसिक स्वास्थ्य और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने में ध्यान की शक्ति को वैश्विक मान्यता मिली है। उन्होंने ध्यान के अभ्यास को विश्व भर में फैलाने के लिए 'दाजी' के योगदान की सराहना की और कहा कि ध्यान, योग और आध्यात्मिक खोज की अपनी सदियों पुरानी परंपराओं के साथ भारत आज भी विश्व को शाश्वत ज्ञान प्रदान कर रहा है। भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज़िक्र करते हुए श्री राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में ध्यान को हमेशा से मन और आत्मा का एक प्राचीन विज्ञान माना गया है, जिसे ऋषियों-मुनियों ने आगे बढ़ाया है। उन्होंने भगवदगीता और तमिल के महान ग्रंथ 'तिरुमंथिरम' की सीख का उदाहरण देते हुए कहा कि ध्यान के ज़रिए मन पर काबू पाने से ही इंसान को आंतरिक शांति मिलती है, वह खुद को बेहतर ढंग से समझ पाता है और एक अच्छा जीवन जी पाता है। श्री राष्ट्रपति ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को पाने में ध्यान की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि देश के विकास का मतलब सिर्फ आर्थिक तरक्की ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और आध्यात्मिक उत्थान भी होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ध्यान के जरिए हम एक ऐसा समाज बना सकते हैं जहाँ शांति हो, लोग मुश्किलों का सामना करने की ताकत रखें और एक-दूसरे के प्रति सद्भाव रखें। श्री राधाकृष्णन ने नागरिकों से ध्यान को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील करते हुये इसमें सभी लोगों से योगदान करने की अपील की है। इस समारोह में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, तेलंगाना सरकार के मंत्री डी. श्रीधर बाबू, हार्टफुलनेस मेडिटेशन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक दाजी कमलेश डी. पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। साथ ही, कान्हा शांति वनम में आयोजित इस सामूहिक ध्यान सत्र में हजारों की संख्या में लोग भी शामिल हुए।

पूर्व अग्निवीरों को बीएसएफ में सिपाही की सीधी भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण का तोहफा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सरकार ने अग्निवीरों के पहले बैच के अगले वर्ष सेवा मुक्त होने से पहले एक बड़ा कदम उठाते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में सिपाही के पद पर सीधी भर्ती में पूर्व अग्निवीरों को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है।

इससे पहले सरकार ने कहा था कि पूर्व अग्निवीरों को भर्ती में दस प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा। अब इसे 10 से बढाकर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। अग्निवीरों का पहला बैच चार वर्ष की अवधि के बाद अगले वर्ष सेवा मुक्त होने वाला है।

गृह मंत्रालय ने इसके लिए बीएसएफ की भर्ती प्रक्रिया के नियमों में संशोधन किया है। मंत्रालय ने हाल ही में इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। पूर्व अग्निवीरों को आयु सीमा के मामले में लाभ देने के लिए पहले बैच के अग्निवीरों को आयु सीमा में पांच वर्ष और दूसरे बैच से आगे तीन वर्ष की छूट देने की घोषणा की गई है। पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक मानदंड परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट दी जाएगी हालांकि उन्हें आम उम्मीदवारों की तरह लिखित परीक्षा उर्तीण करनी होगी। बीएसएफ में सिपाही भर्ती प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी । पहले चरण में नोडल बल यानी बीएसएफ पूर्व अग्निवीरों के लिए 50 प्रतिशत रिक्तियों पर भर्ती करेगा जबकि दूसरे चरण में कर्मचारी चयन आयोग शेष रिक्तियों पर भर्ती करेगा।

अग्निवीरों की तीनों सेनाओं में भर्ती वर्ष 2022 में अग्निपथ योजना के अंतर्गत शुरू की गई थी। इनकी सेवा अवधि चार वर्ष रखी गयी है। सेवा मुक्त होने पर 25 प्रतिशत अग्निवीरों को योग्यता के आधार पर सेनाओं में स्थायी किया जायेगा जबकि शेष 75 प्रतिशत को निर्धारित लाभ के साथ सेवामुक्त किया जाएगा। सेना में जवानों की स्थायी भर्ती बंद कर चार वर्ष के लिए अग्निवीरों की भर्ती योजना का देश भर में कड़ा विरोध हुआ था। इसके बाद सरकार ने कहा था कि वह पूर्व अग्निवीरों को रोजगार देने की दिशा में प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है।

मनरेगा खत्म करने के विरोध में कांग्रेस का देशव्यापी प्रदर्शन

नयी दिल्ली। सरकार के मनरेगा की जगह वीबी जी-राम-जी विधेयक पारित करने के खिलाफ कांग्रेस आज देश भर में विरोध प्रदर्शन कर रही है और इस पर उसकी आगे की रणनीति तय करने के बारे में 27 दिसंबर को यहां पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में विचार किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा कि मोदी सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) को प्रभावी रूप से समाप्त कर दिया है और रोजगार गारंटी के इस अधिकार को अनुग्रह में बदल दिया है। श्री वेणुगोपाल ने कहा ''मनरेगा का काम करने का एक कानूनी अधिकार था, न कि कोई कल्याणकारी योजना। इसकी निधि सीमित और नियंत्रण केंद्रीकृत कर इसकी मांग- आधारित प्रकृति को बदलकर, भाजपा ने इस अधिकार को बजट पर निर्भर योजना में बदल दिया है, जिससे करोड़ों ग्रामीण परिवार असुरक्षा और संकट में धकेल दिये गये हैं। इसके विरोध में कांग्रेस आज देश भर के जिला मुख्यालयों में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है और उन श्रमिकों के साथ खड़ी है जिनकी आजीविका और गरिमा पर हमला हो रहा है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि काम के अधिकार पर इस गंभीर हमले को लेकर पार्टी की कार्यसमिति की 27 दिसंबर को होने वाली बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। इस मुद्दे पर पार्टी के वरिष्ठ नेता जहां विचार-विमर्श करेंगे वहीं इसकी आगे की रणनीति और कार्रवाई के बारे में भी निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्य समिति की बैठक के अगले दिन 28 दिसंबर को कांग्रेस स्थापना दिवस पर कार्यकर्ता महात्मा गांधी के चित्र को लेकर देशभर के मंडलों और पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित करेंगे और नागरिकों के लिए आदर्शों, न्याय, गरिमा और काम के अधिकार के संवैधानिक वादे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करेंगे।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक्यूआई लगातार 'गंभीर' श्रेणी में

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में बनी रहा। शहर के कई प्रमुख इलाकों में सुबह के समय एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, अक्षरधाम, आईटीओ, गाजीपुर और आनंद विहार इलाकों में एक्यूआई 438 दर्ज हुआ। बारापुला फ्लाईओवर पर एक्यूआई 382 और धौला कुआँ पर 397 रहा, जो दोनों 'बहुत खराब' श्रेणी में आते हैं। शनिवार की तुलना में हालांकि, कुछ सुधार दिखा है। शनिवार को कई इलाकों में एक्यूआई 500 के पार चला गया था। रविवार को दिन चढ़ने के साथ वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ। दोपहर करीब 12 बजे पीएम10 कणों का स्तर 270 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और अधिक खतरनाक पीएम 2.5 का स्तर 200 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया।

पंजाब सरकार की लापरवाहियों का परिणाम भुगत रहे हैं दिल्ली वाले: सचदेवा

नयी दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने प्रदूषण के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज पर निशाना साधते हुए कहा कि राजधानी के लोग पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल सरकार और आप की मौजूदा पंजाब की सरकारों की लापरवाही का परिणाम भुगत रहे हैं। श्री सचदेवा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि श्री भारद्वाज द्वारा प्रदूषण जैसे गम्भीर विषय पर सुपरमैन, स्पाइडरमैन, बैटमैन और सेंटा क्लोज की बेहोशी का हास्य व्यंग्य करना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली वाले जो भुगत रहे हैं, वह अरविंद केजरीवाल की दिल्ली और पंजाब की सरकारों की लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने कहा कि श्री भारद्वाज जब केजरीवाल सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे तब उनकी सरकार ने लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया, प्रदूषण की रोकथाम पर दस साल में कोई काम नहीं किया। उनके स्वास्थ्य मंत्री रहते दिल्ली सरकार के अस्पतालों में नकली दवाएं बटने का मामला सामने आया और मोहल्ला क्लीनिक तो घोटालों के केन्द्र बन गये थे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि श्री केजरीवाल और श्री भारद्वाज जब सत्ता में थे तब प्रदूषण को नहीं सम्भाल पाये और आज जब विपक्ष में हैं तो हास्यास्पद बातें कर रहे हैं।

बंगाल एसआईआर के लिए सार्वजनिक उपक्रमों, बैंकों के कर्मचारियों की सूक्ष्म पर्यवेक्षक के रूप में तैनाती

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने केंद्रीय सरकारी एजेंसियों और राष्ट्रीयकृत बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक की, ताकि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की सुनवाई के दौरान सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती की जा सके।

सीईओ कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी चर्चा के दौरान उपस्थित थे। अधिकारियों के अनुसार, सभी 16 प्रतिभागी एजेंसियों एवं बैंकों ने इस अभ्यास के लिए अपने अधिकारियों को भेजने की इच्छा व्यक्त की है। एजेंसियों से रविवार तक मनोनीत अधिकारियों के नाम जमा करने की अपेक्षा की गई है जिसके बाद सोमवार को नियुक्ति पत्र जारी किए जाएंगे। चयनित अधिकारियों को बुधवार को एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होना होगा। चुनाव आयोग पूरे राज्य में लगभग 3,500 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की तैनाती करने की योजना बना रहा है, वहीं सुनवाई के दौरान किसी भी अतिरिक्त आवश्यकता को पूरा करने के लिए लगभग 4,000 से 4,500 अधिकारियों को रिजर्व रखने की तैयारी चल रही है। बैठक में कोल इंडिया, दामोदर वैली कॉर्पोरेशन, आयकर विभाग, सीजीएसटी, सीमा शुल्क, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, भारतीय रिजर्व बैंक, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के संयोजक, कोलकाता स्थित यूको बैंक के क्षेत्रीय प्रमुख, मुख्य डाक महानिरीक्षक कार्यालय, एसएआईएल, आईआईएससीओ, डीएसपी, पूर्वी रेलवे, दक्षिण पूर्वी रेलवे, मेट्रो रेलवे, बाल्मर लॉरी, एलआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ कई अन्य बैंकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। चुनाव आयोग पहले ही केंद्रीय सरकारी अधिकारियों को सूक्ष्म पर्यवेक्षकों के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दे चुका है।

'वर्क वीजा' वाले कर्मचारियों को अमेरिका छोड़ने से रोक रहे हैं गूगल, ऐप्पल

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल और ऐप्पल नौकरी वाले वीज़ा पर अमेरिका आये कर्मचारियों को देश छोड़ने से रोक रहे हैं। बिजनेस इनसाइडर ने एक ईमेल का हवाला देते हुए यह दावा किया है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, गूगल और ऐप्पल कुछ 'वर्क वीजा' वाले कर्मचारियों को दूतावास में देरी के कारण अमेरिका से बाहर यात्रा न करने की सलाह दे रहे हैं। दोनों कंपनियों के बाहरी कानूनी सलाहकारों ने उन कर्मचारियों को ईमेल भेजे हैं जिन्हें अमेरिका में फिर से प्रवेश के लिए वीजा स्टैंप की ज़रूरत है। ऐसे कर्मचारियों को देश न छोड़ने की सलाह दी है क्योंकि वीजा प्रक्रिया में सामान्य से ज़्यादा समय लग रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि यह देरी अमेरिका आने वाले कुछ खास तरह के यात्रियों के लिए सोशल मीडिया वेरिफिकेशन की ज़रूरतों को लागू करने के कारण हो रही है। पिछले हफ्ते, एनबीसी ने एक अमेरिकी सीमा-शुल्क एवं सुरक्षा (सीबीपी) के दस्तावेज़ का हवाला देते हुए कहा था कि अमेरिकी अधिकारी देश में प्रवेश चाहने वाले विदेशी यात्रियों से पिछले पांच सालों का सोशल मीडिया डेटा मांगने की योजना बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने डिब्रूगढ़ के नामरूप में अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए भूमि पूजन किया

कांग्रेस ने बिगाड़े हालात, हमारी सरकार सुधार रही देश की उर्वरक व्यवस्था : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकारों के दौरान असम सहित देश के कई हिस्सों में खाद की फैक्ट्रियों के बंद होने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इसी के चलते किसानों को यूरिया के लिए लंबी कतारों में लगना पड़ता था और कई बार स्थिति संभालने के लिए लाठीचार्ज तक का सामना करना पड़ता था। उन्होंने आरोप लगाया कि हालात को कांग्रेस ने बिगाड़ा और उन्हें सुधारने के लिए वर्तमान सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और देशभर में नई उर्वरक इकाइयों की स्थापना की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज डिब्रूगढ़ के नामरूप में असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी की अमोनिया-यूरिया परियोजना के लिए भूमि पूजन किया। नई ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया उर्वरक परियोजना में लगभग 1 करोड़ रुपये से अधिक का अनुमानित निवेश किया गया है। 10,600 करोड़ रुपये की यह परियोजना असम और पड़ोसी राज्यों की उर्वरक आवश्यकताओं को पूरा करेगी, आयात पर निर्भरता कम करेगी, पर्याप्त रोजगार सृजित करेगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति प्रदान करेगी।

इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज भी देश-विरोधी सोच को आगे बढ़ा रही है और असम के जंगलों व जमीन पर बांग्लादेशी अवैध घुसपैठियों को बसाकर केवल अपना वोटबैंक मजबूत करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को असम की पहचान, संस्कृति और सम्मान से कोई सरोकार नहीं है। अवैध घुसपैठियों को बसाने और उन्हें संरक्षण देने का काम कांग्रेस ने ही किया है, इसी कारण वह वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण एसआईआर का विरोध कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति के इस जहर से असम को बचाना जरूरी है और उन्होंने

भरोसा दिलाया कि असम की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा फौलाद बनकर जनता के साथ खड़ी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार ने भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो कांग्रेस ने खुले तौर पर इसका विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष की ओर से दिया गया बयान—ब्लमोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है—केवल भूपेन दा का ही नहीं, बल्कि पूरे असम और उसकी सांस्कृतिक विरासत का अपमान है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असम और पूरे नॉर्थ-ईस्ट के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। नामरूप और डिब्रूगढ़ का वर्षों पुराना सपना अब साकार हो रहा है और इस पूरे क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू हुआ है, जो भविष्य में व्यापक विकास की नींव बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में उद्योग और कनेक्टिविटी की जुगलबंदी असम के विकास को नई गति दे रही है। इससे न केवल आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं, बल्कि युवाओं में नए सपने देखने और उन्हें पूरा करने का आत्मविश्वास भी पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि नामरूप में स्थापित होने वाली अमोनिया-यूरिया फर्टिलाइजर यूनिट से रोजगार और स्वरोजगार के हजारों नए अवसर सृजित होंगे। प्लांट के शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोगों को स्थायी नौकरी मिलेगी और इससे जुड़े सहायक कार्यों में भी स्थानीय लोगों, विशेषकर युवाओं, को रोजगार प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि इससे पहले गुवाहाटी में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन भी किया गया। इन परियोजनाओं से यह स्पष्ट है कि असम ने विकास की नई रफ्तार पकड़ ली है और राज्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि असम के 7.5 लाख चाय बागान श्रमिकों के जनधन खाते खुलवाए गए हैं, जिससे सरकारी सहायता सीधे उनके खातों में पहुंच रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और चाय बागान क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में भी लगातार काम किया जा रहा है। सबका साथ, सबका विकास का विज़न देश के गरीब वर्ग के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लेकर आया है। बीते 11 वर्षों में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर निकले हैं और देश में एक नया नियो-मिडिल क्लास उभरा है, जो भारत की विकास यात्रा को मजबूती दे रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विकसित भारत के निर्माण में किसानों और अन्नदाताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

पेज एक का शेष

प्रदेश सरकार आज...

लगातार नए उद्योगों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित कर रही है। इन उद्योगों को राज्य सरकार की अलग-अलग नीतियों के तहत सब्सिडी दी जाती है। अनुपूरक में सब्सिडी के लिए अतिरिक्त रकम का इंतजाम होगा। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) की तैयारी कर रही सरकार को सब्सिडी के लिए अतिरिक्त बजट की जरूरत दिख रही है। लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए होगी बजट की व्यवस्था अनुपूरक बजट में सबसे बड़ा हिस्सा लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए आवंटित किए जाने की उम्मीद जताई जा रही है। प्रदेश में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए कई लिंक एक्सप्रेस-वे बनाए जाने हैं। कुछ का काम चल भी रहा है। बजट में इनके लिए रकम की व्यवस्था की जाएगी। अनुपूरक बजट आवंटित हो जाने के बाद बन रहे लिंक एक्सप्रेसवे के कामों में तेजी आएगी और नए के लिए प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा डिफेंस कॉरिडोर में आधारभूत सुविधाएं विकसित करने और जमीनों के अधिग्रहण के लिए बजट में इंतजाम होगा।

पांच फार्मा कम्पनियों के...

है। इसी आधार पर एसटीएफ अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। इन सभी के गिरोह के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल से लेन-देन के साक्ष्य मिले हैं। ये लोग लम्बे समय से कोडीन युक्त सिरप की सप्लाई कर रहे थे। इसमें मोटा मुनाफा देखकर ही आरोपियों ने एबॉट कम्पनी के सिरप का उत्पादन बंद करने के बाद इन लोगों ने फर्जी दस्तावेजों से बनी फर्मों के जरिए पश्चिम बंगाल तक सिरप की सप्लाई की। फिर यहां से इसे तस्करी कर बांग्लादेश व नेपाल तक भेजा गया। विभोर राणा की गिरफ्तारी के बाद ही पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ था। फार्मा कम्पनियों ने खूब किया फर्जीवाड़ा एसटीएफ की जांच में ही सामने आ रहा है कि कई फार्मा कम्पनियों ने भारी मुनाफा कमाने के लिए इस गिरोह का साथ दिया। इनके इशारे पर फार्मा कंपनियों ने मनचाहे तरीके से लेन-देन दिखाया। कोडीन युक्त सिरप की तस्करी में आरोपियों को कई तरह की सुविधाएं भी मुहैया कराईं। इन कम्पनियों के बारे में ईडी भी जांच कर रही है। ईडी इन कम्पनियों के लेन-देन को खंगाल चुकी है। जल्दी ही वह भी इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी।

मुठभेड़ में एक...

पुलिस ने भी कई राउंड फायर किए, जिसमें बदमाश सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मारे गए बदमाश सिराज पर हत्या, लूट, डकैती समेत 30 से अधिक आपराधिक मुकदमे विभिन्न जनपदों में दर्ज है। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित था।मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक पिस्टल, कारतूस, एक बाइक, चार मोबाइल फोन और एक वाई-फाई डोंगल बरामद किया है। घटना की सूचना मिलते के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर आशीष तिवारी, एसपी देहात सागर जैन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। बता दे कि 8 अगस्त 2023 की शाम सुल्तानपुर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता आज़ाद अहमद की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में हत्या का मुख्य आरोपी सिराज अहमद सामने आया था। सिराज की तलाश में उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स लंबे समय से लगी हुई थी।

सहकारी ग्राम विकास...

में पहली बार बड़े पैमाने पर कार्य हुए। 26 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का शुभारंभ किया गया। रन फॉर कॉरपोरेशन में हजारों लोगों ने सहभागिता की। 21 मार्च 2025 को यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव लिमिटेड द्वारा एजीएम का आयोजन किया गया, इसमें स्टेक होल्डर्स को 76 करोड़ रुपये का ऑनलाइन लाभांश वितरित किया गया। छह जुलाई 2025 को केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के चौथे स्थापना दिवस पर 266 ड्रोन दीदियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। 12 सितंबर से 30 नवंबर तक एम पैक्स सदस्यता का महाभियान प्रारंभ हुआ। इसमें 24 लाख नए सदस्यों के माध्यम से 43 करोड़ का शेयर कैपिटल भी प्राप्त हुआ। प्रदेश में पहली बार सितंबर 2023 में एमपैक्स सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। 30 लाख नए सदस्य बने और 70 करोड़ का शेयर कैपिटल प्राप्त हुआ था। आज जिला सहकारी बैंकों में दो लाख से अधिक बैंक अकाउंट और 550 करोड़ का डिपॉजिट है। अब बीमार नहीं, किसानों की समृद्धि में योगदान दे रहे को-ऑपरेटिव बैंक मुख्यमंत्री ने 2017 से पहले डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक की दुर्दशा का जिक्र करते हुए बताया कि 16 बैंक डिफॉल्टर घोषित हो गए थे। रिजर्व बैंक ने उनके लाइसेंस जब्त कर लिए थे, लेकिन अब यूपी के को-ऑपरेटिव बैंक डिफॉल्टर और बीमार नहीं हैं, बल्कि स्वयं स्वस्थ हैं और को-ऑपरेटिव से जुड़े सदस्यों के साथ ही किसान की समृद्धि में भी योगदान दे रहे हैं। शासन की अनेक योजनाओं को बढ़ाने का कार्य भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार ने एम पैक्स को 10 लाख रुपये तक ब्याज मुक्त ऋण की सीमा दी है। इसे बढ़ाकर 15 लाख रुपये करने की दिशा में कदम बढ़ाएंगे, लेकिन उससे पहले मैनपॉवर की कमी पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि 6760 एमपैक्स को उर्वरक व्यवसाय के लिए 10 लाख रुपये ब्याज मुक्त ऋण स्वीकृत किया गया है। इससे निरंतर उर्वरक आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। हम लोगों ने प्रयास किया है कि प्रदेश में जितना भी फर्टिलाइजर, पेस्टिसाइड, केमिकल का वितरण होता है, उसका आधा को-ऑपरेटिव से जुड़े एम पैक्स, साधन सहकारी समितियों के माध्यम से वितरित हो, लेकिन इसके लिए मैनपॉवर को पूरा करना पड़ेगा। प्रत्येक में यह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे तो किसान जुड़ेगा और सदस्य संख्या बढ़ेगी। एम पैक्स द्वारा 6400 करोड़ का व्यवसाय किया गया और 191 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया गया। 161 एम पैक्स ने जनऔषधि केंद्र के रूप में जेनरिक दवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इसके माध्यम से उन्होंने अब तक एक करोड़ 86 लाख रुपये से अधिक का व्यवसाय किया है। अब तक 70 करोड़ रुपये से 980 एम पैक्स के सुदृढ़ीकरण का कार्य हुआ है मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भंडारण, ऊर्जा व इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी को-ऑपरेटिव क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन देखने को मिला है। भारत सरकार की योजनाओं के माध्यम से कोठवा पांडेय एम पैक्स ने 1500 मीट्रिक टन क्षमता का सबसे बड़ा गोदाम बनाया है। 2025-26 में 24 नए पैक्स के द्वारा भी ऐसे स्टोरेज बनाने की कार्रवाई बढ़ रही है। 502 एम. पैक्स में सोलर रूफटॉप पैनल स्थापित करने का कार्य पूर्ण किया गया है। जितने भी जर्जर व पुराने वेयरहाउस थे, उनकी मरम्मत के लिए प्रत्येक एम. पैक्स को 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई। अब तक 70 करोड़ रुपये से 980 एम. पैक्स के सुदृढ़ीकरण का कार्य हुआ है। 2025-26 में 30 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान इसमें किया गया है। उन्नयन के लिए 800 से अधिक नवगठित एमपैक्स को सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। एक लाख रुपये की मार्जिन मनी के साथ आधारभूत संरचना आदि कार्य को भी तेजी से बढ़ाया गया। नाबार्ड से ए श्रेणी बैंक के रूप में यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक ने खुद को किया स्थापित मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक अब नाबार्ड से 'ए' श्रेणी बैंक के रूप में खुद को स्थापित किया है। आज प्रदेश में इसके द्वारा 40 शाखाएं संचालित हो रही हैं। सभी 50 जिला को-ऑपेरिटिव बैंक अब लाभांश कमा रहे हैं। पहले कई बीमार थे और बाकी भी बीमार होने की तरफ बढ़ रहे थे। समय रहते उस बीमारी का उपचार किया गया तो सभी स्वस्थ हो गए। 2024-25 में को-ऑपरेटिव बैंक ने 162 करोड़ दो लाख से अधिक का लाभ कमाया है। पिछली सरकारों के माफियाराज के कारण बर्बाद हो गया था को-ऑपरेटिव क्षेत्र मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार आती है तो यही होता है। पिछली सरकारें वन डिस्ट्रिक्ट- वन माफिया पालती थी। को-ऑपरेटिव क्षेत्र पिछली सरकारों के माफियाराज के कारण बर्बाद हो गया है। किसानों की पूंजी फंस गई थी। धीरे-धीरे किसानों का 4700 करोड़ रुपये वापस कराया। अब बैंक फिर से अपना काम करते हुए बढ़ रहा है। प्रदेश को माफिया से मुक्ति मिली। अब वन डिस्ट्रिक्ट, वन को-ऑपरेटिव बैंक की दिशा में प्रदेश बढ़ रहा है। बलरामपुर में नए जिला को-ऑपरेटिव बैंक के गठन की कार्रवाई बढ़ चुकी है। सहकारिता आंदोलन के भविष्य का शिल्पी है युवा मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारा युवा सहकारिता आंदोलन के भविष्य का शिल्पी है। युवा सहकार सम्मेलन प्रदेश की समृद्धि में मील का पत्थर साबित होगा। पीएम ने भारत सरकार के माध्यम से 'सहकार से समृद्धि' व 'सहकार से आत्मनिर्भरता' का विजन दिया है कि 2047 में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में सहकारिता आंदोलन को उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ाना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील की कि सहकारिता के शिल्पकार बनने की दिशा में प्रशिक्षण लें। उस दिशा में ईमानदारी पूर्वक पहल को बढ़ाएं। साथ ही टीमवर्क से परिणाम देने की दिशा में कार्य करें। अतिथियों का स्वागत प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने किया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, सांसद बृजलाल, विधायक डॉ. नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, राजेश्वर सिंह, अमरीश कुमार, जय देवी, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, पवन सिंह चौहान, उमेश द्विवेदी, इंजी. अवनीश सिंह, रामचंद्र प्रधान, उप्र स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रदूषण को कम के लिए दिल्ली सरकार का मेट्रो विस्तार पर फोकस : रेखा गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का स्पष्ट मानना है कि देश की राजधानी व एनसीआर के प्रदूषण को प्रभावी रूप नियंत्रित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था विशेषकर दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क को मजबूत व लास्ट कनेक्टिविटी तक पहुंचाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार को कहा कि हमारी सरकार ने परिवहन विभाग को सुदृढ़ करने के लिए वर्तमान बजट में 60 प्रतिशत अधिक राशि का प्रावधान किया है। इस बजट में दिल्ली मेट्रो के विस्तार के लिए भी समुचित धनराशि रखी गई है, ताकि उसकी वर्तमान परियोजनाओं में किसी प्रकार की बाधा न आए। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी दी कि दिल्ली सरकार दिल्ली मेट्रो की पुरानी देनदारियों को भी अदा कर रही है, जिसे पूर्व सरकारों ने अदा नहीं किया था। उन्होंने कहा कि अगर दिल्ली की पूर्व सरकारों ने राजधानी के परिवहन व्यवस्था को लेकर गंभीरता दिखाई होती तो आज दिल्ली को गंभीर प्रदूषण का सामना नहीं करना पड़ता। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरमेंट (सीएसई) व अन्य सरकारी और शोध-आधारित स्रोतों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर का पर्यावरण बिगाडने और प्रदूषण को गंभीर बनाने में वाहनों से निकला उत्सर्जन प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इस प्रदूषण को रोकने के लिए सार्वजनक परिवहन सिस्टम को मजबूत किया जाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजधानी दिल्ली प्रदूषण संकट और सड़कों पर वाहनों के बढ़ते दबाव को कम करने के लिए निर्णायक कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नेट जीरो एमिशन' और आधुनिक परिवहन के विजन को धरातल पर लाने के लिए दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था, विशेषकर दिल्ली मेट्रो (डीएमआरसी) के विस्तार के लिए बजट की पर्याप्त व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र का विस्तार व मजबूती देने के लिए समुचित व्यवस्था की है। हमारी सरकार ने वर्तमान बजट में परिवहन विभाग को सुदृढ़ करने के लिए 9,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह बजट पिछली सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में आवंटित 5,702

करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि दिल्ली की लाइफलाइन कही जाने वाली 'दिल्ली मेट्रो' के प्रति सरकार की गंभीरता को भी दर्शाती है। उन्होंने बताया कि जहां पूर्ववर्ती सरकार ने पिछले वर्ष मेट्रो के लिए महज 500 करोड़ रुपये के आसपास की राशि का प्रावधान किया था, वहीं हमारी सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में मेट्रो परियोजनाओं के लिए 2,929 करोड़ रुपये का भारी-भरकम आवंटन किया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि उनकी सरकार की कैबिनेट ने एमआरटीएस (मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) फ़ेज-ऋठ के तीन प्रमुख कॉरिडोर को मंजूरी देकर इसके विस्तार का मार्ग प्रशस्त किया है। इन कॉरिडोर में लाजपत नगर से साकेत, इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ और रिठाला से कुंडली (हरियाणा) शामिल है। इस विस्तार से न केवल दिल्ली के भीतर कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि दिल्ली-एनसीआर के बीच यात्रियों को एक सुलभ विकल्प मिलेगा। इस परियोजना के लिए दिल्ली सरकार 3,386.18 करोड़ रुपये का वित्तीय भार स्वयं वहन कर रही है। दिल्ली सरकार ने फंड की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए चालू वित्त वर्ष में 940 करोड़ रुपये की राशि पहले ही वितरित कर दी है, जबकि 336 करोड़ रुपये की अगली किस्त प्रक्रिया में है। इसके अतिरिक्त, सरकार पिछली देनदारियों (फ़ेज-I, II, III) के करीब 2,700 करोड़ रुपये का भी निपटान कर रही है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट मानना है कि जब तक लोग निजी वाहनों को छोड़कर सार्वजनिक परिवहन की ओर रुख नहीं करेंगे, तब तक प्रदूषण की समस्या का स्थाई समाधान संभव नहीं है। हमारी सरकार का संकल्प है कि मेट्रो नेटवर्क को इतना सुदृढ़ और व्यापक बना दिया जाए कि अंतिम छोर तक लोगों को निजी वाहन निकालने की आवश्यकता ही न पड़े। इसी प्रतिबद्धता के अंतर्गत हमारी सरकार दिल्ली मेट्रो को पर्याप्त बजट उपलब्ध करा रही है, साथ ही पुरानी देनदारियों का भी भुगतान कर रही है। उन्होंने यह भी बताया कि डीएमआरसी बोर्ड में दिल्ली सरकार का सक्रिय प्रतिनिधित्व अब बेहतर समन्वय, त्वरित फंडिंग और परियोजनाओं के समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की पिछली सरकारों ने अगर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ व उसका विस्तार करने के लिए गंभीरता दिखाई होतीी तो आज दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की समस्या इतनी गंभीर न होती और आम जन को स्वास्थ्य व अन्य समस्याओ का सामना नहीं करना पड़ता। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन व्यवस्था को 'जीरो उत्सर्जन' बनाने का जो सपना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लिए देखा है, दिल्ली सरकार उसे मिशन मोड में अपना रही है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर आधुनिक बुनियादी ढांचे और पर्यावरण के अनुकूल विकास पर जोर देते रहे हैं। दिल्ली की वर्तमान सरकार केंद्र सरकार की 'विशेष सहायता योजना' के तहत प्राप्त आवंटन का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रही है, ताकि मेट्रो के फ़ेज-IV विस्तार को समय सीमा के भीतर पूरा किया जा सके।

दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाली 386 इकाइयों को किया गया सील: सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रदूषण मुक्त दिल्ली के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। सरकार ने अपने कार्यकाल में अब तक प्रदूषण फैलाने वाली 386 इकाइयों को सील किया है। सिरसा ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर बताया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 जोन में निगम द्वारा कुल 5236 फैक्ट्रियों का सर्वे किया गया, जिनमें से कुल 430 इकाइयों को जल और वायु प्रदूषण फैलाने का दोषी पाया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाली 386 इकाइयों को मौके पर ही सील कर दिया गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की हवा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा इसीलिए लगातार सघन निगरानी की जा रही है।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके आसपास कोई फैक्ट्री नियमों के विरुद्ध जाकर प्रदूषण फैला रही है तो ग्रीन दिल्ली ऐप पर इसकी जानकारी दें।

सारण में बेखौफ अपराधियों ने मचाया तांडव, 50 लाख की डकैती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सारण। बिहार में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे दिन-दहाड़े और शाम ढलते ही पुलिस की गश्ती को धता बताकर बड़ी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला सारण जिले के बनियापुर थाना क्षेत्र के पिठौरी तख्त गांव का है, जहां शनिवार की शाम हथियारबंद अपराधियों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लगभग 50 लाख रुपये की संपत्ति लूट ली और जमकर उत्पात मचाया। इस घटना ने न केवल पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं ब्लकि सूबे के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी की उस सख्त चेतावनी पर भी सवालिया निशान लगाती है जिसमें उन्होंने कहा था 'अपराध छोड़ो या बिहार छोड़ो'। सारण की वर्तमान स्थिति को देखकर स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि शाम के समय गांव के भीतर घुसकर डकैती करना पुलिस की गश्ती और खुफिया तंत्र की पूर्ण विफलता को दर्शाता है। ग्रामीणों ने बताया कि गृह मंत्री सम्राट चौधरी के दि गई चेतावनी अपराधियों के लिए महज एक 'जुमला' बनकर रह गई है। पिछले एक महीने में मात्र एक प्रखंड बनियापुर में हत्या, लूट और डकैती की घटनाओं में आई अचानक बाढ़ ने पुलिस के खुफिया तंत्र की विफलताओं को उजागर कर दिया है। पीड़ित गोविंद सिंह द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी के अनुसार, घटना बीती शाम करीब 6:30 बजे जब घर के सदस्य अपने दैनिक कार्यों में व्यस्त थे तभी 25 से 30 वर्ष की आयु के चार अज्ञात युवक जबरन घर में घुस आए। अपराधियों ने घर में प्रवेश करते ही हथियारों के बल पर पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को बंधक बना लिया। जब परिजनों ने विरोध करने की कोशिश की तो डकैतों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर पूरे परिवार को दहशत में डाल दिया। अपराधियों ने लगभग एक घंटे तक घर में तांडव मचाया। अलमारियों और बक्सों को खंगालते हुए अपराधियों ने 3 लाख रुपये नकद और करीब 40 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। साक्ष्य मिटाने और परिवार को बाहरी दुनिया से काटने के लिए अपराधियों ने घर के मोबाइल फोन तोड़ दिए और कुछ कीमती फोन अपने साथ ले गए। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी बड़ी आसानी से फरार हो गए जिससे गांव में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब अपराधियों के मन से पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है। आए दिन हो रही वारदातों ने आम जनता को अपने ही घरों में असुरक्षित महसूस करने पर मजबूर कर दिया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-2 और बनियापुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

बिहार में भारत-नेपाल सीमा के रक्सौल से सेना का भगोड़ा नार्को टेररिस्ट गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के भारत-नेपाल सीमा स्थित रक्सौल से एक बड़े नार्को-आतंक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पंजाब पुलिस की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने हरैया थाना पुलिस के साथ मिलकर भारतीय सेना से फरार एक जवान और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के अनुसार एसएसओसी मोहाली की टीम ने सेना के भगोड़े जवान राजबीर सिंह उर्फ फौजी को बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के इंडो-नेपाल बार्डर रक्सौल से पकड़ा है। वह नेपाल के रास्ते देश से भागने की फिराक में था। उसके पास से 500 ग्राम हेरोइन और एक हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ। पंजाब पुलिस व मीडिया रिपोर्टस के अनुसार पुलिस ने राजबीर के सहयोगी चिराग को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। चिराग पंजाब के फाजिल्का जिले की काशी राम कॉलोनी का रहने वाला है।

राज्यपाल ने जन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने लोक भवन में आयोजित जन मिलन कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिकों व आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने कहा कि जन मिलन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करना है।

रविवार को जन मिलन कार्यक्रम में पौड़ी, अल्मोड़ा, ऊधमसिंहनगर और देहरादून जनपदों से आए कुल 12 लोगों ने भूमि विवाद, मुआवजा, रोजगार, विकास कार्यों व आर्थिक सहायता से जुड़ी समस्याएं राज्यपाल के समक्ष रखीं। उन्होंने शिकायत निवारण अधिकारी को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसे तुरंत संबंधित जिलाधिकारियों व विभागीय अधिकारियों को प्रेषित किया जाए, ताकि समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो सके। इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि अधिकांश समस्याएं छोटी और सामान्य होती हैं, लेकिन समय पर समाधान न होने से आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसी समस्याओं का नियमानुसार, प्राथमिकता के आधार पर और शीघ्र निस्तारण किया जाए। इस दौरान भारतीय सेना में भर्ती हुए कुछ युवाओं से जुड़ा प्रकरण जो भी पूर्व जन मिलन में सामने आया था, जिन्हें विश्वविद्यालय से समय पर डिग्री न मिलने के कारण सेना के चयन साक्षात्कार में आमंत्रित नहीं किया जा रहा था। लोक भवन के हस्तक्षेप से मात्र तीन दिनों के भीतर संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा डिग्रियां उपलब्ध कराई गईं। इसी प्रकार, तकनीकी कारणों से परीक्षा से वंचित एक छात्र के मामले में भी लोक भवन के पत्राचार करने पर विश्वविद्यालय द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए छात्र को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई। संबंधित युवाओं एवं परिजनों ने इसके लिए राज्यपाल का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, शिकायत निवारण अधिकारी विनोद शाह मौजूद रहे।

राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम ने की सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नवादा। राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार की सदस्या ममता कुमारी एवं उनके टीम द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण रविवार को किया गया। उन्होंने बारी -बारी से सभी कर्मियों से मिलकर उनके द्वारा किये गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी पंचायत(गाँव)स्तर पर बाल विवाह को रोक के लिए पोस्टर एवं पेंटिंग जगह जगह लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी कक्ष के द्वार पर नाम लिखने का निर्देश दिया । वहां आने वाली केस के बारे में भी जानकारी ली। उनकी टीम द्वारा सदर अस्पताल, नवादा मे जाकर प्रसूति महिला एवं नवज़ात शिशुओ के स्थिति का जायजा लिया गया। इस क्रम मे अस्पताल का बेड एवं कम्बल बहुत ही ज्यादा गन्दा पाया गया। कर्मियों मे प्रशिक्षण की बहुत कमी पायी गई एवं नवज़ात शिशुओ को देखरेख और उसके कपडे मे लपेटने के लिए भी व्यवस्था नहीं थी। वहा एम्बुलेंस की कमी पायी गई ।क्योंकि सभी मरीज़ अपने साधन के द्वारा अस्पताल पहुंच रहे थे। अस्पताल मे बिजली की भी व्यवस्था नहीं पायी गई म्वहा की व्यवस्था काफ़ी ही दयनीय पाया गया। इसके बाद आंगनवाड़ी केंद्र भी गई, इस दौरान उन्होंने वहा पाया की। कि फर्श भी टुटा हुआ है और बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी।

पीजीआई चंडीगढ़ में 1.14 करोड़ का प्राइवेट ग्रांट सेल घोटाला उजागर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के पीजीआई में 1.14 करोड़ रुपये के प्राइवेट ग्रांट सेल घोटाले की परतें अब तेजी से खुलती जा रही हैं जांच में सामने आया है कि यह फर्जीवाड़ा केवल एक विभाग तक सीमित नहीं था, बल्कि इससे पहले भी सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं में करोड़ों रुपये की अनियमितताएं की जा चुकी थीं।

अधिकारियों के अनुसार आयुष्मान भारत और हिमकेयर योजना में हुए घोटालों का मास्टरमाइंड भी वही व्यक्ति था, जिसने पीजीआई के प्राइवेट ग्रांट सेल में बड़ा खेल किया। जांच एजेंसियों ने खुलासा किया है कि घोटाले का मुख्य आरोपी दुर्लभ कुमार अपने कुछ साथियों और पीजीआई के कर्मचारियों की मिलीभगत से यह पूरा नेटवर्क चला रहा था। आरोप है कि उसने डॉक्टरों और विभागाध्यक्षों की फर्जी मुहरें बनवाकर अमृत फार्मेसी से महंगी दवाएं मुफ्त में निकलवाईं। इन दवाओं का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को लाभ पहुंचाना था, लेकिन इन्हें अवैध रूप से बाजार में बेच दिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी इन दवाओं को चंडीगढ़ के नामी केमिस्टों को 10 से 20 प्रतिशत कम कीमत पर सप्लाई करता था, जिससे उसे मोटा मुनाफा होता था। इस पूरे मामले में पीजीआई के कुछ कर्मचारियों की संलिप्तता भी सामने आई है। फिलहाल जांच एजेंसियां सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही हैं और अन्य आरोपियों की भूमिका को भी खंगाला जा रहा है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

अपहरण का प्रयास और अवैध वसूली का भंडाफोड़ तीन अभियुक्त गिरफ्तार

कटिहार। फलका थाना पुलिस ने अपहरण का प्रयास और अवैध वसूली के मामले में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अनुबंध पर प्रतिनियुक्त चालक अमन कुमार और उसके दो साथियों ने एक स्थानीय युवक को जबरन अपनी निजी कार में बैठाकर कहीं ले जाने का प्रयास किया था। पीड़ित मो. राहिल ने हल्ला किया, जिससे स्थानीय लोगों ने तीनों व्यक्तियों को पकड़ लिया। फलका थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अमन कुमार, अमित राज और बमबम कुमार यादव को अभिरक्षा में लिया। एक अन्य व्यक्ति ब्रजेश कुमार मौके से फरार हो गया। जांच के दौरान पता चला कि ये लोग सफ़ेद रंग की कार से आए थे और एक स्थानीय युवक को जबरदस्ती कार में बैठाने का प्रयास कर रहे थे। कार की तलाशी में कोडीन युक्त कफ सिरप की 4 बोतलें बरामद की गईं। अभियुक्तों ने पुलिस होने का नाटक कर अपहरण और अवैध वसूली का प्रयास किया था। पुलिस ने बताया कि फलका थाना कांड सं0-180/2025 प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

अतिक्रमण पर प्रशासन की सख्ती, लोहिया पुल से ततारपुर तक चला अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। रविवार को लोहिया पुल से लेकर ततारपुर तक व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस अभियान में सदर एसडीएम विकास कुमार, सिटी डीएसपी अजय चौधरी, यातायात डीएसपी संजय कुमार, नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। अभियान के दौरान सड़क किनारे अवैध रूप से दुकान लगाकर यातायात बाधित कर रहे दुकानदारों पर कार्रवाई की गई। कई दुकानदारों से मौके पर ही जुर्माना वसूला गया, जबकि कई दुकानों का सामान जब्त किया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद सदर एसडीएम विकास कुमार ने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं सिटी डीएसपी अजय चौधरी ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया है, वहां दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस सख्ती से आम लोगों को जाम और अव्यवस्थित यातायात से राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

न्यूजीलैंड में नगर कीर्तन का विरोध एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना: गड़गज्ज

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यवाहक जत्थेदार, ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने रविवार को उस घटना की कड़ी निंदा की है जिसमें न्यूजीलैंड के दक्षिण ऑकलैंड के मनुरेवा शहर में सिख समुदाय द्वारा आयोजित नगर कीर्तन (धार्मिक जुलूस) का कुछ शरारती तत्वों ने विरोध किया। इस घटना को सिख समुदाय और सामाजिक एवं सांप्रदायिक सद्भाव के लिए एक चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य समाज में शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए खतरा हैं।

जत्थेदार गड़गज्ज ने कहा कि ब्रायन तमाकी नाम के एक व्यक्ति की अगुवाई में एक समूह ने कथित तौर पर जानबूझकर न्यूजीलैंड के स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं का दुरुपयोग करके नफरत का माहौल बनाया और सिख समुदाय को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड सरकार को इस मामले का गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए और ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए जो कड़वाहट पैदा करने और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिख सभी धर्मों और आस्थाओं का सम्मान करते हैं, और इसी तरह दूसरों की भी जिम्मेदारी है कि वे सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता का सम्मान करें।

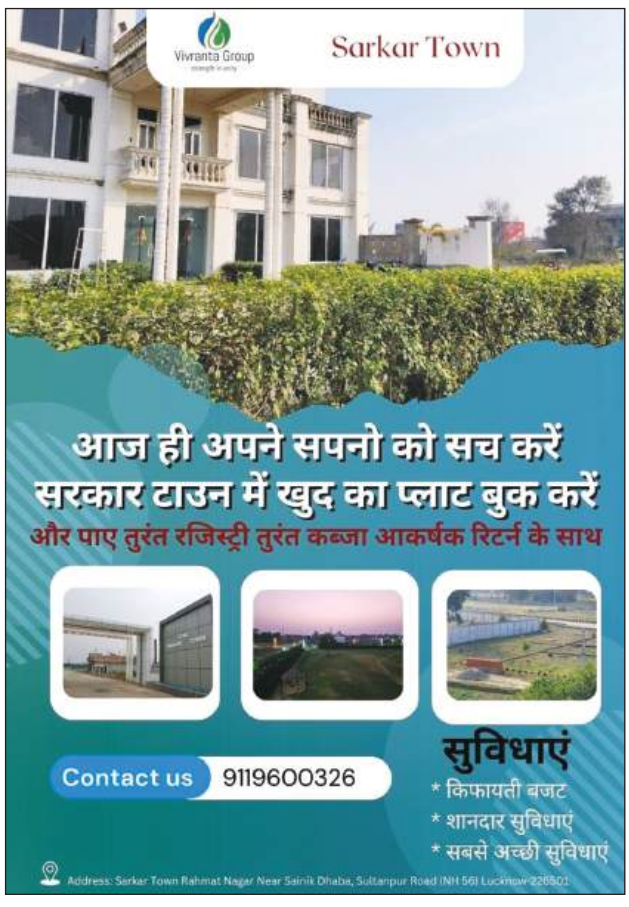

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063